प्रयागराज, रविवार 07 सितम्बर 2025 से 13 सितम्बर 2025 तक
वर्ष-13 , अंक-36
पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक

नगर संस्करण 13

डाक पंजीयन नं. 99/2018-20

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

ट्रम्प बोले- भारत के साथ रिश्ते रीसेट करने को तैयार,कहा- हमेशा मोदी का दोस्त रहूंगा,पीएम ने कहा- उनके विचारों की सराहना करता हूं

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प शुक्रवार को भारत के खिलाफ दिए गए अपने बयान पर करीब 12 घंटों के अंदर ही बैकफुट पर चले गए। उन्होंने शाम 6-7 बजे के

बीच व्हाइट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक सवाल पर कहा- 'मैं हमेशा मोदी का दोस्त रहूंगा। भारत के साथ संबंधों को रीसेट करने के लिए हमेशा तैयार हूं।' इससे पहले शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे उन्होंने सोशल मीडिया ट्रुथ पर लिखा था, 'ऐसा लगता है कि हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। उम्मीद है उनका भविष्य अच्छा होगा।' वहीं, शनिवार को 9:45 बजे पीएम मोदी ने ट्रम्प के बयान को शेयर करते हुए एक्स पर लिखा- राष्ट्रपति ट्रम्प की भावनाओं और हमारे संबंधों को लेकर उनके विचारों की तहे दिल से सराहना करता हूं और उनका पूर्ण समर्थन करता हूं। उन्होंने कहा- भारत-अमेरिका के बीच एक पॉजिटिव और दूरदर्शी रणनीतिक साझेदारी है।प्रेस ब्रीफिंग में ट्रम्प ने भारत और दूसरे देशों के साथ चल रही व्यापार बातचीत को अच्छा बताया, लेकिन यूरोपीय संघ के गूगल पर 3.5 अरब डॉलर का जुर्माना लगाने पर नाराजगी जताई। इसके अलावा उन्होंने साफ किया कि वे भारत के रूसी तेल खरीदने के कारण निराश हैं। उन्होंने कहा- 'हमने भारत पर इसके लिए 50फीसदी का भारी टैरिफ लगाया है।'पीएम मोदी की ट्रम्प को लेकर दिए प्रतिक्रिया पर विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, 'पीएम मोदी अमेरिका के साथ हमारी साझेदारी को बहुत महत्व देते हैं। जहां तक ??राष्ट्रपति ट्रम्प का सवाल है, उनके (पीएम मोदी) ट्रम्प के साथ हमेशा से बहुत अच्छे व्यक्तिगत रिश्ते रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा- फिलहाल मुद्दा यह है कि हम अमेरिका के साथ जुड़े हुए हैं। जयशंकर ने इससे ज्यादा कुछ भी कहने से इनकार किया।ट्रम्प की टिप्पणी से पहले अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने 4 सितंबर को कहा था कि ट्रम्प और पीएम नरेंद्र मोदी के बीच पहले की खास दोस्ती अब खत्म हो चुकी है। ब्रिटिश मीडिया एलबीसी को दिए इंटरव्यू में बोल्टन ने ट्रम्प की नीति की आलोचना करते हुए कहा था, 'व्हाइट हाउस ने अमेरिका-भारत संबंधों को दशकों पीछे धकेल दिया, जिससे मोदी रूस और चीन के करीब आ गए। चीन ने खुद को अमेरिका और ट्रम्प के विकल्प के रूप में पेश किया है।' बोल्टन ने इसे एक बड़ी गलती है बताया था। उन्होंने कहा- 'इसे अब ठीक नहीं किया जा सकता, क्योंकि स्थिति बहुत खराब हो चुकी है।'भारत पर 50फीसदी टैरिफ लगाने के बाद से भारत और अमेरिका के बीच संबंध खराब हो गए हैं। भारत समेत बाकी देशों पर हाई टैरिफ लगाने के मामले की सुनवाई यूएस कोर्ट में चल रही है। ट्रम्प ने 4 सितंबर को कोर्ट में भारत पर टैरिफ लगाने को जरूरी बताया था। उन्होंने कहा था कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो अमेरिका को बहुत ज्यादा आर्थिक नुकसान होगा। ट्रम्प ने इससे पहले निचली अदालत के उस फैसले को चुनौती दी, जिसमें कहा गया था कि ट्रम्प विदेशी सामान पर भारी टैरिफ नहीं लगा सकते। ट्रम्प ने कहा था कि

भारत पर लगाए गए टैरिफ रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए बहुत जरूरी हैं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि भारत पर रूसी तेल खरीदने के लिए टैरिफ लगाया गया, ताकि युद्ध खत्म करने में मदद मिले। ट्रम्प ने कहा कि निचली अदालत का फैसला उनकी पिछले 5 महीनों की व्यापारिक बातचीत को मुश्किल में डाल सकता है। इससे यूरोपीय यूनियन, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों के साथ हुए समझौते खतरे में पड़ सकते हैं। ट्रम्प ने कहा- भारत टैरिफ लगाकर अमेरिका को मार रहा ट्रम्प ने बुधवार (3 सितंबर) को कहा था कि भारत टैरिफ लगाकर हमें (अमेरिका) मार रहा है। उन्होंने द स्कॉट जेनिंग्स रेडियो शो में बात करते हुए कहा कि भारत, चीन और ब्राजील जैसे देश अपने ऊंचे टैरिफ से अमेरिका को मार रहे हैं। ट्रम्प ने कहा- 'मैं टैरिफ को दुनिया में सबसे बेहतर समझता हूं। भारत दुनिया में सबसे ज्यादा टैरिफ लगाने वाला देश था, लेकिन अब उन्होंने मुझे जीरो टैरिफ का ऑफर दिया।' उन्होंने यह भी कहा कि अगर अमेरिका ने भारत पर टैरिफ नहीं लगाए होते, तो भारत ऐसा ऑफर कभी नहीं देता। ट्रम्प ने टैरिफ को अमेरिका की आर्थिक ताकत के लिए जरूरी बताया और कहा कि टैरिफ के बिना वे यह ऑफर नहीं देते। इससे हम आर्थिक रूप से मजबूत होंगे। वहीं, अमेरिका के उद्योग मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने शुक्रवार को ब्लूमबर्ग टीवी से बात करते हुए भारत पर 25फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ हटाने के लिए तीन शर्त रखीं। उन्होंने कहा कि भारत को रूस से तेल खरीदना बंद करना पड़ेगा, ब्रिक्स से अलग होना होगा और अमेरिका का सपोर्ट करना होगा। उन्होंने कहा कि अगर आप (भारत) रूस और चीन के बीच ब्रिज बनना चाहते हैं तो बनें, लेकिन या तो डॉलर का या अमेरिका का समर्थन करें। अपने सबसे बड़े ग्राहक का सपोर्ट करें या 50फीसदी टैरिफ चुकाएं। हालांकि, उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि भारत जल्द ही अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते की बातचीत में शामिल होगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका हमेशा बातचीत के लिए तैयार है। ट्रम्प ने 30 जुलाई को भारत पर 25फीसदी टैरिफ का ऐलान किया था।

मुंबई में ब्लास्ट की धमकी देने वाला आरोपी नोएडा से गिरफ्तार,बिहार का रहने वाला; वॉट्सएप पर लिखा था- 34 गाड़ियों में 400 किलो आरडीएक्स

मुंबई। गणेश उत्सव के बीच ब्लास्ट की धमकी देने वाले शख्स को उत्तर प्रदेश के नोएडा से शनिवार

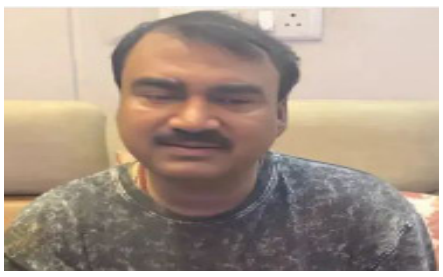

को गिरफ्तार कर लिया गया। 50 साल के आरोपी का नाम अश्विन कुमार सुप्रा है। बिहार के पटना का रहने वाला है और पिछले 5 साल से नोएडा में रह कर ज्योतिष और वास्तु शास्त्र का काम करता था। आरोपी ने गुरुवार देर रात मुंबई पुलिस को वॉट्सएप पर धमकी भरा मैसेज भेजा था। उसने लिखा था, 'लश्कर-ए-जिहादी के 14 आतंकी मुंबई में घुस चुके हैं। आतंकियों ने 400 किलो आरडीएक्स 34 गाड़ियों में फिट कर दिया है। वे बड़ा ब्लास्ट करने वाले हैं, जिससे एक करोड़ लोगों की मौत हो सकती है।' धमकी मिलते ही मुंबई पुलिस ने हाईअलर्ट घोषित कर दिया और क्राइम ब्रांच को जांच सौंपी। एंटी-टेररिज्म स्क्वॉड और अन्य सुरक्षा एजेंसियां भी अलर्ट थी। जांच के बाद मुंबई क्राइम ब्रांच नोएडा पहुंची और सेक्टर-79 की सोसाइटी से आरोपी को गिरफ्तार किया।क्राइम ब्रांच आरोपी को नोएडा से मुंबई ले गई है। पुलिस ने आरोपी का फोन और सिम कार्ड जब्त कर लिया है।। इसके अलावा उसके पास से 4 सिम कार्ड होल्डर, 6 मेमोरी कार्ड होल्डर, एक सिम स्लॉट एक्सटर्नल, दो डिजिटल कार्ड बरामद हुए हैं। सूत्रों के मुताबिक, अश्विन ने पूछताछ में मुंबई पुलिस को बताया कि साल 2023 में वह फ्रॉड के एक केस में पटना के जेल में तीन महीने रहा था। तब फिरोज नाम के एक व्यक्ति ने उसके खिलाफ शिकायत की थी। अश्विन ने बताया कि वह तब से ही फिरोज से बदला लेना चाहता था, इसलिए उसके नाम से मुंबई पुलिस को मैसेज भेजा था। हालांकि, फिरोज कौन है, फ्रॉड का क्या मामला था, ये अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।महाराष्ट्र के ठाणे जिले में 25 अगस्त को एक रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया था कि जांच के बाद यह धमकी झूठी निकली थी। मामले में 43 साल के एक शख्स को गिरफ्तार किया गया था। आरोपी की पहचान रूपेश मधुकर रणपिसे के रूप में की गई थी।

लाल किला परिसर से रु1 करोड़ का सोने पर हीरे-पन्ने जड़ित कलश चोरी,जैन समारोह की घटना, लोकसभा स्पीकर भी आए थे

नयी दिल्ली। दिल्ली के लाल किला परिसर में जैन धार्मिक परिसर के 15 अगस्त पार्क में 10 दिनों का धार्मिक आयोजन

आयोजन के दौरान दो स्वर्ण कलश और 1.5 करोड़ रुपए के सामान चोरी हो गए। घटना बुधवार, 3 सितंबर की है। इसका सीसीटीवी शनिवार को सामने आया है। इसमें एक चोर जैन पुजारी के वेश में आया और कीमती सामान से भरा बैग लेकर चला गया।पुलिस ने कहा है कि संदिग्ध की पहचान कर ली गई है और उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। एक स्वर्ण कलश पर लगभग 760 ग्राम का सोने का नारियल लगा था। 115 ग्राम के दूसरे कलश पर हीरे, पन्ने और माणिक जड़े थे। इन्हें जैन धर्म में पवित्र माना जाता है और ये अनुष्ठानों में काम आते हैं।दरअसल, लाल किला 'दशलक्षण महापर्व' आयोजित किया गया था। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, स्वर्ण कलश और कीमती सामान बिजनेसमैन सुधीर जैन के स्वामित्व में था। वे अनुष्ठानों के लिए हर दिन ये कीमती सामान लाते थे। पिछले बुधवार भी वे अनुष्ठान के लिए कलश लाए थे। कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी शामिल हुए थे। ओम बिरला के स्वागत की अफरातफरी के बीच कलश मंच से गायब हो गया।हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब लाल किला में सुरक्षा में सेंध का मामला सामने आया है। इससे पहले, 2 अगस्त को लाल किले की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी एक डमी बम का पता नहीं लगा पाए थे।

सीएम आवास के पास आत्मदाह करने पहुंची एक्ट्रेस,लखनऊ पुलिस ने बचाया, हरियाणवी सिंगर पर लगाया था रेप का आरोप

लखनऊ। लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास के पास एक एक्ट्रेस ने सुसाइड

करने की कोशिश की। शनिवार को वह नोएडा से लखनऊ आई। इसके बाद सीधे सीएम आवास के पास पहुंची। यहां बाहर लगी बैरिकेडिंग (टैंगो-1) के पास बैग से पेट्रोल भरी बोतल निकाली। फिर अपने शरीर पर पेट्रोल छिड़कने लगी।यह देखकर वहां मौजूद पुलिसकर्मी घबरा गए। आनन-फानन में दौड़ते हुए एक्ट्रेस के पास पहुंचे और उसके हाथ से बोतल छीन ली। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। इसमें पुलिसकर्मी एक्ट्रेस को पकड़ते दिख रहे हैं। टैंगो-1 बैरिकेडिंग सीएम आवास से 500 मीटर दूर है। फिलहाल, पुलिस एक्ट्रेस को गौतमपल्ली थाने ले गई। वहां पूछताछ की जा रही है। एक्ट्रेस ने हरियाणवी फोक सिंगर उत्तर कुमार पर रेप का आरोप लगाया है। उसका कहना है कि उसने 24 जून को गाजियाबाद के शालीमार गार्डन थाने में रेप का केस दर्ज कराने के लिए शिकायत दी थी, लेकिन एफआईआर दर्ज नहीं हुई। इसके बाद हाईकोर्ट में अपील की, फिर कोर्ट के आदेश पर 25 दिन बाद एफआईआर दर्ज हुई। एक्ट्रेस का कहना है कि मुकदमा दर्ज होने के बाद भी पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। कई बार उत्तर कुमार की लोकेशन बताने के बावजूद पुलिस ने कुछ नहीं किया।इसके बाद न्याय के लिए अन्य रास्ते अपनाने को मजबूर हो गई। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर चेतावनी दी थी कि अगर उसे न्याय नहीं मिला, तो आत्मदाह कर लेगी।

योगी बोले- मंत्रीजी टाइम पर आ गए, ये बड़ी बात,बसों की टाइमिंग भी ठीक कर ही देंगे,400 रोडवेज को हरी झंडी दिखाई

लखनऊ। लखनऊ में सीएम योगी ने परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह की चुटकी ली। उन्होंने कहा- कार्यक्रम

का शुभारंभ करने के लिए सुबह 11 बजे का समय बताया गया था, लेकिन मेरा मानना था कि मंत्री जी 12 बजे तक ही पहुंचेंगे। लेकिन मैं मीटिंग में था, तभी मुझे बताया गया कि मंत्री जी 10 बजे ही पहुंच गए। वह समय से पहले आ गए, यह बड़ी बात है। अब बसों की टाइमिंग भी ठीक कर ही देंगे। इसका मतलब यह है कि अब वह भी चाहते हैं कि परिवहन विभाग के जो बस स्टेशन हैं, वे भी इसी प्रकार से सुंदर और व्यवस्थित बनें। सीएम योगी ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में रोडवेज की 400 नई बसों को हरी झंडी दिखाई। परिवहन कर्मियों को भी सम्मानित किया। 400 में डबल डेकर, ई-बस और साधारण बसें शामिल हैं। इनमें सीसीटीवी कैमरा, पैनिक बटन, हर खिड़की पर सेफ्टी हैमर, फायर सेफ्टी डिवाइस और सामान रखने के बड़े और मॉडर्न रैक लगे हैं। सीटें आरामदायक हैं। कंडक्टर के लिए अलग सीट है। सीएम योगी ने परिवहन मंत्री की चुटकी ली। अपने संबोधन के दौरान बोले- मीटिंग में था। तभी बताया गया कि मंत्री जी 10 बजे कार्यक्रम में पहुंच गए हैं। 11 बजे मेरा भाषण प्रारंभ हो चुका है। यह एक मॉडल है। मुझे लगता है कि मंत्री जी समय से पहले आए तो इसका मतलब यह है कि अब वह भी चाहते हैं कि परिवहन विभाग के जो बस स्टेशन है। वह भी इसी प्रकार से सुंदर और समय से बनें।

आकाश के ताकतवर होते ही ससुर की बसपा में वापसी,मायावती से बोले- रिश्तेदारी का नाजायज फायदा नहीं उठाऊंगा, ढाई घंटे में मिली माफा

लखनऊ। बसपा में आकाश आनंद के पावरफुल होते ही उनके

ससुर अशोक सिद्धार्थ की भी वापसी हो गई। अशोक सिद्धार्थ ने शनिवार को सोशल मीडिया के जरिए मायावती से हाथ जोड़कर माफी मांगी। साथ ही पार्टी में वापस लेने का आग्रह किया। मायावती ने महज ढाई घंटे के अंदर अशोक सिद्धार्थ को माफ करते हुए पार्टी में वापस ले लिया। रविवार को मायावती ने पार्टी की एक बैठक भी बुलाई है। पार्टी सूत्रों की मानें, तो मायावती बैठक में अशोक सिद्धार्थ की वापसी के कारणों पर बात करेंगी। कुछ इसी तरीके से आकाश आनंद की भी 13 अप्रैल को वापसी हुई थी। उन्होंने भी मायावती से माफी मांगी थी।फरवरी, 2025 में गुटबाजी और पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ को बसपा से निकाल दिया गया था। आज सिद्धार्थ ने अपनी सभी 'छोटी-बड़ी गलतियों' को स्वीकार करते हुए वादा किया कि आगे वे कभी गलती नहीं करेंगे। अब केवल मायावती के मार्गदर्शन में ही काम करेंगे।'मैं आदरणीय बहन मायावती जी का हृदय से सम्मान करता हूं। पार्टी कार्य में 'जाने-अनजाने' में हुई गलतियों के लिए हाथ जोड़कर माफी मांगता हूं। मैं उनसे अनुरोध करता हूं कि मुझे माफ कर दें। आगे मैं पार्टी के अनुशासन में रहूंगा, रिश्तेदारी का कोई नाजायज फायदा नहीं उठाऊंगा।' सिद्धार्थ ने साफ किया कि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष संदीप ताजने, हेमंत प्रताप और अन्य निष्कासित नेताओं को वापस लाने की कोई सिफारिश नहीं करेंगे। आखिर में उन्होंने पार्टी में फिर से शामिल करने का विशेष आग्रह किया।

बाराबंकी में रामस्वरूप यूनिवर्सिटी पर चला बुलडोजर,5 दिन पहले यहां पुलिस ने एबीवीपी छात्रों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा था

लखनऊ। बाराबंकी में श्री रामस्वरूप यूनिवर्सिटी पर

शनिवार को बुलडोजर चला। दोपहर तक गेट के बाहर खड़े रहे 2 बुलडोजरों को दोपहर साढ़े 3 बजे परिसर के अंदर ले जाया गया। इसके बाद नवनिर्मित एनिमल हाउस को खाली कराकर ध्वस्त कर दिया गया। इसके बाद एनिमल हाउस से थोड़ी दूरी पर बने एक कमरे और बाउंड्रीवॉल को भी तोड़ दिया गया। इससे पहले प्रशासनिक टीमों ने यूनिवर्सिटी के अवैध कब्जों का सर्वे किया। टीम के साथ 2 बुलडोजर भी थे। टीम में नवाबगंज तहसील प्रशासन, राजस्व विभाग और पुलिस फोर्स शामिल रहा। इस दौरान पूरे यूनिवर्सिटी परिसर को छावनी में तब्दील कर दिया गया। एडीएम न्यायिक राजकुमार शर्मा ने बताया कि यूनिवर्सिटी में ग्रामसभा की जमीन पर कब्जा पाया गया था। इसमें बेदखली की कार्रवाई हुई। इसके बाद बुलडोजर की कार्रवाई की गई। एनिमल हाउस 400 वर्गमीटर पर बना था। राजकुमार शर्मा ने बताया- यूनिवर्सिटी की 1 हेक्टेयर जमीन ग्रामसभा में दर्ज है, जिसमें कुल 32 गाटा संख्या हैं। जिन गाटा संख्या पर यूनिवर्सिटी का अवैध कब्जा है, उस पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जा रही है। बंजर जमीन पर 400 वर्गमीटर एरिया में बना एनिमल हाउस तोड़ा गया है.

पेट परीक्षार्थी बोले समय से पहुंचना ही चुनौती,कठिन सवालों ने उलझाया,प्रथम पाली की परीक्षा में करेंट अफेयर्स और इतिहास सरल

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित पेट की प्रथम पाली की परीक्षा प्रयागराज में कड़ी

सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुई है।प्रथम पाली की परीक्षा देकर निकले परीक्षार्थियों का कहना था कि इतिहास और करेंट अफेयर्स के सवाल सरल थे। बाकी डीआई और अदर पोर्सन कठिन लगे। जो लोग मेहनत किए हैं उनका हो जाएगा। बलिया के सौरभ ने कहा कि परीक्षा में प्रश्न काफ़ी आसान थे और जो छात्र थोड़ी भी पढ़ाई किए थे। उनके लिए पेपर शानदार रहा। परीक्षा में सबसे आसान विषय इतिहास था। जिसमें ज्यादातर प्रश्न कक्षा 10वीं के स्तर के थे। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की गई है। प्रयागराज के विभिन्न केंद्रों पर बड़ी संख्या में उम्मीदवारों ने भाग लिया। अभी दूसरे पाली की परीक्षा तीन बजे से होगा। परीक्षार्थी केंद्रों के बाहर बड़ी संख्या में तेज धूप में इंतजार कर रहें हैं। साथ उनका कहना था कि परीक्षा केंद्र तक पहुँचने में काफ़ी दिक्कत हुई क्योंकि उन्हें बलिया से 250 किलो मीटर दूर बाइक से आना पड़ा। विजय यादव ने बताया कि उसने 73 सवाल हल किए क्योंकि वह सारे सवाल हल नहीं कर सके। उनके अनुसार परीक्षा का स्तर मध्यम था। करेंट अफेयर्स के सवाल थोड़े कठिन थे। फिजिक्स के सवाल आसान थे। 20 सवाल दिवस और स्थापना से संबंधित थे। साथ ही कहा कि ट्रैवल में काफी दिक्कत हुई। ट्रेन में बहुत भीड़ थी और खड़े होकर यात्रा करनी पड़ी। सोनभद्र के अवनीश ने बताया कि मैथ्स और डीआई (डेटा इन्टरप्रिटेशन) के प्रश्न थोड़े मुश्किल लगे। जबकि जीएस (सामान्य अध्ययन) का सेक्शन सामान्य और करेंट अफेयर्स के प्रश्न करने लायक थे।

प्रयागराज के 25 डॉक्टर होंगे बर्खास्त,सालो से हैं लापता बिना बताए,सीएमओ ने शासन को भेजी लिस्ट

प्रयागराज। प्रयागराज के 25 डॉक्टरों पर बड़ी कार्रवाई की तैयारी है। ये डॉक्टर 10 से 15 साल तक लगातार ड्यूटी से गायब चल रहे हैं। इसमें कुछ ऐसे डॉक्टर हैं जो बिना किसी सूचना के गायब हैं तो कुछ ऐसे हैं जो स्वेच्छा से इस्तीफा देकर चले गए लेकिन उनका इस्तीफा मंजूर नहीं हुआ। शासन ने सीएमओ प्रयागराज से इसकी सूची मांगी, जिसमें 25 डॉक्टरों को चिह्नित किया गया है। शासन स्तर पर जल्द ही कार्रवाई हो सकती है। सीएमओ डॉ. एके तिवारी ने दैनिक भास्कर को बताया 25 डॉक्टरों की सूची बनाई गई है जो लंबे समय से सेवा में नहीं हैं। इनके बारे में शासन स्तर जांच आदि चल रही है। जिन 25 डॉक्टरों की सूची तैयार की गई है उसमें सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर यानी ग्रामीण इलाकों के हैं। इसमें 12 महिला डॉक्टर हैं जबकि 13 पुरुष डॉक्टर हैं। दरअसल, डिप्टी सीएम व स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने पिछले ही दिनों अलग अलग जनपदों के चार ऐसे ही डॉक्टरों को बर्खास्त कर दिया है जो लंबे समय से बिना सूचना के अनुपस्थित चल रहे थे। इसके बाद अब प्रयागराज के ऐसे डॉक्टरों की खोजबीन शुरू हो गई है।प्रयागराज के सीएचसी, पीएचसी पर मौजूदा समय में 192 डॉक्टरों की तैनात है। जबकि 85 डॉक्टरों का पद खाली है जिस पर भर्ती नहीं हो रही है। इसका परिणाम यह हो रहा है ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाएं बहुत ही कमजोर हैं। जो डॉक्टर हैं भी वह शहर में रहते हैं और समय से अस्पताल में नहीं पहुंचते हैं। पिछले दिनों जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने जब अपने मातहतों से सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण कराया तो बड़ी संख्या में डॉक्टर अनुपस्थित मिले थे। इस पर उन्होंने नाराजगी जताई थी। ये 25 डॉक्टर जिनकी तैयार की गई है सूची- डॉ. धनेश त्रिपाठी : सीएचसी फूलपुर पर तैनात थे। ये स्वेच्छा से इस्तीफा देकर चले गए। डॉ. नीलू मिश्राः सीएचसी हंडिया पर तैनात थीं। एक फरवरी 2018 से अनाधिकृत रूप से लगातार गायब हैं। डॉ. मोना त्रिपाठी : सीएचसी धनुपुर पर तैनात थीं। एक मई 2017 को इस्तीफा दे दिया। डॉ. अविनाश जायसवाल, सीएचसी धनुपुर पर तैनात थे। इनका ट्रांसफर दसेर नवीन प्रा. स्वास्थ्य केंद्र पर हुआ। 1 अक्तूबर 2018 से बिना सूचना के गायब चल रहे। डॉ. रजनीश कुमारः सीएचसी हंडिया पर तैनाती थी। एक नवंबर 2016 से इस्तीफा देकर गायब हैं।डॉ. रेखा देवीः सीएचसी सैदाबाद पर थीं। 18 अप्रैल 2018 से बिना लीव के गायब हैं। डॉ. सुमन मौर्याः सीएचसी शंकरगढ़ पर थीं। 15 अक्तूबर 2017 से बिना सूचना गायब हैं। डॉ. अदिति दुबेः सीएचसी शंकरगढ़ पर थीं। 5 अप्रैल 2018 से इमरजेंसी लीव ले गईं लेकिन अभी तक नहीं लौटी हैं। डॉ. प्रिया सिंहः सीएचसी कौंधियारा में थीं। 2018 से इस्तीफा देकर गायब हैं। डॉ. विशाल रत्न श्रीवास्तव : सीएचसी करछना। 22 जून 2025 से अनाधिकृत रूप से गायब चल रहे हैं।डॉ. रवि पांडेयः सीएचसी करछना। 24 जून 2018 से गायब चल रहे हैं। डॉ. रतिभान सिंहः सीएचसी रामनगर पर थे। 19 जून 2018 से गायब हैं। डॉ. प्रभु प्रकाश : सीएचसी रामनगर पर थे। इनका ट्रांसफर चिलबिला के नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर हो गया था। इन्होंने आदेश रिसीव नहीं किया और गायब हैं। डॉ. वीके चौधरी, सीएचसी मेजा में थे। जुलाई 2011 से बिना सूचना के गायब हैं। डॉ. अनुराधाः सीएचसी मेजा पर थीं। 2012 से गायब हैं। डॉ. अरविंद कुमारः सीएचसी मांडा पर थे। 2012 से बिना सूचना के गायब हैं। डॉ. विजय कुमार गुप्त, सीएचसी रामनगर पर थे। 28 अप्रैल 2018 से गायब हैं। डॉ. मरीषा, पीएचसी मुकुंदपुर होलागढ़ पर थीं। एक अगस्त 2018 से गायब हैं। डॉ. रंकिता तिवारीः पीएचसी टेला हंडिया पर थीं। 21 सितंबर 2020 से गायब हैं।डॉ. प्रशांत त्रिपाठीः सीएचसी कोटवा एट बनी पर थे। 2 नवंबर 2020 से से गायब हैं। डॉ. श्रद्धा यादव : राजकीय महिला चिकित्सालय, आनापुर में थीं। 4 साल से गायब हैं। डॉ. नेहा जायसवाल, सोरांव सीएचसी पर थीं। लंबे समय से गायब हैं। डॉ. बदरूज्जमा अंसारी : सीएचसी मांडा पर थीं। इस्तीफा देकर गायब हैं।

अद्भुद संयोग 5वीं बार बड़े हनुमान जी ने किया स्नान,3 दिन पहले खुले थे कपाट, महाआरती की गई

प्रयागराज। संगम स्थित बड़े हनुमान जी को गंगा मां ने एक बार फिर गंगा स्नान कराया। शुक्रवार को

शाम 5:30 बजे स्नान कराया। यह पहली बार है कि एक सीजन में 5वीं बार गंगा मां ने हनुमान जी को स्नान कराया। गंगा यमुना का जलस्तर बढ़ने से एक बार फिर से जलस्तर मंदिर परिसर में पहुंच गया जिससे बड़े हनुमान जी ने 5 वीं बार स्नान किया। इस दौरान मंदिर परिसर में पूरे श्रृंगार के साथ पूजा अर्चना और आरती करके कपाट बंद कर दिए गए।बड़े हनुमान मंदिर में गंगा का जलस्तर पहुंचना और बड़े हनुमान जी का स्नान करना यह बहुत ही अद्भुत पल होता है मंदिर के मुख्य पुजारी महंत बलवीर गिरी ने विधिवत पूजा-अर्चना और अभिषेक कर शंख, घंटे और ड्रम बजाकर भगवान हनुमान की महाआरती संपन्न कराई। इसके पश्चात मंदिर के कपाट बंद कर दिए गए हैं।मंदिर के महंत और पुजारियों द्वारा मां गंगा के आगमन पर विशेष पूजा-अर्चना और आरती की गई। विधि-विधान से पूजा के पश्चात मंदिर के कपाट बंद कर दिए गए। मान्यता है कि जब मां गंगा स्वयं हनुमान जी को स्नान कराती हैं, तो यह क्षण अत्यंत पावन और फलदायक होता है।इसी कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस दुर्लभ दृश्य के साक्षी बनने मंदिर परिसर में उमड़ पड़े। जैसे ही गंगा जल मंदिर में प्रवेश कर गर्भगृह तक पहुंचा, भक्तों में उल्लास की लहर दौड़ गई।हर बार की तरह इस बार भी श्रद्धालुओं की आस्था को ध्यान में रखते हुए मंदिर प्रशासन ने बड़े हनुमान जी का एक विग्रह मंदिर के बाहर स्थापित कर दिया है, जिससे भक्तगण मंदिर के बाहर से ही दर्शन कर सकें।

सिलेंडर विवाद में हिंसक झड़प,6 लोगों ने 2 भाइयों पर जानलेवा हमला किया,1 का हाथ टूटा

प्रयागराज। बारा तहसील स्थित घूरपुर थाना क्षेत्र में घरेलू गैस सिलेंडर को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। आरोप है कि सिलेंडर लौटाने की बात पर हुए झगड़े ने हिंसक रूप ले लिया, जिसमें दो सगे भाइयों की जमकर पिटाई कर दी गई। जसरा निवासी सोनू केसरवानी पुत्र बैजनाथ ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीती रात करीब 9:30 बजे उसने तीरथ केसरवानी पुत्र सूरज केसरवानी को घरेलू सिलेंडर दिया था। सोनू के मुताबिक तीरथ लगातार तीन महीने तक सिलेंडर लौटाने में टालमटोल करता रहा और हर बार कहता कि भरवाकर लौटा देगा। जब सोनू ने सख्ती दिखाते हुए थाने जाने की चेतावनी दी तो विवाद बढ़ गया।आरोप है कि तीरथ अपने आधा दर्जन साथियों के साथ छोटा सिलेंडर लेकर सोनू पर टूट पड़ा। हमलावरों ने सोनू को गालियां दीं और लात-घूसों से बेरहमी से पीटा। सड़क पर गिराकर की गई इस पिटाई में सोनू की आंख और शरीर पर गंभीर चोटें आईं और उसका बायां हाथ टूट गया।घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोग कह रहे हैं कि महज एक सिलेंडर के विवाद में इस तरह की जानलेवा मारपीट बेहद निंदनीय है। घूरपुर थाना प्रभारी दिनेश सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। दोषियों के खिलाफ जल्द कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नवनिर्मित सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान दर्दनाक हादसा, दो लोगों की मौत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। सैदाबाद चौकी क्षेत्र के सैदाबाद गांव में शनिवार को नवनिर्मित

सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। जहरीली गैस की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक किसी तरह अपनी जान बचाने में सफल रहा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, विनय यादव (15) और उनके चाचा धर्मराज (45) अपने घर पर बने नवनिर्मित सेप्टिक टैंक की सफाई कर रहे थे। जैसे ही टैंक का ढक्कन उठाया गया, अचानक जहरीली गैस बाहर निकलने लगी। उसकी तेज़ गंध नाक में चढ़ते ही दोनों का संतुलन बिगड़ गया। बाहर निकलने का प्रयास करते हुए दोनों फिसलकर गड्ढे में गिर पड़े। उनके साथ मौजूद एक अन्य युवक बचाने के लिए नीचे उतरा, लेकिन स्थिति गंभीर देख किसी तरह बाहर निकल आया और शोर मचाया। ग्रामीणों ने तत्काल तीनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सैदाबाद पहुंचाया। लेकिन वहां न तो बिजली की व्यवस्था थी, न पंखे चल रहे थे और न ही डॉक्टर मौजूद मिले। इस लापरवाही पर परिजन भड़क उठे और जमकर हंगामा किया। इसके बाद घायलों को स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने धर्मराज और विनय को मृत घोषित कर दिया। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर चौकी प्रभारी गौरव तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों को समझाकर शांत कराया और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने और स्वास्थ्य केंद्रों की अव्यवस्थाओं पर तत्काल कार्रवाई की मांग की।

ओरिएंटेशन प्रोग्राम के छठवें दिन trainees ने किया नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर का भ्रमण, जाना संस्थान का गौरवशाली इतिहास

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर में चल रहे सात दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम के छठवें दिन प्रशिक्षुओं (trainees) ने संस्थान परिसर का विस्तृत भ्रमण किया। इस दौरान उन्हें संस्थान की विभिन्न कार्यशालाओं, प्रयोगशालाओं, स्मार्ट क्लासरूम्स, पुस्तकालय और तकनीकी सुविधाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10 बजे हुई, जिसमें संस्थान के वरिष्ठ अनुदेशकों द्वारा प्रशिक्षुओं को Centre Visit के महत्व के बारे में बताया गया। उन्होंने समझाया कि एक तकनीकी संस्थान के ढांचे और संसाधनों को जानना प्रशिक्षु के आत्मविश्वास और व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ाता है। संस्थान का इतिहास:- नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर की स्थापना वर्ष 2008 में हुई थी तब से यह संस्थान क्षेत्र के युवाओं को तकनीकी शिक्षा और औद्योगिक प्रशिक्षण प्रदान करने में अग्रणी रहा है। संस्थान का उद्देश्य छात्रों को

स्वरोजगार और विभिन्न उद्योगों में नौकरी हेतु दक्ष बनाना है। यहाँ इलेक्ट्रीशियन, फिटर, वेल्डर, कंप्यूटर ऑपरेटर, और अन्य ट्रेड्स में व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाता है। संस्थान समय-समय पर उन्नत तकनीकों और उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुसार अपने पाठ्यक्रमों को अपडेट करता है, जिससे यहां से प्रशिक्षित विद्यार्थी देश-विदेश में अपनी योग्यता का प्रदर्शन कर रहे हैं। विद्यार्थियों में दिखा उत्साहः- सेंटर विज़िट के दौरान प्रशिक्षुओं में विशेष उत्साह देखा गया। उन्होंने विभिन्न ट्रेड्स की कार्यप्रणाली को समझा, उपकरणों का अवलोकन किया और वरिष्ठ प्रशिक्षकों से सवाल पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम के अंत में संस्थान के प्रधानाचार्य ने सभी प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि, 'एक तकनीकी संस्थान केवल भवनों और मशीनों से नहीं बनता, बल्कि यहाँ के प्रशिक्षु और उनके सपने ही इसकी असली पहचान हैं।'

मातृ भूमि सेवा मिशन की सेवा-सद्भावना संदेश यात्रा लोक कल्याणार्थ बाबा बैजनाथ धाम के लिए 20 श्रृद्धालु रवाना,गूंजे हर-हर महादेव के नारे

भारत के युवाओं को भारतीय संस्कृति और सनातन की मुख्य धारा से जोड़ना ही राष्ट्रधर्म और विश्वगुरु बनने की दिशा में पहला कदमः डॉ. श्री प्रकाश मिश्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मातृभूमि सेवा मिशन इकाई धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र (हरियाणा) के संस्थापक एवं सुपुत्र राघव पांडेय, असिस्टेंट प्रोफेसर पूजा पांडेय, आरती पांडेय, वंदना पांडेय, बृजेश सिंह धर्मपत्नी विमला सिंह, इशू

सिंह, पम्मी सिंह, अवधेश सिंह सहित कुल 20 श्रद्धालु शामिल हुए। जैसे ही ट्रेन रायबरेली जंक्शन पर पहुंची, इकाई के जिला संरक्षक महेंद्र अग्रवाल, संरक्षक रामराज गिरी, मंडल अध्यक्ष भगवत प्रताप सिंह के नेतृत्व में उपस्थित श्रद्धालुओं एवं गणमान्य नागरिकों ने यात्रियों का भव्य स्वागत किया। माल्यार्पण, पुष्पवर्षा और अंगवस्त्राम अर्पित कर डॉ. श्रीप्रकाश मिश्रा, संयोजक विजय त्रिपाठी और संयोजक प्रदीप पांडेय का अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर स्टेशन परिसर 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के जयकारों से गूंज उठा। इकाई के संरक्षक एवं समाजसेवी महेंद्र अग्रवाल, रामराज गिरी , भगवत प्रताप के साथ उपस्थित बड़ी संख्या में लोगों ने सेवा सद्भावना संदेश यात्रा के श्रद्धालुओं को मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं। स्वागत से अभिभूत होकर डॉ. मिश्रा भावविभोर हो गए। तत्पश्चात शुभेच्छाओं और मंगलकामनाओं के साथ पूरा जत्था बाबा बैजनाथ धाम के लिए प्रस्थान कर गया।

प्रेरणा स्रोत डॉ. श्रीप्रकाश मिश्रा के नेतृत्व में सेवा-सद्भावना संदेश यात्रा बाबा बैजनाथ धाम के लिए रवाना हुई। यह आध्यात्मिक यात्रा कुरुक्षेत्र से प्रारंभ होकर अवधक्षेत्र (लखनऊ, रायबरेली) से होती हुई देवघर के पावन धाम तक पहुंचेगी। रायबरेली जंक्शन पर आगमन के अवसर पर डॉ. मिश्र ने उपस्थित पत्रकारों से कहा कि युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म की मुख्य धारा से जोड़ना ही लोककल्याण और राष्ट्रधर्म का आधार है।

हमारी यह यात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि समाज में सेवा, त्याग और सद्भावना की नई चेतना जगाने का प्रयास है। भारत तभी विश्वगुरु बनेगा जब हमारे युवा राष्ट्रहित के लिए समर्पित होकर कार्य करेंगे। मातृभूमि सेवा मिशन का यही संकल्प है।

इस यात्रा में दिल्ली से मुन्ना सिंह, उत्तर प्रदेश लखनऊ इकाई के संयोजक विजय त्रिपाठी, संरक्षक शीतला प्रसाद त्रिपाठी, अन्नपूर्णा (अन्नू) त्रिपाठी, आस्था त्रिपाठी, तथा रायबरेली इकाई से संयोजक प्रदीप पांडेय, उनकी धर्मपत्नी अंशिका (अल्पू) पांडेय,

बाबा जगमोहनेश्वर धाम चंदापुर मंदिर में अनंत चतुर्दशी तिथि पर गणपत भगवान का हवन पूजन के पश्चात किया गया विसर्जन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली । दिनांक 6 सितंबर 2025 दिन शनिवार, भाद्र शुक्ल पक्ष की

चतुर्दशी तिथि पर 10 दिनों से विराजित गणपत भगवान का विसर्जन किया गया ।प्रातः काल गणेश जी का पूजन डॉक्टर शकुंलता सिंह, कमलत्रिवेदी, शशांक श्रीवास्तव, रवि सोनी, डॉक्टर किरण श्रीवास्तव, मंटू शुक्ला ने किया। प्रातः 11:00 बजे सामूहिक हवन आचार्य नीरज तिवारी के द्वारा संपन्न कराया गया। हवन के समय पूरा मंदिर परिसर भक्तों से भरा हुआ था। दोपहर 3:00 बजे गणेश जी का पूजन मुख्य यजमान आनंद जायसवाल, सुनील सिंह ,धर्मेंद्र श्रीवास्तव, राजू दीक्षित ,श्रीमती शिशिर शुक्ला,राम राज गिरी के द्वारा किया गया ।इसके बाद गणेश जी को एक सजे हुए रथ पर विराजित कराया गया। रास्ते भर भक्तों ने गणेश जी का स्वागत एवं अभिनंदन किया।डॉक्टर शकुंलता सिंह ने अपने नर्सिंग होम के सामने लड्डू व पानी का वितरण कराया। विसर्जन शोभा यात्रा में अपार जन समूह एकत्रित था। पूरी व्यवस्था को धर्मेंद्र श्रीवास्तव ने व्यवस्थित कर रखा था।

स्वतंत्र देव सिंह शिक्षक सम्मान समारोह एवं स्मार्टफोन/टैबलेट वितरण कार्यक्रम में हुए सम्मिलित,मंत्री द्वारा 20 शिक्षकों को अंग वस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया और 50 छात्रों को टैबलेट दिया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। स्वतंत्र देव सिंह, सिंचाई

एवं जल संसाधन, बाढ़ नियंत्रण, परती भूमि विकास, लघु सिंचाई, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग/प्रभारी मंत्री जनपद प्रयागराज श्री स्वतंत्र देव सिंह जी शुक्रवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर पं0 रामकुमार शुक्ल महाविद्यालय-होलागढ़ सोरांव में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह एवं स्मार्टफोन/टैबलेट वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। मंत्री के द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मंत्री ने मानव के चरित्र निर्माण में शिक्षकों की भूमिका के महत्व को बताते हुए कहा कि देश में जितने भी महापुरुष हुए उनके पीछे उनके गुरुओं की भूमिका रही।मंत्री ने कहा कि शिक्षक उस माली के समान है जो एक बगीचे को अलग-अलग रूप और रंग के फूलों से सजाता है और छात्रों को कांटों पर मुस्कुराते हुए चलने का गुरुमंत्र भी देता है। उन्होंने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम, भगवान श्री कृष्ण एवं विवेकानंद सहित अन्य महापुरुषों का जिक्र करते हुए युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए उत्साहित किया। मंत्री ने कहा कि हमारी अगली पीढ़ी को सशक्त बनाना माननीय प्रधानमंत्री जी की सर्वोच्च प्राथमिकता है और उनका मानना है कि हमारे देश के भविष्य युवाओं को अच्छी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार के अवसर प्रदान करना अत्यंत आवश्यक है। इसलिए प्रधानमंत्री कौशल योजना, पीएम श्रीयोजना के साथ देश में नए आईआईटी और आईआईएम, मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं।मुख्य वक्ता के रूप में प्रो0 गिरीश चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, छात्र परिवार की भूमिका के साथ रहे तभी संस्था का विकास एवं राष्ट्र का विकास सम्भव है। इस अवसर पर मंत्री के द्वारा अंग वस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर 20 शिक्षकों को सम्मानित किया गया और 50 छात्रों को टैबलेट दिया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रबंधक रामानुज शुक्ल ने शिक्षक दिवस के अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित सभी शिक्षकों को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर फूलपुर सांसद प्रवीण पटेल, महापौर उमेश चन्द्र गणेश केशरवानी, विधान परिषद के सदस्य श्री सुरेन्द्र चौधरी, विधायक फाफामऊ श्री गुरु प्रसाद मौर्य, विधायक फूलपुर श्री दीपक पटेल, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा आदि अतिथि के रूप में रहे। कार्यक्रम का संचालन अर्चना शुक्ला ने किया। इस मौके पर महाविद्यालय संरक्षक आचार्य पं0 रामशंकर शुक्ल, निदेशक डॉ देवेश शुक्ल, डॉ सर्वेश शुक्ल, आशुतोष पाण्डेय, नितेश सिंह, रज्जू मिश्र, ब्रिजेश मिश्र, आशीष पटेल, अम्बुज तिवारी आदि रहे।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराजः आज अपने पुत्र हनुमान जी को माँ गंगा,यमुना,सरस्वती त्रिवेणी संगम ने पाँचवी बार स्नान करवाया।

प्रयागराज। संगम स्थित बड़े हनुमान जी को गंगा मां ने एक बार फिर गंगा स्नान कराया। शुक्रवार को शाम 5:30 बजे स्नान कराया। यह पहली बार है कि एक सीजन में 5वीं बार गंगा मां ने हनुमान जी को स्नान

कराया। गंगा यमुना का जलस्तर बढ़ने से एक बार फिर से जलस्तर मंदिर परिसर में पहुंच गया जिससे बड़े हनुमान जी ने 5 वीं बार स्नान किया। इस दौरान मंदिर परिसर में पूरे श्रृंगार के साथ पूजा अर्चना और आरती करके कपाट बंद कर दिए गए।बड़े हनुमान मंदिर में गंगा का जलस्तर पहुंचना और बड़े हनुमान जी का स्नान करना यह बहुत ही अद्भुत पल होता है मंदिर के मुख्य पुजारी महंत बलवीर गिरी ने विधिवत पूजा-अर्चना और अभिषेक कर शंख, घंटे और ड्रम बजाकर भगवान हनुमान की महाआरती संपन्न कराई। इसके पश्चात मंदिर के कपाट बंद कर दिए गए हैं।मंदिर के महंत और पुजारियों द्वारा मां गंगा के आगमन पर विशेष पूजा-अर्चना और आरती की गई। विधि-विधान से पूजा के पश्चात मंदिर के कपाट बंद कर दिए गए। मान्यता है कि जब मां गंगा स्वयं हनुमान जी को स्नान कराती हैं, तो वह क्षण अत्यंत पावन और फलदायक होता है। इसी कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस दुर्लभ दृश्य के साक्षी बनने मंदिर परिसर में उमड़ पड़े। जैसे ही गंगा जल मंदिर में प्रवेश कर गर्भगृह तक पहुंचा, भक्तों में उल्लास की लहर दौड़ गई।हर बार की तरह इस बार भी श्रद्धालुओं की आस्था को ध्यान में रखते हुए मंदिर प्रशासन ने बड़े हनुमान जी का एक विग्रह मंदिर के बाहर स्थापित कर दिया है, जिससे भक्तगण मंदिर के बाहर से ही दर्शन कर सकें। मंदिर के कपाट अब गंगा-यमुना के जलस्तर के कम होने और विधिपूर्वक पूजन के बाद ही खोले जाएंगे।

जनपद में दोनों पालियों में पीईटी-2025 की परीक्षा सकुशल सम्पन्न,कुल पंजीकृत 19776 के सापेक्ष 15960 अभ्यर्थी उपस्थित रहें व 3816 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहें

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अपर जिलाधिकारी

(प्रशासन) सिद्धार्थ ने बताया कि उ0प्र0 अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी)-2025 हेतु जनपद में बनाए गए 23 परीक्षा केंद्रों पर दोनों पालियों में परीक्षा सकुशल सम्पन्न हुई। उन्होंने बताया कि यूपी पेट 2025 की प्रथम पाली में पंजीकृत 9888 के सापेक्ष 7922 अभ्यर्थी उपस्थित रहें तथा 1966 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहें। द्वितीय पाली में पंजीकृत 9888 के सापेक्ष 8038 अभ्यर्थी उपस्थित रहे व 1850 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहें, इस प्रकार आज की आयोजित दोनों पालियों की परीक्षा में पंजीकृत 19776 के सापेक्ष 15960 अभ्यर्थी उपस्थित रहें व 3816 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहें। उन्होंने बताया कि परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराए जाने हेतु कलेक्ट्रेट में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, कंट्रोल रूम से जनपद के सभी परीक्षा केंद्रों की सीसीटीवी कैमरा द्वारा निगरानी की जा रही है। कंट्रोल रूम में शिफ्टवार कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है तथा उनका पर्यवेक्षण करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की भी ड्यूटी लगाई गई है। अपर जिलाधिकारी ने आयोजित परीक्षा के दौरान बनाए गए विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया। निरीक्षण के समय जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, सीओ सिटी अमित सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

संगमनगरी में एबीवीपी की मशाल यात्राःश्री रामस्वरूप विश्वविद्यालय में अनियमितताओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

प्रयागराज। श्री रामस्वरूप विश्वविद्यालय, बाराबंकी में विधि पाठ्यक्रम के अवैध संचालन और प्रशासनिक अनियमितताओं के खिलाफ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने शुक्रवार को प्रदेशव्यापी विरोध प्रदर्शन किया। शांतिपूर्ण आंदोलन पर पुलिस लाठीचार्ज के विरोध में प्रदेश के सभी जिलों में मशाल यात्राएँ निकाली गईं। प्रयागराज महानगर में यह मशाल यात्रा इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्र संघ भवन से बालसन चौराहे तक निकाली गई। जिसमें सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राएं एवं अभाविप कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। मशाल यात्रा के दौरान प्रशासन और पुलिस के खिलाफ नारे लगे और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की गई।अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद महानगर मंत्री प्रतीक मिश्रा 'सूरज' ने चेतावनी दी कि यदि सरकार 48 घंटे के भीतर दोषी पुलिसकर्मियों और विश्वविद्यालय प्रशासन पर कार्यवाही नहीं करती तो परिषद प्रदेशव्यापी उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी। इलाहाबाद विश्वविद्यालय इकाई अध्यक्ष आलोक त्रिपाठी ने आरोप लगाया कि रामस्वरूप विश्वविद्यालय में शैक्षणिक अनियमितताएँ शिक्षा व्यवस्था के साथ मज़ाक हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी परिषद इस लड़ाई को सड़क से लेकर सदन तक लड़ेगी और दोषियों को सजा दिलाकर रहेगी। विभाग संयोजक यशार्थ श्रीवास्तव ने कहा कि विद्यार्थी परिषद ज्ञान-शील-एकता के मंत्र के साथ आगे बढ़ रही है और लाठी-दमन से इसे दबाया नहीं जा सकता। सरकार को तुरंत न्याय सुनिश्चित करना चाहिए। इस मौके पर अमन शुक्ला, अभिनव, विदित शुक्ला, ज्ञान प्रकाश, आदित्य सेन और नर नारायण सिंह सहित परिषद के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आज से शुरू हुआ पितृपक्ष, पूर्वजों को करेंगे तर्पण

प्रयागराज। आज यानी 7 सितंबर से पितृपक्ष की शुरुआत हो रही है। 21 सितंबर तक चलने वाले इस पितृपक्ष में लोग अपने पूर्वजों को नमन

करेंगे, उनका तर्पण करेंगे। अपने पूर्वजों को प्रसन्न करने के लिए पितृपक्ष का समय सबसे शुभ होता है। माना जाता है कि पितृपक्ष के दौरान पितृ यानी दिवंगत पूर्वज धरती पर वास करते हैं। इस दौरान उन्हें विधिपूर्वक तर्पण, पिंडदान पूजापाठ करके प्रसन्न किया जाता है। इससे उनकी आत्मा को शांति मिलती है और सुख समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है। आचार्य ब्रजमोहन पांडेय के अनुसार, पितृपक्ष की शुरुआत दुर्लभ संयोग में चंद्र ग्रहण के साथ 7 सितंबर को होगा। अमावस्या 21 सितंबर को यह समाप्त होगा। इस बार पितृपक्ष में 2 ग्रहण लगेंगे। चंद्र ग्रहण रात 9:57 बजे से 1:27 बजे तक रहेगा जो भारत के अधिकांश हिस्सों में दिखाई देगा। पितृपक्ष के समापन के दिन सूर्य ग्रहण रहेगा लेकिन यह भारत में दिखाई नहीं देगा। शास्त्रों में उल्लेख आता है कि जब एक ही पक्ष में दो ग्रहण लगते हैं, तो कई तरह की परेशानियां और प्राकृतिक घटनाएं होती हैं। यह काल पितरों की शांति और तर्पण कर्मकांड को विशेष महत्व देने वाला होगा। इस प्रकार पितृपक्ष में ग्रहण का लगना शुभ-अशुभ फल को प्रभावशाली बनाता है।पिता को तर्पण देते समय गंगा जल में दूध, तिल और जौ मिलाकर तीन बार पिता को जलांजलि दें। जल देते समय ध्यान करें कि वसु रूप में मेरे पिता जल ग्रहण करके तृप्त हों। अपने गोत्र का नाम लेकर बोलें, गोत्रे अस्मत्पिता (पिता जी का नाम) शर्मा वसुरूपत् तृप्यतमिदं तिलोदकम गंगा जलं वा तस्मै स्वधा नमः, तस्मै स्वधा नमः, तस्मै स्वधा नमः. अपने गोत्र का नाम लेकर बोलें, गोत्रे अस्मत्पितामह (दादा जी का नाम) शर्मा वसुरूपत् तृप्यतमिदं तिलोदकम गंगा जलं वा तस्मै स्वधा नमः, तस्मै स्वधा नमः, तस्मै स्वधा नमः। गोत्र का नाम लें गोत्रे पितामां दादी का नाम देवी वसुरूपास्त् तृप्यतमिदं तिलोदकम गंगा जलं वा तस्मै स्वधा नमः,तस्मै स्वधा नमः, तस्मै स्वधा नमः. ॐ पितृभ्यः स्वधायिभ्यः पितृगणाय च नमः - इस मंत्र को नियमित रूप से जपने से पितरों की आत्मा को संतोष मिलता है। पितृ तर्पण करने के बाद ब्राह्मण को भोजन अवश्य कराना चाहिए। इससे पितृ की आत्मा को शांति मिलती है. दान : पितृ पक्ष के बाद किसी पात्र व्यक्ति या ब्राह्मण को यथाशक्ति दान करना चाहिए। इससे पितृ बेहद प्रसन्न होते हैं। इस दौरान गौ, अन्न, वस्त्र, दीपदान आदि दान भी श्रेष्ठ माना गया है।

ऋषि चैरिटेबल ट्रस्ट के बच्चों ने गणेश उत्सव बड़े धूमधाम के साथ मनाया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। जेजे कॉलोनी सेक्टर 5 हरौला

ऋषि की पाठशाला में पूजा के लिए भगवान गणेश की मूर्ति पर्यावरण अनुकूल मिट्टी से हाथ से बनाई गई थी सभी बच्चों ने मिलकर पूजा, अर्चना, आरती के पश्चात प्रसाद वितरण हुआ संस्थापक भारती नेगी ने बच्चों को बताया गणेश उत्सव जिसे गणेश चतुर्थी के नाम से भी जाना जाता है भगवान गणेश के जन्मदिन का उत्सव है जो बुद्धि समृद्धि और बढ़ाओ को दूर करने वाले देवता माने जाते हैं इस दिन दिवसीय उत्सव को मनाते हैं यह त्योहार भारत के विभिन्न हिस्सों में विशेष रूप से महाराष्ट्र में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है सभी बच्चों ने गणपति बप्पा के जयकारों के साथ झूमते हुए बच्चों ने पाठशाला में गणपति आगमन की खुशी मनाई।

यमुना नदी के बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए युवा शक्ति का राहत अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा।यमुना नदी का जल स्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुँचने के कारण कई निचले इलाक़े बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। जिला प्रशासन एवं आपदा प्रबंधन टीमें लगातार रेस्क्यू और पुनर्वास कार्य कर रही हैं। प्रभावित परिवारों को सुरक्षित शरणालयों में स्थानांतरित किया जा रहा है, जहाँ उनके लिए चिकित्सीय सहायता, भोजन एवं आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। संस्था के अध्यक्ष सचिन गुप्ता ने बताया कि इस आपदा की घड़ी में मानवता की सेवा को समर्पित वाई एस एस फाउंडेशन ने 'भवानी सेवा के माध्यम से शुरुआत की है। इस अभियान के तहत संस्था ने प्रभावित परिवारों को खाद्य सामग्री एवं तैयार भोजन, पीने का स्वच्छ जल, स्वच्छता किट (साबुन, सैनिटरी नैपकिन, मास्क आदि) राहत सामग्री एवं आवश्यक वस्तुएँ उपलब्ध कराया गया। इस अवसर पर वाई एस एस फाउंडेशन के वरिष्ठ समाजसेवी मनीष गुप्ता ने कहाः 'मानवता की सेवा ही हमारा संकल्प है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी परिवार बिना सहायता के न रहे। यह राहत अभियान तब तक

जारी रहेगा जब तक हर प्रभावित परिवार तक सहयोग नहीं पहुँच जाता।' दीपा तिवारी ने बताया कि वर्तमान समय में देश के कई हिस्से भीषण बाढ़ संकट से जूझ रहे हैं। ऐसे कठिन समय में युवा शक्ति ने समाज से अपील की है कि अधिक से अधिक लोग इस सेवा अभियान से जुड़कर पीड़ित परिवारों की मदद में हाथ बढ़ाएँ। आज के कार्यक्रम मे वाई एस एस फाउंडेशन के सदस्यों के साथ-साथ कई समाजसेवी उपस्थित रहे।

जीएलबीआईएमआर में संस्थापक दिवस का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च में संस्थापक दिवस का आयोजन बड़े ही धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर संस्थान वेद परिसर में हवन का आयोजन किया गया, जिसमें निदेशक डॉ. सपना राकेश जीएलबीआईएमआर और डॉ. प्रीति बजाज, निदेशक, जीएलबीआईटीएम, संकाय सदस्य, प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी और विद्यार्थियों ने भाग लिया। संस्थापक दिवस का आयोजन संस्थान के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने का अवसर है। यह आयोजन संस्थान के उद्देश्यों और मूल्यों को पुनः स्मरण कराने में मदद करता है। डॉ. सपना राकेश ने कहा, 'संस्थापक दिवस के अवसर पर आयोजित हवन में भाग लेकर हमें अपने संस्थान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और समर्पण को पुनः स्मरण करने का अवसर मिला है।' इस अवसर पर आयोजित हवन ने संस्थान के सभी सदस्यों को एकता और समर्पण के सूत्र में बांधने का काम किया। यह आयोजन संस्थान के प्रति अपनी जिम्मेदारियों और कर्तव्यों को पुनः स्मरण कराने में मदद करता है। हवन के दौरान वातावरण भक्तिमय और उत्साहित हो गया। सभी प्रतिभागियों ने पूर्ण श्रद्धा और विश्वास के साथ हवन में आहुति दी। हवन के संपुर्ण होने के बाद प्रसाद वितरण किया गया।

सेक्टर 45 में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक का हुआ आगमन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का सेक्टर-45 स्थित फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा के आवास पर आगमन हुआ। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री का पुष्पगुच्छ एवं श्रीरामचंद्र जी की मूर्ति भेंट कर का स्वागत किया गया। एवं उनसे मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस मौक़े पर शहर की स्वास्थ्य एवं ट्रॉमा सेंटर विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से संवाद हुआ। उपमुख्यमंत्री बृजेश

पाठक ने सभी मुद्दों को ध्यानपूर्वक सुना एवं समाधान का आश्वासन दिया। इस मौक़े पर महासचिव के.के जैन, त्रिलोक शर्मा, विजय भाटी, सुशील यादव ,ताराचंद गोड, विनोद शर्मा, लाटसहाब लोहिया, संजय चौहान, राजेश सिंह , अशोक मिश्रा तथा कोसिन्द्र यादव , एस सचदेव,हिदेश गुप्ता सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रायबरेली-सोते समय भाई हिमांशू को उसकी ही बहन ने उतारा मौत के घाट।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। रायबरेली में रिश्तों का हुआ कत्ल। नाबालिग बालिका मोनिका ने अपने 20 वर्षीय भाई की हत्या की ।सोते समय कुल्हाड़ी से काट कर भाई हिमांशू की हत्या।मृतक की नानी की तहरीर पर पुलिस ने मृतक की नाबालिग बहन मोनिका के विरुद्ध दर्ज किया मुकदमा। आरोपी बहन को पुलिस ने लिया हिरासत में। बहन के प्रेम प्रसंग से नाराज चल रहा था भाई हिमांशू।आये दिन इन्ही बातों को लेकर होता था दोनो के बीच विवाद। बीती रात जब भाई हिमांशु सो रहा था,तब सिर पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया,जिससे भाई की मृत्यु हो गई।हरचंदपुर थाना क्षेत्र के प्यारेपुर गाँव की घटना।

खाने के पैसे मांगने पर सिपाहियों द्वारा ढाबा संचालक के साथ की गई मारपीट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। खाकी की वर्दी के नशे में दो सिपाहियों द्वारा खाना खाने के पैसे मांगने पर ढाबा संचालक को लात जूतों से पिटाई की। पिटाई के समय एक अन्य ग्राहक जो खाना खा रहा था उसने जब इसका विरोध किया तो सिपाहियों ने उसके साथ भी अभद्र व्यवहार किया। उक्त घटना की पुलिस अधीक्षक डॉक्टर यशवीर सिंह से शिकायत की गई। घटना को संज्ञान में लेते हुए पुलिस अधीक्षक रायबरेली द्वारा तत्काल दोनों सिपाहियों को निलंबित कर दिया गया है। घटना की विस्तृत जांच किए जाने हेतु क्षेत्राधिकारी सलोन को नामित किया है, जो एक सप्ताह में घटना की जांच कर अपनी रिपोर्ट पुलिस अधीक्षक को सौंपेंगे।

पैकेट वाला दूध पीने से 2 साल की बच्ची की मौत, 2 की हालत गम्भीर

बागपत। यूपी में बागपत के सुल्तानपुर हटाना गाँव फूड पाइजनिंग से चार बच्चों की हालत बिगड़ गई। इसमें एक बच्चे की मौत हो गई है। दो बच्चों को मेरठ अस्पताल के लिए रेफर किया गया है, जबकि एक का बड़ौत के निजी अस्पताल मे इलाज चल रहा है। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने दुकान पर छापेमारी की है और कई पेय पदार्थों के सैंपल जांच के लिए भेज दिए हैं।सुल्तानपुर हटाना गांव में राहुल कश्यप व प्रदीप कश्यप के चार बच्चों की तबियत अचानक बिगड़ गयी। पहले वह एक बच्चे को अस्पताल लेकर पहुंचे उसके बाद तीन ओर बच्चों की तबियत बिगड़ गयी। डॉक्टरों को पीड़ितों ने बताया कि सुबह उन्होंने दुकान से पैकेट वाला दूध दिया था। इसके बाद बच्चे बीमार हो गए।अस्पताल में इलाज के दौरान दो वर्षीय बच्ची दीपांशी की मौत हो गई। बाकी तीन बच्चे राधे, प्रियंशी समेत एक और की हालत गंभीर बताई जा रही है। इनमें से दो को मेरठ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है, एक बच्चे का इलाज बड़ौत के निजी अस्पताल में चल रहा है।परिजनों द्वारा दुकानदार की शिकायत के बाद जुगमन्दर की दुकान में भण्डारित समस्त खाद्य पदार्थों की निर्माण तिथि एवं अवसान तिथि की जाँच की है। संदेह के आधार पर उक्त दुकान से 05 नमूने (1. मधुसुदन ब्राण्ड का दूध, 2. माउटेन ड्यू कोल्ड ड्रिंक, 3. फूटी मैंगो ड्रिंक, 4. मसाला जीरा ड्रिंक, 5. नोवा ब्राण्ड दही) जाँच हेतु संग्रहित किये गये एवं शेष खाद्य पदार्थ (1. मधुसुदन ब्राण्ड का दूध-13 पैकेट, 2-माउटेन ड्यू कोल्ड ड्रिंक-88 बोतल, 3. फूटी मैंगो ड्रिंक 11 बोतल, 4. फेन्टा कोल्ड ड्रिंक 12 बोतल, 5. मसाला जीरा ड्रिंक-80 बोतल) को जब्त किया गया।

पितृपक्ष की शुरूआत, भारत में आज लगेगा साल का आखिरी चंद्र ग्रहण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नयी दिल्ली। चंद्र ग्रहण खगोलीय, धार्मिक और ज्योतिषीय तीनों ही दृष्टियों से महत्वपूर्ण माना जाता है। इसका सीधा प्रभाव देश-दुनिया की गतिविधियों से लेकर पूजा-पाठ और व्यक्तिगत जीवन पर पड़ता है। हिंदू धर्म में इसे अशुभ अवधि के रूप में जाना जाता है, इसलिए इसके आरंभ से समापन तक कई नियमों का पालन किया जाता है। हालांकि, खगोलशास्त्रियों के लिए यह आकाशीय घटनाओं को समझने का अवसर होता है। वहीं ज्योतिष में इसका असर 12 राशियों और 27 नक्षत्रों पर पड़ता है, जिससे कुछ जातकों को लाभ, तो कुछ की परेशानियां बढ़ने लगती हैं। इस वर्ष 7 सितंबर 2025 को साल का दूसरा और अंतिम चंद्र ग्रहण लगने जा रहा है। इसका दृश्य भारत में स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। ऐसे में प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित सुधांशु तिवारी जी से आइए इसके समय, प्रभाव, सूतक काल और उपायों को विस्तार से जानते हैं। आचार्य पंडित सुधांशु तिवारी (प्रश्न कुण्डली विशेषज्ञ/ज्योतिषाचार्य) 7 सितंबर यानी कल भारत में साल का दूसरा और आखिरी चंद्र ग्रहण लगने जा रहा है. यह चंद्र ग्रहण देश के सभी राज्यों में भी दिखाई देगा. वैसे तो चंद्र ग्रहण एक खगोलीय घटना है, लेकिन इसे ज्योतिर्विदों के नजरिए से भी महत्वपूर्ण माना जाता है. वैसे भी इस बार के चंद्र ग्रहण पर 100 साल बाद पितृ पक्ष का संयोग बन रहा है. भारत में 7 सितंबर को इतने बजे लगेगा चंद्र ग्रहण- ज्योतिष के नजरिए से 7 सितंबर यानी कल लगने वाला चंद्र ग्रहण बहुत ही खतरनाक माना जा रहा है क्योंकि जब भी चंद्र ग्रहण लगता है तो उसका प्रभाव देश-दुनिया पर 3 महीने पहले और 3 महीने बाद तक दिखाई देता है. 7 सितंबर की रात लगने वाला चंद्र ग्रहण पूरे भारत में दृश्यमान होगा. वैसे तो 7 सितंबर यानी कल रात 8 बजकर 59 मिनट से चांद पर हल्की छाया पड़नी शुरू हो जाएगी. इसे चंद्र ग्रहण का पेनम्ब्रा स्टेज कहा जाता है. लेकिन, सूतक काल इसके हिसाब से नहीं बल्कि गहरी छाया पड़ने के 9 घंटे पहले ही माना जाता है. चंद्र ग्रहण का आरंभ 7 सितंबर की रात 9 बजकर 58 मिनट से होगा और इस ग्रहण का समापन 8 सितंबर की आधी रात 1 बजकर 26 मिनट पर होगा. अगर ग्रहण के सबसे महत्वपूर्ण और पीक टाइमिंग की बात की जाए तो ये रात 11 बजकर 42 मिनट पर अपने चरम पर होगा. यानी भारत में संपूर्ण ग्रहण काल की कुल अवधि 3 घंटे 28 मिनट की रहेगी. चंद्र ग्रहण के सूतक काल की टाइमिंग- 7 सितंबर को पूर्ण चंद्र ग्रहण चूंकि रात 9 बजकर 58 मिनट पर लग रहा है इसलिए इसका सूतक काल 9 घंटे पहले यानी की दोपहर 12 बजकर 57 मिनट से लग जाएगा. कहां कहां दिखेगा ये चंद्र ग्रहण- यह चंद्र ग्रहण भारत में दिखेगा देगा. इसके अलावा यह चंद्र ग्रहण यूरोप, एशिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, अमेरिका, फिजी और अंटार्कटिका के कुछ हिस्सों में भी दिखेगा. चंद्र ग्रहण के दौरान ग्रहों की स्थिति क्या रहेगी? 7 सितंबर को लगने वाला चंद्र ग्रहण राहु के नक्षत्र शतभिषा से शुरू होगा और गुरु के नक्षत्र पूर्वभाद्रपद पर इसका समापन होगा. इस दिन सूर्य, शनि और गुरु जैसे बड़े ग्रहों का महासंयोग भी बन रहा है. इस दिन दो ग्रहों की अहम भूमिका रहेगी. चंद्र ग्रहण में राहु और चंद्रमा एकसाथ होते ही हैं. इस बार ग्रहण रविवार को है तो सूर्य की भी एंट्री हो गई है, क्योंकि रविवार सूर्य देव का दिन होता है. ज्योतिषविद् पंडित सुधांशु तिवारी के मुताबिक, 7 सितंबर को लगने वाला चंद्र ग्रहण भारत की राजनीति और प्रशासन पर भारी पड़ सकता है. इसके अलावा, पूर्णिमा पर लगने वाला ग्रहण ज्योतिष में खास माना जाता है, क्योंकि इस समय प्राकृतिक आपदाओं का खतरा भी बढ़ जाता है. खासकर बाढ़, भारी बारिश और पहाड़ी इलाकों में तबाही देखने की संभावना रहती है. इसका असर लोगों और जानवरों दोनों की जिंदगी पर पड़ेगा.सूतक के दौरान क्या न करें-शास्त्रों में बताया गया है कि चंद्र ग्रहण का 9 घंटे पहले सूतक लग जाता है. सूतक के दौरान अन्न और भोजन का त्याग कर देना चाहिए. किसी प्रकार के नकारात्मक कार्य को करना निषेध माना जाता है. इस दौरान आध्यात्मिक चिंतन, ध्यान, रामचरितमानस का पाठ करें और शिव मंत्रों का जाप करें. इसके अलावा, बचे हुए खाने में ग्रहण के दौरान तुलसी का पत्ता डाल देना चाहिए. चंद्र ग्रहण के दौरान क्या करें- 1. चंद्र ग्रहण के दौरान सिर्फ भगवान के मंत्रों का जप करना चाहिए, जो कि दस गुना फलदायी माना जाता है.2. चंद्र ग्रहण के बाद शुद्ध जल से स्नान करके गरीबों को दान करें, मंदिरों में जाकर पंडितों को वस्त्र दान करके दक्षिणा दें। 3. ग्रहण के समय गायों को घास, पक्षियों को अन्न, जरूरतमंदों को वस्त्र दान देने से अनेक गुना पुण्य प्राप्त होता है। आचार्य पंडित सुधांशु तिवारी प्रश्न कुण्डली विशेषज्ञ/ज्योतिषाचार्य सम्पर्क सूत्रः-9005804317.

जानिए कौन हैं अभिषेक कौशिक, जिनका नाम लेकर अखिलेश यादव ने बताई टोंटी चोरी वाली बात

लखनऊः उत्तर प्रदेश की सियासत में एक बार फिर टोंटी चोरी का पुराना विवाद गरमा गया है। बीजेपी विधायक केतकी सिंह के बयान के बाद अब अखिलेश यादव फुल एक्शन में आ गए हैं और खूब जमकर हमला बोल रहे हैं। शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सपा मुखिया अखिलेश यादव ने पूर्व आईएएस अवनीश अवस्थी के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पूर्व ओएसडी अभिषेक कौशिक को आड़े हाथों लिया है। अखिलेश यादव ने अपने तेवर में कहा कि हमारे घर को गंगाजल से धुलवाया गया था। ये बात हम नहीं भूल सकते हैं।अखिलेश यादव के आवास का एक प्रतिष्ठित अखबार ने स्टिंग किया था। जिसको लेकर एक पत्रकार ने आईएएस अवनीश अवस्थी और कौशिक का नाम बताया था। अखिलेश यादव यहां सीएम योगी के ओएसडी रहे अभिषेक कौशिक की बात कर रहे थे। अखिलेश ने कहा कि एक अवनीश अवनीश अवस्थी आईएएस और दूसरा एक अधिकारी ओएसडी कौशिक है, जो भाग गया है। सपा मुखिया ने तंज कसते हुए कहा कि उसकी हाइट डस्टबिन के उतनी है। साथ ही अखिलेश ने कहा कि हम यह नहीं भूलने वाले हैं, यह बात सरकार भी जान ले और सरकार चलाने वाले भी जान लें। अखिलेश यादव जिन अभिषेक कौशिक का ज़िक्र कर रहे थे, वे सीएम योगी के पहले कार्यकाल में ओएसडी रह चुके हैं। अमरोहा जिले के हसनपुर तहसील के रहने वाले अभिषेक बीटेक डिग्री धारक हैं और छात्र जीवन से ही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े रहे हैं। वे एबीवीपी में प्रदेश सह मंत्री भी रह चुके हैं। 2017 में योगी सरकार बनने के बाद उन्हें ओएसडी की अहम जिम्मेदारी मिली थी। उस समय सीएम योगी के पांच ओएसडी में से वे सबसे ताकतवर और करीबी माने जाते थे। हालांकि, 2022 में उन्हें इस पद से हटा दिया गया था।साल 2017 में जब योगी सरकार बनी, तब मुख्यमंत्री आवास को गंगाजल से धुलवाया गया था। इस दौरान आवास से टोंटी चोरी होने का दावा भी सामने आया था। इसके बाद बीजेपी नेताओं ने अखिलेश यादव पर यह आरोप बार-बार दोहराया और उन्हें टोंटी चोर कहकर घेरने की कोशिश की। समय-समय पर यह मुद्दा उठता रहा है और अब केतकी सिंह के बयान से यह मामला एक बार फिर ताजा हो गया है। ऐसे में साफ है कि टोंटी चोरी का यह मुद्दा अब केवल पुराना विवाद नहीं रहा, बल्कि आने वाले दिनों में यूपी की सियासत को और गरमा सकता है।

बरेली में 11 वर्षीय दुराचार पीड़िता ने 6 माह की बच्ची को दिया जन्म, आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार, लंगड़ाता दिखा

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली से एक खौफनाक मामला सामने आया। एक 11 वर्षीय बच्ची के साथ शादीशुदा युवक लगातार आठ माह से रेप की वारदात को अंजाम दे रहा था। इस क्रम में बच्ची प्रेग्नेंट हो गई। बच्ची को पेट में दर्द हुआ तो अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद डॉक्टरों ने उसके प्रेग्नेंट होने की जानकारी दी तो परिजनों के होश उड़ गए। बच्ची ने पड़ोस वाले अंकल के उसके साथ गलत काम करने की बात कही। इसके बाद परिजनों ने पुलिस ने मामला दर्ज कराया। बच्ची का अस्पताल में इलाज चल रहा था। इस क्रम में पीड़िता ने एक छह माह की बच्ची को जन्म दिया। हालांकि, कुछ ही देर में नवजात की मौत हो गई। वहीं, पीड़िता का अस्पताल में इलाज चल रहा है। साथ ही, पुलिस ने मामले के आरोपी को अरेस्ट कर लिया है। आरोपी राशिद की उम्र 45 साल बताई जा रही है। वह दो बच्चों का पिता है। उसने बच्ची को धमकी दी थी कि अगर किसी को बताया तो तुम्हारे भाई को गोली मार देंगे। मासूम उसके शोषण को सहती रही। हालांकि, बाद में उसके प्रेग्नेंट होने के बाद पूरी घटना से पर्दा हट गया है। आरोपी को पुलिस ने अरेस्ट किया। इसके बाद अच्छे से खातिरदारी की गई है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद का वीडियो सामने आया है।नाबालिग के साथ आठ माह तक रेप की घटना सामने आने के बाद से पुलिस लगातार आरोपी की खोज में दबिश दे रही थी। बरेली के नवाबगंज थाना क्षेत्र की घटना का एसएसपी अनुराग आर्य ने संज्ञान लिया। मामले में पुलिस को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद बच्ची का शोषण करने वाले आरोपी को पुलिस ने पकड़ लिया। पुलिस ने उसे पकड़ कर सबक सिखाया है। पुलिस की हिरासत में आरोपी लंगड़ाता दिख रहा है। पीड़िता की गुरुवार रात नवाबगंज सीएचसी में स्थिति बिगड़ गई। इसके बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में लड़की ने एक बच्ची को जन्म दिया। हालांकि, कुछ ही देर बाद एनआईसीयू में बच्ची की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने नवजात का शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। मामले में नवजात का डीएनए टेस्ट कराए जाने की भी बात सामने आ रही है। इससे आरोपी के खिलाफ पुलिस पुख्ता सबूत तैयार कर रही है।पड़ोस के रहने वाले शादीशुदा युवक ने बच्ची के साथ रेप के साथ उसकी अश्लील वीडियो बना लिया था। सोशल मीडिया पर इसे पोस्ट करने की धमकी देकर आठ माह तक वह बच्ची का शोषण करता रहा। चार दिन पहले लड़की को पेट दर्द की शिकायत होने के बाद उसका भाई गांव में ही एक क्लिनिक में दवा दिलाने ले गया। दवा खाने के बाद भी जब बच्ची को आराम नहीं हुआ। इसके बाद गुरुवार को नवाबगंज स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया।डॉक्टर ने अल्ट्रासाउंड कराया तो लड़की के छह माह की प्रेग्नेंट होने की जानकारी सामने आई। भाई ने जब लड़की से पूछताछ की तो उसने पड़ोसी की करतूत बताई। इस पर भाई लड़की को लेकर नवाबगंज थाने पहुंचा और तहरीर दी। मामले में नवाबगंज पुलिस ने आरोपी राशिद के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। लड़की को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। जिला अस्पताल में पीड़िता ने छह माह की बच्ची को जन्म दिया। जन्म के कुछ ही समय के भीतर नवजात ने दम तोड़ दिया। नवजात के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। नवाबगंज कोतवाली प्रभारी अरुण कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि नवजात का डीएनए टेस्ट भी कराया जाएगा। आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

डबल मर्डर का खूंखार आरोपी इरफान महाराष्ट्र से गिरफ्तार, 12 साल से फरार था 50 हजार का इनामी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश एसटीएफ को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अभिरक्षा से फरार और 12 वर्षों से फरार 50 हजार रुपए का इनामी इरफान आखिरकार महाराष्ट्र से दबोच लिया गया। मेरठ के बहुचर्चित दोहरे हत्याकांड का यह कुख्यात आरोपी 2013 में मेडिकल कॉलेज से पुलिस को चकमा देकर फरार हुआ था और तब से फरारी की जिंदगी जी रहा था। शुक्रवार देर रात एसटीएफ मेरठ यूनिट और नांदेड पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर उसे गिरफ्तार कर लिया। यूपी एसटीएफ को लंबे समय से इरफान की तलाश थी। लगातार खुफिया अभिसूचना जुटाई जा रही थी। टीम को पता चला कि वह महाराष्ट्र के नांदेड जिले के बाजेगांव में रह रहा है। इसी सूचना पर एसटीएफ उपनिरीक्षक संजय कुमार के नेतृत्व में टीम ने स्थानीय पुलिस की मदद से घेराबंदी की और मोहम्मदिया मस्जिद के पास एक दुकान से इरफान को दबोच लिया।मेरठ के सरूरपुर थाना क्षेत्र के हर्रा गांव का रहने वाला इरफान पड़ोस में मिठाई का काम करने वाले जुल्फकार की दुकान पर आने-जाने वाली लड़कियों से छेड़छाड़ करता था। जुल्फकार ने इसका विरोध किया तो इरफान ने चाकू से उस पर हमला कर दिया, जिससे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। यहीं नहीं रुका, बल्कि मौके पर मौजूद जुल्फकार की 13-14 वर्षीय बेटी साजू का भी गला रेतकर बेरहमी से कत्ल कर दिया। इस सनसनीखेज वारदात से पूरा गांव दहल उठा था और थाना सरूरपुर में थारा 452, 302, 307 के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था।दोनों हत्याओं के बाद पुलिस ने इरफान को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। लेकिन साल 2013 में मेरठ जेल में गैंगवार के दौरान घायल होने पर उसे मेडिकल कॉलेज भर्ती कराया गया, जहां से वह फरार हो गया। फरारी के बाद इरफान लगातार ठिकाने बदलता रहा। कभी कर्नाटक, कभी मुंबई, तो कभी बिहार। समस्तीपुर में उसने नकली नाम से आधार कार्ड बनवाया, शादी की और देशी दवा बेचने का धंधा शुरू किया। लगभग 9 साल वहीं छिपकर रहने के बाद वह नांदेड (महाराष्ट्र) जाकर बस गया और दवाखाना चलाने लगा।मेरठ पुलिस और एसटीएफ ने लगातार उस पर शिकंजा कसने की कोशिश की। लंबे समय से उस पर 50 हजार रुपए का इनाम घोषित था। फरारी के दौरान इरफान ने कई पहचान बदलीं, लेकिन आखिरकार कानून के शिकंजे से बच न सका। एसटीएफ ने महाराष्ट्र से ट्रांजिट रिमांड लेकर उसे मेरठ लाने की तैयारी कर ली है।

अच्छे पैरेन्ट्स बच्चों की जरूरतें पूरी करते हैं, चाहत नहीं!

7 साल की समायरा मुम्बई के चेम्बूर में एक बड़े रिटेल स्टोर की शेल्फ के बीच में खड़ी थी। उसने अपनी मां अमृता से पूछा, 'मम्मी मुझे ये मिठाई चाहिए'। अमृता ने इधर-उधर देखा और पाया कि वहां समायरा के कद का एक और बच्चा पहले से मिठाई खा रहा था और इसीलिए उसकी बच्ची ने भी उसी मिठाई की मांग की। वह जानती थी कि इस उम्र में यह स्वाभाविक है कि बच्चों को वो सब चाहिए, जो साथियों के पास है।अमृता ने ग्रोसरी शेल्फ की ओर देखना बंद किया, हालांकि उसे पता था कि वह लेट हो रही थी और उसे सिर्फ दो और चीजें ही लेनी थी और घर जाना था क्योंकि मेहमान लंच पर आने वाले थे। लेकिन अपनी बेटी की मांग पर सख्ती से 'ना' कहने या उसकी मांग के आगे झुक जाने के बजाय उसने अपने काम को रोकने और बेटी से बात करने का फैसला किया।वह थोड़ा झुकी और समायरा की आंखों में आंखें डालकर बोली 'बताओ बच्चा' (सख्त स्वर में), ईमानदारी से बताओ (करुण स्वर में) तुम्हें इस मिठाई की जरूरत है (सामान्य स्वर में) या...तुम बस इसे लेना चाहती हो? (जिज्ञासु स्वर में, जैसे मां को जवाब पता नहीं)।' समायरा शर्माती सी उसके कंधे पर टिक गई, और धीमे स्वर में दूसरे बच्चे की ओर अंगुली करते हुए बोली 'उसके पास ऐसी मिठाई है'।अब इस मोलभाव में मां का पक्ष मजबूत था। अमृता ने कहा, 'कोई बात नहीं, तुम्हें खाने के लिए मिठाई चाहिए। हमारे फ्रिज में रखीं हैं। हम घर जा रहे हैं, यदि तब भी तुम्हें लगे कि ये खानी है, तुम हमेशा ले सकती हो। पर सिर्फ इसलिए कि किसी दूसरे के पास यह है, इसका मतलब यह नहीं कि हमारे पास भी वही होनी चाहिए।'स्टोर में

कोई नहीं जानता कि समायरा इन गहरे शब्दों को समझ पाई या नहीं, लेकिन दूसरे बच्चे की मां अमृता के पास आई और उसकी तारीफ की। अमृता ने जल्दी से वो चीजें ली, जो वो चाहती थी और समायरा भी एक मेमने की तरह मां के पीछे खुशी-खुशी, नाचती हुई चलती दिख रही थी।समायरा के पिता समीर और मां अमृता से ही उसे अपना नाम मिला। दोनों ही बैंकर हैं और ऊंचे पद पर हैं और मुम्बई की सबसे पॉश कॉलोनी में रहते हैं, इसलिए उनके लिए अफॉर्डबिलिटी कभी कोई मसला नहीं रहा। फिर भी समायरा को वह सब कुछ नहीं मिलता, जो वह चाहती है।यही उनकी परवरिश की खूबसूरती है। दूसरी कक्षा में पढ़ने वाली समायरा के दादा-दादी ने इस रविवार को मुझे और मेरी पत्नी को दोपहर के भोजन के लिए आमंत्रित किया। इसी कारण मैं इस वाकिये के बारे में जान पाया।अमृता ने कहा,'माता-पिता बच्चों के सुखद बचपन के निर्माण के लिए नियमित प्रयास करते हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि बढ़ते बच्चों की जरूरतों का ध्यान रखा जाए और वो सबकुछ दिया जाए, जिसकी उन्हें जरूरत है। लेकिन ठीक उसी समय, इच्छाओं व सनक के बीच महीन रेखा होती है, और पैरेंन्ट्स को चाहिए कि वे अपने बच्चों को इस अंतर के बारे में समझाने की जिम्मेदारी लें।जब उन्हें सब मिल जाता है तो एक समय पर वह बहुत सी चीजों के प्रति लालची हो जाते हैं। यह जरूरी है कि वे बड़े होने पर आवश्यकता और चाहत के बीच के अंतर को समझे। यह सब बताते हुए अमृता ने ये भी कहा कि मैं खुद को कभी नहीं रोकती, मैं बेटी की जरूरतें पूरी करती हूं, उसके बचपन में चमक बिखेरने वाले गिफ्ट देती हूं और उसे उनका आनंद लेने देती हूं।लेकिन सिर्फ माता-पिता ही यह जानते हैं कि कब बच्चा थोड़ा जिद्दी हो रहा है और यही वह समय होता है जब बच्चों को यह सीख देनी होती है कि 'अपनी जरूरतों को जानो'। समायरा के पैरेंट्स से बातचीत में मुझे एहसास हुआ कि वे मेरी पीढ़ी की तुलना में अधिक बेहतर माता-पिता है। उसी समय मैंने निर्णय किया कि अगली 'गुड पैरेंटिंग' सेमिनार में उन्हें बुलाया जाना चाहिए।फंडा यह है कि जरूरतों को प्राथमिकता के स्तर पर तय करने से किसी बच्चे को यह समझने में सहायता मिलती है कि उसे किस चीज की जरूरत है और कौन-सी चीज सिर्फ उसकी चाहत है। इससे उनमें एहसानमंद होने और संतोष की भावना विकसित होती है। इससे बच्चा जिम्मेदारी, मुसीबतों से पार पाने की क्षमता और कठिन परिश्रम के महत्व जैसे जीवन के मूल्यवान सबक भी सीखता है।

'दुनिया की छत' पर चीन की हरकतें सबके लिए खतरनाक

तिब्बत के पठार पर विशाल ग्लेशियल-रिजर्व्स हैं, जो दुनिया में ताजे पानी के सबसे बड़े भंडारों में से एक हैं। यह दस प्रमुख एशियाई नदी-प्रणालियों का उद्गम भी है- जिनमें चीन की येलो और यांग्त्से, दक्षिण-पूर्व एशिया की मेकांग, साल्विन और इरावदी और भारत की सिंधु और ब्रह्मपुत्र नदियां शामिल हैं।ये वैश्विक आबादी के लगभग 20इ हिस्से को पानी की आपूर्ति करती हैं। लेकिन आज यही पठार एक आसन्न पर्यावरणीय संकट का साक्षी बन रहा है, जो पूरे एशियाई महाद्वीप की जल सुरक्षा, पारिस्थितिक संतुलन और भू-राजनीतिक स्थिरता को खतरे में डाल सकता है।पिछले दो दशकों से चीन तिब्बती पठार पर केंद्रित एक आक्रामक बांध निर्माण अभियान में लगा हुआ है। चीन की सरकार ने इसके निचले हिस्से के किसी भी देश के साथ जल-साझाकरण संधि पर बातचीत करने से इनकार कर दिया है। इससे इन देशों को चीन की सनक के परिणाम भुगतने होंगे। पठार की सीमा के पास चीन द्वारा निर्मित भीमकाय-बांधों ने पहले ही मेकांग नदी में पानी के स्तर को अभूतपूर्व रूप से कम कर दिया है, जिसका कंबोडिया, लाओस, थाईलैंड और वियतनाम में मत्स्य-पालन और आजीविका पर विनाशकारी प्रभाव पड़ा है।जैसे-जैसे दक्षिणी वियतनाम में मेकांग डेल्टा पीछे हट रहा है, चावल के किसानों को पारंपरिक आजीविका छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। फिर भी चीन की बांध बनाने की महत्वाकांक्षाएं बढ़ती जा रही हैं। यांग्त्से नदी पर बना थ्री गॉर्जेस डैम दुनिया का सबसे बड़ा बांध है।लेकिन वह भी चीन द्वारा तिब्बती पठार के भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र नदी (उसे वहां यारलुंग जंगबो कहा जाता है) पर बनाए जा रहे बांध के सामने बौना साबित होगा। अगर यह परियोजना पूरी हो जाती है, तो इससे भारत और बांग्लादेश में पानी के प्रवाह में भारी बदलाव आएगा, क्षेत्र की खाद्य सुरक्षा और पारिस्थितिक संतुलन को खतरा होगा और निचले इलाकों के देशों पर चीन का भू-राजनीतिक प्रभाव बढ़ेगा। पानी के हथियारीकरण का खतरा मंडरा रहा है।दरअसल, पानी तेजी से नया तेल बनता जा रहा है- यानी ऐसा रणनीतिक संसाधन, जो संघर्षों को बढ़ावा दे सकता है। देशों के भीतर और उनके बीच पानी के विवाद पहले ही तेज होते जा रहे हैं। चीन की नजर तिब्बत की खनिज-समृद्ध भूमि- जिसमें लीथियम, सोना, तांबा जैसे महत्वपूर्ण संसाधन हैं- पर भी है। वह वहां पर जंगलों की कटाई कर रहा है और विषाक्त उत्सर्जन में योगदान दे रहा है। उसकी ये तमाम गतिविधियां तिब्बती पठार के सैन्यीकरण के लिए कवर प्रदान कर रही हैं।चीन वहां पर जो विनाश-लीला कर रहा है, उसके पूरे ब्योरे जानना असंभव है। यह क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों की नजरों से बहुत दूर है, और स्थानीय तिब्बती समुदायों की आवाजों को दबा दिया जाता है। इस सबसे वहां का पारिस्थितिक तंत्र लगातार कमजोर होता जा रहा है। तिब्बती पठार वैश्विक औसत से दोगुनी गति से गर्म हो रहा है और उसकी बर्फ ध्रुवों की तुलना में तेजी से पिघल रही है। इसके दूरगामी निहितार्थ हैं। तिब्बती पठार एशियाई जलवायु, मौसम और मानसून के पैटर्न को गहराई से प्रभावित करता है। इसका क्षरण सूखे और बाढ़ को बढ़ाएगा, जैव विविधता के नुकसान को बढ़ाएगा, कृषि के पतन में योगदान देगा और एशिया और उसके बाहर बड़े पैमाने पर पलायन को बढ़ावा देगा।इन तमाम जोखिमों के बावजूद वैश्विक जलवायु मंचों से लेकर संयुक्त राष्ट्र और विश्व बैंक जैसी बहुपक्षीय संस्थाओं तक- अंतरराष्ट्रीय समुदाय तिब्बत को लेकर पूरी तरह से चुप है।इसका कारण अज्ञानता नहीं, बल्कि डर है। क्योंकि चीन अपने प्रभाव का इस्तेमाल 'दुनिया की छत' पर अपनी गतिविधियों की सार्थक आलोचना को दबाने के लिए करता है। जबकि दुनिया के देशों को तिब्बती पठार पर चीन की गतिविधियों के बारे में पारदर्शिता के लिए लगातार दबाव डालना चाहिए। विशेष रूप से, चीन को अपने रियल-टाइम हाइड्रोलॉजिकल डेटा को साझा करने के लिए मजबूर किया जाना चाहिए और उसे अपनी परियोजनाओं को अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत करना चाहिए।स्वतंत्र पर्यावरण शोधकर्ताओं को महत्वपूर्ण डेटा एकत्र करने और निष्पक्ष विश्लेषण के लिए पठार तक बेरोकटोक पहुंच प्रदान की जानी चाहिए। चीन को तिब्बतियों के अधिकारों के उल्लंघन के लिए भी जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। 2000 से लगभग दस लाख तिब्बतियों को अपनी पैतृक भूमि से जबरन विस्थापित किया गया है।

देश में गरीबी घट रही है और इस पर दुनिया की नजर है

क्या भारत में गरीबी दर घट रही है? और अगर ऐसा है, तो सरकार अभी भी 80 करोड़ से ज्यादा भारतीयों को मुफ्त अनाज क्यों दे रही है? पहले सवाल का जवाब है- हां, भारत में गरीबी दर वाकई घट रही है, और पहले से कहीं ज्यादा तेजी से। आरबीआई के पूर्व गवर्नर सी. रंगराजन की अध्यक्षता वाली समिति की नई रिपोर्ट के अनुसार गरीबी दर 2011-12 में 29.5फीसदी थी, जो 2023-24 में घटकर 4.9फीसदी हो गई है। यह एक असाधारण

गिरावट है। रंगराजन कहते हैं गिरावट की दर पिछले 12 साल की अवधि में 2.02फीसदी प्रति वर्ष रही है।तब सवाल उठता है कि अगर पिछले 12 सालों में गरीबी में इतनी नाटकीय गिरावट आई है, तो सरकार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 806.7 मिलियन भारतीयों को मुफ्त अनाज क्यों दे रही है? इसका जवाब आंशिक रूप से राजनीतिक और आंशिक रूप से वैज्ञानिक है। मुफ्त खाद्यान्न योजना को गरीबों के वोटों के लिए शुरू किया गया था, लेकिन यह पोषण संबंधी सप्लीमेंट के लिए भी थी।सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) एक प्रसिद्ध पत्रिका डाउन टु अर्थ प्रकाशित करता है। इसने एक रिपोर्ट का हवाला दिया कि भारत में हर साल 17 लाख से ज्यादा लोगों की कुपोषण से मृत्यु हो जाती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 71फीसदी भारतीय पौष्टिक भोजन नहीं खरीद सकते।हालांकि गरीबी दर गिरकर 4.9फीसदी हो गई है, लेकिन पोषण एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। गरीब भारतीयों का एक बड़ा हिस्सा पौष्टिक आहार नहीं खरीद सकता। इसलिए मुफ्त खाद्यान्न सहायता दी जाती है। बचे हुए पैसों को ज्यादा पौष्टिक भोजन पर लगाया जा सकता है।जैसा कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिकी सेनेटर एलिसा स्लोटकिन से कहा- सेनेटर, आपने कहा कि लोकतंत्र आपकी मेज पर भोजन नहीं लाता। वास्तव में, दुनिया के जिस हिस्से में मैं रहता हूं, वहां ऐसा होता है। आज चूंकि हम एक लोकतांत्रिक समाज हैं, इसलिए हम 800 मिलियन से ज्यादा लोगों को पोषण-सहायता और भोजन देते हैं।विश्व बैंक ने भी भारतीय गरीबी में गिरावट की पुष्टि की है। इंडियन एक्सप्रेस में लिखते हुए सी. रंगराजन और एस. महेंद्र देव (प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष) ने बताया कि विश्व बैंक ने हाल ही में 100 से अधिक विकासशील देशों के लिए गरीबी और समानता संबंधी संक्षिप्त रिपोर्ट जारी की है।इसमें कहा गया है कि भारत ने पिछले दशक में गरीबी में उल्लेखनीय कमी की है। अत्यधिक गरीबी (क्रय शक्ति समता के संदर्भ में प्रतिदिन 2.15 डॉलर से कम पर जीवन यापन करना) 2011-12 में 16.2फीसदी से घटकर 2022-23 में 2.3फीसदी हो गई। इस अवधि में 17 करोड़ से अधिक लोग अत्यधिक गरीबी की स्थिति से ऊपर उठ गए।निम्न-मध्यम आय वाले देशों के लिए गरीबी रेखा के मानदंड से नीचे के लोगों की संख्या (प्रतिदिन 3.65 डॉलर) 61.8फीसदी से घटकर 28.1फीसदी हो गई। यदि गरीबी को परिभाषित करने के लिए घरेलू आय का कट-ऑफ स्तर बढ़ा दिया जाए, तो गरीबी दर तेजी से बढ़कर 28.1फीसदी हो जाती है। यह लगभग 50 करोड़ भारतीयों का जनसांख्यिकीय समूह है, जिसे पोषण संबंधी सहायता की आवश्यकता है।प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत अतिरिक्त 30 करोड़ और लोगों को शामिल किया गया है, ताकि स्पष्ट चुनावी लाभ के साथ व्यापक जनसांख्यिकीय समूह तक भी पहुंचा जा सके। भारत में गरीबी के निरंतर प्रसार के बावजूद गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या में कमी देखी जा सकती है।1947 में स्वतंत्रता के बाद से भारत में अकाल नहीं पड़ा है। जबकि ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के 190 वर्षों के दौरान 31 बड़े अकाल पड़े थे, जिनमें से आखिरी 1943 का बंगाल अकाल था। उसमें 30 लाख लोग मारे गए थे।रंगराजन गरीबी दर में गिरावट को जीडीपी में वृद्धि से सही ढंग से जोड़ते हैं। वे लिखते हैं कि गरीबी का निर्धारण जीडीपी वृद्धि, कीमतों और सेफ्टी नेट जैसे फैक्टर्स से होता है।

जीडीपी वृद्धि 2022-23 में 7.6इ से बढ़कर 2023-24 में 9.2फीसदी हो गई, यानी एक वर्ष में 1.6फीसदी की वृद्धि।उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) 2022-23 में 6.7फीसदी से घटकर 2023-24 में 5.4फीसदी हो गया यानी 1.3फीसदी अंकों की गिरावट। हालांकि इसी अवधि के दौरान खाद्य मुद्रास्फीति 6.6फीसदी से बढ़कर 7.5फीसदी हो गई है। ऐसे में लगता नहीं कि अगले चरण में कल्याणकारी कार्यक्रमों में कोई महत्वपूर्ण बदलाव होगा।भारत की कम प्रति व्यक्ति आय (2,900 डॉलर) की ओर इशारा किया जाता है। पर इसकी सही माप क्रय शक्ति समता पर आधारित है। मुंबई में 500 रु. में हवाई अड्डे से शहर तक पहुंचा जा सकता है, टोक्यो में 5,000 रु. लगते हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

अमेरिका को अपनी कम्पनी की तरह चला रहे हैं ट्रम्प

वॉल स्ट्रीट के विश्लेषकों ने यह मजाक करना शुरू कर दिया है कि ट्रम्प के व्यवहार को भांपने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप 'टाको ट्रेड' का अभ्यास करें। इसका अर्थ है 'ट्रम्प ऑलवेज चिकन आउट'। यानी जरूरत पड़ने पर ट्रम्प हमेशा बच निकलते हैं। इशारा यह है कि ट्रम्प चाहे जितने जोर-शोर से टैरिफ की घोषणा करें, वे देर-सबेर उससे मुकर जाएंगे।एक दिन वे यूक्रेन को अपने से दूर कर

रहे होते हैं, अगले दिन यूक्रेन पर खनिज सौदे के लिए दवाब बना रहे होते हैं, फिर तीसरे दिन यूक्रेन फिर से उनकी योजनाओं में शामिल हो जाता है। एक दिन व्लादिमीर पुतिन ट्रम्प के दोस्त होते हैं, अगले ही दिन ट्रम्प उन्हें 'क्रेजी' बता देते हैं।एक दिन कनाडा अमेरिका का 51वां स्टेट होता है, अगले दिन वह टैरिफ का निशाना बन जाता है। एक दिन ट्रम्प कहते हैं कि वे सबसे अच्छे लोगों को नियुक्त करते हैं, अगले ही दिन नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल से 100 से अधिक विशेषज्ञों को निकाल दिया जाता है, जबकि उनमें से कई तो कुछ सप्ताह पहले ही भर्ती किए गए थे।यही बात इलॉन मस्क के बारे में भी कही जा सकती है। एक दिन वे वर्जीनिया गोल्फ क्लब में अपने मीमकॉइन के सबसे बड़े खरीदारों के लिए समारोह आयोजित करते हैं, जिन्होंने प्रेसिडेंशियल सील के पीछे खड़ा होकर उनकी बात सुनने का मौका पाने के? लिए 148 मिलियन डॉलर खर्च कर दिए थे। और व्हाइट हाउस प्रवक्ता का कहना है कि यह भ्रष्टाचार नहीं है, क्योंकि राष्ट्रपति ने अपने निजी समय में इस आयोजन में हिस्सा लिया था।ट्रम्प फिलहाल अपनी निजी सनकों के आधार पर राज कर रहे हैं। उनकी सरपरस्ती में सरकारी एजेंसियों के बीच बहुत कम या नगण्य तालमेल नजर आता है। वे प्राधिकार की किसी वास्तविक सीमा का सम्मान नहीं करते, जिसमें उनके गोल्फ के साथी (स्टीव विट्कॉफ) विदेश मंत्री की तरह काम करने लगते हैं और उनके विदेश मंत्री मार्को रूबियो पनामा में उनके राजदूत की भूमिका निभाने लगते हैं।जो भी उन्हें रोकने की कोशिश करता है, वे उसे कोर्ट में जाने के लिए मजबूर करते हैं। उनकी कार्यशैली ऐसी है कि कानूनी जिम्मेदारियों और निजी समृद्धता के बीच की मर्यादाएं गड्डमड्ड हो गई हैं। यह सब हमें क्या बताता है? यह नहीं कि हम एक पारम्परिक अमेरिकी प्रशासन द्वारा शासित नहीं हो रहे हैं। बल्कि यह कि हम पर ट्रम्प ऑर्गेनाइजेशन इनकॉर्पोरेशन का राज है!अपने पहले कार्यकाल में ट्रम्प खुद को ऐसे लोगों से घिरा हुआ रखते थे, जो उन्हें किसी सम्भावित नुकसान से बचा सकें। लेकिन अपने दूसरे कार्यकाल में उन्होंने अपने चारों ओर सिर्फ और सिर्फ चाटुकारों की फौज जमा कर रखी है।पहले कार्यकाल में उन्होंने अराजकतापूर्ण शैली से ही सही, लेकिन मानकों के अनुरूप शासन किया था। लेकिन दूसरे कार्यकाल में वे बिना किसी रोकटोक के अमेरिकी सरकार को इस तरह से चला रहे हैं, जैसे कि वे अपनी निजी कम्पनी को चला रहे हों। केवल बाजार और अदालतें ही उन्हें रोकने में सक्षम हैं। इसमें बहुत हद तक डेमोक्रेट्स की अपनी कमजोरी का भी योगदान है।पद सम्भालने के कुछ ही हफ्तों बाद ट्रंप ने ऑटो इंडस्ट्री से कोई गंभीर सलाह-मशविरा किए बिना ही ग्लोबल टैरिफ की कई घोषणाएं कर दीं। इसी बीच, उन्हें पता चला कि लोकप्रिय फोर्ड एफ-150 के केवल एक-तिहाई पुर्जे ही अमेरिका में बनते हैं और इन्हें कभी भी बहुत जल्दी नहीं बदला जा सकता। टैरिफ घोषणाओं से ऑटो इंडस्ट्री को बड़ा धक्का पहुंचा और फोर्ड, जनरल मोटर्स और स्टेलेंटिस जैसी कंपनियों ने घोषणा की कि टैरिफ को लेकर असमंजस और सप्लाई-चेन गड़बड़ाने की संभावना के चलते वे इस साल की शेष अवधि के लिए आय के पूर्वानुमान नहीं बता सकतीं। फिर जैसा कि पूर्वानुमान था, चीन ने ट्रम्प द्वारा 145 प्रतिशत टैरिफ लगाने पर प्रतिक्रिया दी। टाइम्स के बीजिंग संवाददाता कीथ ब्राडशर ने अपनी हाल की रिपोर्ट में बताया है कि बीजिंग ने अचानक से रेयर अर्थ मैग्नेट का निर्यात रोक दिया है, जो अमेरिका में निर्मित होने वाली कारों, ड्रोन्स, रोबोट और मिसाइल में काम आता है। अब ट्रम्प यदि चीन पर लगाए टैरिफ पर कोई सौदेबाजी नहीं कर पाते हैं तो अमेरिकी कार फैक्ट्रियों को आगामी दिनों या हफ्तों में उत्पादन में कटौती करना पड़ सकती है। आपको क्या लगता है इस बात की कितनी सम्भावना है कि ट्रम्प ने चीन पर टैरिफ लगाने के बाद होने वाले परिणामों से निपटने के बारे में पहले से सोच लिया होगा? मैं शर्तिया कहता हूं कि कतई नहीं। उन्होंने बस मनमानी की है। अपने पहले कार्यकाल में ट्रम्प खुद को ऐसे लोगों से घिरा हुआ रखते थे, जो उन्हें किसी सम्भावित नुकसान से बचा सकें। लेकिन दूसरे कार्यकाल में उन्होंने अपने चारों ओर सिर्फ चाटुकारों की फौज जमा कर रखी है।

विपक्षी दलों में भी कुछ अच्छे चेहरे उभरकर सामने आए हैं

पहलगाम के बाद जो हालात बने, उन्होंने भारत में विभिन्न दलों में उभर रहे नए नेतृत्व को सामने ला दिया है। ऑपरेशन सिंदूर पर 'ग्लोबल-आउटरीच' के लिए सात प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करने वाले या इसका हिस्सा रहे अधिकांश लोग काफी समय से राजनीति के क्षेत्र में हैं।वे अपनी-अपनी पार्टियों में नेतृत्व की दूसरी या तीसरी पंक्ति के नेता रहे हैं। एआईएमआईएम सांसद

असदुद्दीन ओवैसी जैसे कुछ ने तो अपनी पार्टियों का नेतृत्व भी किया है। लेकिन पिछले हफ्तेभर में जिस तरह से उन्होंने विश्व की राजधानियों में भारत की पोजिशन को स्पष्ट शब्दों में सामने रखा, उससे देश ने अचानक उन्हें नई नजर से देखा है। इसने भारत की संसद में मौजूद प्रतिभा को भी रेखांकित किया है।देश ने इन नेताओं को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते और एक लय में आगे बढ़ते देखा, जबकि संसद में वे केवल आपस में लड़ते दिखलाई देते थे। इस आउटरीच-कार्यक्रम की अन्य उपलब्धियां चाहे जो हों, लेकिन इतना तो तय है कि इसने भारत में एक नए राजनीतिक नेतृत्व को उभरता हुआ दिखाया है।इन विपक्षी नेताओं ने विदेश में भारतीय राष्ट्रवाद को अलग-अलग तरीकों से व्यक्त किया। ओवैसी- जो भारत के अल्पसंख्यकों को प्रभावित करने वाले मुद्दों को उठाने के लिए जाने जाते हैं- ने पाकिस्तान को कड़ी भाषा में आड़े हाथों लिया।यहां तक कि उन्होंने पाकिस्तान द्वारा जारी की गई फर्जी तस्वीरों का जिक्र करते हुए कहा कि नकल के लिए भी अकल चाहिए! प्रियंका चतुर्वेदी (शिवसेना यूबीटी) ने भारत को न केवल बुद्ध और गांधी, बल्कि कृष्ण की भूमि भी बताया, जिन्होंने पांडवों से आग्रह किया था कि धर्म की रक्षा के लिए आवश्यक हो तो युद्ध करने से न हिचकिचाएं।कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने हमलों का भारत द्वारा करारा जवाब देने के बारे में बात की। मनीष तिवारी ने पाकिस्तान को चेताया कि अगर उसने आतंकवाद को प्रायोजित करना बंद नहीं किया, तो भविष्य में भारत की प्रतिक्रिया बहुत तीखी होगी।इस तरह की कवायद से स्वाभाविक ही सरकार को फायदा होता है, क्योंकि पूरा राजनीतिक वर्ग पहलगाम के बाद सरकार की पोजिशन को भारत की पोजिशन मानकर उसका बचाव कर रहा था। यदि सर्वदलीय समूहों ने 33 देशों (और वहां बसे भारतीय प्रवासियों) तक कोई एक शक्तिशाली संदेश पहुंचाया तो वो यह था कि आतंकवाद और पाकिस्तान के मुद्दे पर भारत एकजुट है, जबकि पाकिस्तान आतंकवादी हमले के माध्यम से देश में साम्प्रदायिक तनाव बढ़ाने की उम्मीद कर रहा था।जम्मू और कश्मीर भी शेष भारत के साथ मजबूती से खड़ा रहा। विपक्ष को भी इस कवायद से फायदा हुआ है, क्योंकि उसके नेता सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं की तुलना में अधिक उभरकर सामने आए हैं- चाहे वे कांग्रेस से डॉ. शशि थरूर, सलमान खुर्शीद, मनीष तिवारी, आनंद शर्मा हों। या अन्य दलों से असदुद्दीन ओवैसी, सुप्रिया सुले या कनिमोझी।जहां तक कांग्रेस नेताओं का सवाल है, एक और निहित संदेश सामने आया कि सिर्फ गांधी परिवार ही कांग्रेस का नेतृत्व नहीं कर सकता। भारत की सबसे पुरानी पार्टी में अभी भी प्रतिभाओं का खजाना है, उसके पास अनुभवी नेता हैं, जो जटिल मुद्दों को समझने और नेतृत्व देने में सक्षम हैं।यह देखना बाकी है कि क्या सरकार ऐसे और कूटनीतिक प्रयासों में विपक्षी नेताओं का इस्तेमाल करना जारी रखेगी। हालांकि अधिकांश देशों ने पहलगाम आतंकवाद की निंदा की, लेकिन शायद ही कोई देश पाकिस्तान के खिलाफ खुलकर भारत के साथ खड़ा हुआ।भारत का सदाबहार मित्र रूस भी दोनों तरफ से खेलता हुआ नजर आया। लेकिन कुछ देशों के साथ मुद्दों को सुलझाने के लिए ट्रैक-टू प्रयासों में भारत की अनुभवी और मुखर आवाजों का उपयोग करने की गुंजाइश आगे भी बन सकती है, क्योंकि विपक्षी नेताओं ने दिखाया है कि अगर उन्हें ऐसी भूमिका निभाने के लिए कहा गया तो वे पीछे नहीं रहेंगे।पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद (कांग्रेस) ने तो एक कदम आगे बढ़कर अनुच्छेद 370 को हटाने तक का समर्थन किया। उन्होंने कहा अनुच्छेद 370 से यह धारणा बनती थी कि कश्मीर अलग है। इससे उनकी अपनी पार्टी में नाराजगी पैदा हो गई, जिसने इस मुद्दे पर अस्पष्ट रुख अपनाया है।डॉ. शशि थरूर तो सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के स्टार के रूप में उभरे। जहां उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का समर्थन करके और आतंकवाद के प्रति भारत की प्रतिक्रिया के इस न्यू-नॉर्मल की सराहना करके खूब वाहवाही बटोरी, लेकिन उनकी पार्टी इससे नाराज है और अब उनके राजनीतिक भविष्य के बारे में सवाल पूछे जाने लगे हैं।देश ने विभिन्न विपक्षी दलों के इन नेताओं को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते और एक लय में आगे बढ़ते देखा, जबकि संसद में वे केवल आपस में लड़ते दिखलाई देते थे। एक नया राजनीतिक नेतृत्व उभरता नजर आया है। (ये लेखिका के अपने विचार हैं।)

थकान जब खुशी बन जाए तो हमें लगेगा कि बलिदान सफलता में महक रहा है

27 जुलाई की रात को बारिश हो रही थी। आठ लोगों का परिवार उसी सुबह उस घर में आया था और उनके दिमाग में बड़ा डर चल रहा था। छत टपकने लगी। बुजुर्गों ने कीड़े-मकोड़ों और

सांपों को दूर रखने के लिए भूसा जलाया। एक सदस्य तेजी से उस कोने की ओर दौड़ा, जहां बर्तन रखे थे- ताकि एक बर्तन को टपकती छत के नीचे रखा जा सके। पक्के मकान से इस झोपड़ी में आने की एकाएक असुविधा से अनजान एक शिशु दादी की फटी-पुरानी साड़ी से बने झूले में सो रहा था। समीप के नगर पालिका स्कूल का निर्माण पूरा होने तक वह बच्चा अब अगले दो साल तक उसी झोपड़ी में बड़ा होगा। यदि स्थानीय निकाय ने निर्माण में देरी की तो उस परिवार को तीसरे साल की बारिश भी झेलनी पड़ेगी। अचरज में हैं कि स्कूल निर्माण का इस झोपड़ी से क्या लेना-देना? तो यह कहानी सुनें। दो दिन पहले, 25 जुलाई को ही इस परिवार को जीवन का बड़ा सदमा लगा। तब बारिश हो रही थी और बादलों की गड़गड़ाहट डरा रही थी।अचानक राजस्थान में झालावाड़ जिले के पिलोदी स्थित एकमात्र प्राथमिक स्कूल की कंक्रीट से बनी छत ढह गई। यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना तब हुई जब बच्चे सोच रहे थे कि वे अच्छी तरह सुरक्षित हैं। सात बच्चों की मौत हो गई और 21 घायल हुए। हमने अखबारों में इसके बारे में पढ़ा था। इलाके में रहने वाले 60 वर्षीय खेतिहर मजदूर मोर सिंह, जो कभी भी स्कूल नहीं गए- इस घटना से गहरे प्रभावित हुए। अपनी पांच दशक की छोटी-मोटी मजदूरी से उन्होंने जो एकमात्र सम्पत्ति बनाई, वह दो छोटे कमरों वाला एक पक्का मकान था। उनके दिमाग में बस एक ही बात चल रही थी कि बच्चों का भविष्य सुरक्षित रहना चाहिए। इसीलिए उन्होंने बच्चों की पढ़ाई जारी रखने के लिए अपना घर शिक्षा विभाग को दे दिया। जैसे ही मोर सिंह और उनका परिवार झोपड़ी में आया, कुछ बेंच उनके घर पहुंचाई गईं। और धीरे-धीरे विद्यार्थी भी आने लग गए। हाल ही यह खबर मुझे गुरुवार को तब याद आई, जब कंप्यूटर साइंस से इंजीनियरिंग कर रही 21 वर्षीय सेजल पाटिल और उसके माता-पिता मुझसे मिलने आए। माता-पिता महाराष्ट्र के औरंगाबाद से थे। वहां वे एक मराठी माध्यम स्कूल चलाते हैं, जिसे मौजूदा प्राचार्य शालिंद्र पाटिल के पिता स्वर्गीय प्रो. राजेंद्र सिंह सुभान सिंह पाटिल ने 1996 में शुरू किया था। चूंकि इस परिवार का संबंध पूर्व राष्ट्रपति से है, इसलिए स्कूल का नाम प्रतिभा ताई पाटिल प्राथमिक स्कूल रखा गया था। वास्तव में तो कोविड से ठीक पहले मुझे औरंगाबाद में हमारे मराठी भाषा के अखबार दिव्य भास्कर की ओर से उन्हें सम्मानित करने का अवसर मिला था। सेजल पुणे के कमिंस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में अकेले रहकर स्नातक की पढ़ाई कर रही थीं। कोविड के दौरान सेजल ने 10वीं कक्षा पास की थी और उसने इस भयानक बीमारी को अपने दादाजी की जान लेते देखा था। इसने सेजल को गहरा सदमा पहुंचाया, क्योंकि वह अपने दादा की पहली पोती थी, इस कारण उनकी लाड़ली थी। बाद में उसे उच्च शिक्षा के लिए पुणे भेजा गया। अकेलापन उसे खाए जा रहा था और एक मेधावी बच्ची होने के बावजूद वह अपने प्रतिशत को बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रही थी। इसलिए उसके माता-पिता चाहते थे कि मैं उसकी काउंसलिंग करूं। मैंने झालावाड़ की कहानी सेजल को बताई और कहा कि जब आप सफल लोगों को देखते हो तो पाते हो कि उन्होंने अपने जीवन में कुछ गंभीर बलिदान दिए हैं। चाहे खाली समय, सामाजिक जीवन या फिर आराम हो, उन्हें सफलता के लिए किसी ना किसी चीज का त्याग करना पड़ा। घर के आराम में पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी सोशल मीडिया टाइम, मौज-मस्ती वाली आउटिंग और लेट नाइट मूवी छोड़ते हैं। ऊंचाई पर पहुंचने की मंशा रखने वाले एथलीट गरिष्ठ भोजन त्यागते हैं। यहां तक कि तुम्हारी तरह हॉस्टल में रहने वाले विद्यार्थियों को बहादुरी के साथ अकेलेपन का सामना करना पड़ता है। मेरे दिए गए 210 मिनट ने उसे मजबूत बनाया। फंडा यह है कि बलिदान का स्तर अकसर यह तय करता है कि सफलता का स्तर क्या होगा। एन. रघुरामन

मणिपुर में सरकार-कुकी के बीच समझौते से कौन खुशः मैतेई बोले- ये एकतरफा, पीएम मोदी आए तो क्या बदलेगा

नयी दिल्ली। 'कुकी के साथ एसओओ एग्रीमेंट साइन करने की वजह से घाटी में मैतेई लोगों के बीच रहे हैं, खासतौर से वो अलग से चुराचांदपुर आ रहे हैं। उनका स्वागत है। हमें उम्मीद है कि वो हमारे दर्द की मरम्मत, डिवाइडरों पर पेंटिंग और झाड़ियों की कटाई की जा रही है। इंफाल हवाई अड्डे से प्रधानमंत्री सड़क

बहुत नाराजगी है। मणिपुर हिंसा को करीब 2 साल 4 महीने बीत गए हैं, लेकिन पीएम मोदी ने अब जाकर आने का फैसला किया, जब सब कुछ बर्बाद हो गया।' मणिपुर में सरकार और कुकी संगठनों के बीच हुए समझौते के मायने मैतेई लीडर दो लाइन में समझा देते हैं। नाम ना जाहिर करने की शर्त पर वे कहते हैं कि शांति चाहिए तो सबको साथ लेकर चलना था। वहीं, कुकी कम्युनिटी का कहना है 'हम केंद्र सरकार से जो उम्मीद कर रहे थे, ये समझौता उससे काफी कम है।' मणिपुर में 856 दिनों से कुकी और मैतेई कम्युनिटी के बीच संघर्ष जारी है। अब भी मणिपुर दो हिस्सों में बंटा हुआ है। संघर्ष के बाद पहली बार पीएम नरेंद्र मोदी 13 सितंबर को मणिपुर के दौरे पर पहुंच सकते हैं। पीएम मैतेई कम्युनिटी के गढ़ यानी राजधानी इंफाल और कुकी के इलाके चुराचांदपुर दोनों जगहों पर सभाएं करेंगे। देरी को लेकर नाराजगी भले हो, लेकिन मणिपुर के लोग पीएम मोदी के दौरे को उम्मीद की नजरों से देख रहे हैं। दिल्ली में भी मणिपुर संघर्ष को खत्म करने के लिए पर्दे के पीछे से तैयारियां चल रही हैं। सरकार और कुकी संगठनों के बीच हुआ समझौता- पीएम मोदी के संभावित मणिपुर दौरे से पहले 4 सितंबर को दिल्ली में केंद्र सरकार, मणिपुर सरकार, कुकी संगठन और यूनाइटेड पीपल्स फ्रंट के बीच नया सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस (एसओओ) एग्रीमेंट साइन किया गया। इसके बाद कुकी-जो मणिपुर को नगालैंड-पूर्वोत्तर से जोड़ने वाला नेशनल हाईवे एनएच-2 खोल दिया। ये मई 2023 में भड़की मैतेई और कुकी समुदायों की हिंसा के बाद से बंद था। ये रास्ता कुकी इलाके को मैतेई इलाके से जोड़ता है। अब इस रास्ते से लोगों और जरूरी सामान की आवाजाही बिना रुकावट हो सकेगी। केजेडसी ने भरोसा दिलाया है कि वो भारत सरकार की ओर से तैनात सुरक्षा बलों के साथ सहयोग करेगा, ताकि एनएच-02 पर शांति बनाए रखी जा सके।मणिपुर में शांति के लिए 2024 से ही कुकी संगठनों के साथ बैठकों का सिलसिला जारी है। इन बैठकों का हिस्सा रहे एक कुकी नेता ने नाम ना जाहिर करने की शर्त पर बताया, 'हमने केंद्र सरकार से कई दौरे की चर्चा की। हम शुरू से ही 'अलग प्रशासन' (राज्य से अलग होने) की मांग करते आ रहे हैं, लेकिन फिलहाल हम इस समझौते के लिए तैयार हो गए। हालांकि ये सब शुरुआत है, अभी काफी कुछ होना बाकी है।' मणिपुर में मई 2023 में शुरू हुई हिंसा के बाद से ही कुकी संगठनों की मांग थी कि उन्हें मणिपुर राज्य से अलग करते हुए 'अलग प्रशासन' की व्यवस्था दी जाए। हालांकि, इसे स्वीकार नहीं किया गया। मैतेई कम्युनिटी भी इस मांग के सख्त खिलाफ रही है। वो इसे राज्य बांटने की तरह देखती है। कुकी संगठन आईटीएलएफ के प्रवक्ता गिंजा भी समझौते के लिए सरकार के साथ हुई बैठकों का हिस्सा रहे। गिंजा बताते हैं, 'ये समझौता तय वक्त में राजनीतिक समाधान निकालने की बात कहता है। इसलिए हमें लगता है कि ये कुकी लोगों के लिए अच्छी बात है।'इस पर गिंजा कहते हैं, 'समझौता होने के बाद अचानक हालात नहीं सुधरेंगे, लेकिन हमें उम्मीद है कि पहले से बेहतर होंगे। राजनीतिक मांगों के समाधान से ही शांति की प्रक्रिया पूरी तरह अंजाम पर पहुंचेगी।' वुकी स्टूडेंट ऑर्गेनाइजेशन की एक महिला लीडर नाम ना छापने की शर्त पर बताती हैं, 'एसओओ एग्रीमेंट को लेकर कुकी इलाकों में अलग-अलग प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। हम केंद्र सरकार से जो उम्मीद कर रहे थे, ये उससे काफी कम है।' 'हमारी शुरू से ही अलग प्रशासन की मांग रही है, लेकिन सरकार ने हमें वही दिया जो हमारे पास पहले से था। इस हिंसा में हमारे हजारों घर जल गए, हजारों लोग बेघर हो गए, लेकिन उनके लिए स्थायी शांति के लिए क्या किया जा रहा है? ये सबसे बड़ा सवाल है जिसका जवाब हमें अब तक नहीं मिला है। हमें इसी का इंतजार है। पीएम मोदी के संभावित दौरे को लेकर वे कहती हैं, 'हिंसा के बाद से वो पहली बार मणिपुर आ को समझते हुए जरूरी कदम उठाएंगे। 'मणिपुर में कमिश्नर रह चुके राज कुमार नेमाई कहते हैं, 'अभी तक कुकी और सरकार के बीच सहमति का जो डिटेल डॉक्यूमेंट है वो जारी नहीं किया गया है। इसलिए इस पर कुछ भी कहना अभी सही नहीं होगा।' पीएम मोदी के दौरे को लेकर उन्होंने कहा, 'वो मणिपुर आने में 2 साल 4 महीने लेट हो गए हैं, बस इतना ही कहूंगा।'एक मैतेई लीडर नाम ना लिखने की शर्त पर कहते हैं, 'कुकी के साथ एसओओ एग्रीमेंट साइन करने की वजह से घाटी में मैतेई लोगों के बीच जबरदस्त नाराजगी है। पीएम ने आने से पहले कुकी उग्रवादियों के साथ समझौता किया, ये एक तरह से एकतरफा रवैया है। अगर सरकार सही में संघर्ष का समाधान चाहती है तो दोनों कम्युनिटी को साथ लेकर काम करना होगा। अगर ऐसा नहीं होता तो शांति का रास्ता मुश्किल है।' मणिपुर ही नहीं नॉर्थ ईस्ट के अलग-अलग राज्यों में अलगाववादी और उग्रवादी हथियारबंद संगठनों को शांति प्रक्रिया में लाने के लिए एसओओ जैसे समझौते किए गए हैं। इस समझौते को लेकर सीनियर जर्नलिस्ट संगीता बरुआ कहती हैं, 'यही एसओओ समझौता पूरे मणिपुर में हिंसा और संघर्ष का केंद्र है। पहले भी इसमें केंद्र सरकार, मणिपुर की राज्य सरकार और कई उग्रवादी गुट शामिल थे, लेकिन तब मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह ने कहा कि मणिपुर सरकार इस समझौते से बाहर निकलेगी।'संगीता आगे कहती हैं, 'मणिपुर में हिंसा और संघर्ष खत्म करने के लिए सबसे जरूरी है कि मणिपुर में रास्ते खुलें, जो हिंसा के चलते बंद थे। लोग बिना रोक-टोक आना जाना कर सकें। समझौते के बाद मणिपुर को नगालैंड से जोड़ने वाला रास्ता खोला गया है। ये नगा कम्युनिटी के इलाके से होकर मणिपुर मार्ग से कांगला फोर्ट जाएंगे। वहां 15 हजार लोगों को संबोधित करेंगे। बीजेपी मणिपुर के स्पोक्सपर्सन रॉबिन लैकी ने कहा, 'पीएम मोदी का ये आधिकारिक दौरा है, लेकिन पार्टी कार्यकर्ता भव्य स्वागत की तैयारी कर रहे हैं। पीएम को सुनने के लिए करीब 50 हजार कार्यकर्ताओं जुटने की तैयारी है।' 'कुकी के साथ जो नया सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशन (एसओओ) समझौता किया है, उसमें पहले की तुलना में शर्तों को सख्त किया गया है। इसकी वजह से घाटी में भी लोग खुश हैं। साथ ही कुकी और मैतेई दोनों तरफ बफर जोन भी घटाए जाने की उम्मीद की जा रही है। पीएम मोदी से मिलने के लिए मणिपुर के लोग खुशी से इंतजार कर रहे हैं।'

'मणिपुर के ऐतिहासिक कंगला फोर्ट में 15 हजार लोगों की सभा की तैयारी की जा रही है। किले को सजाया जा रहा है। सुरक्षा पहले से कड़ी है और बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है। लगातार निगरानी रखने के साथ बिना परमिशन फोटोग्राफी पर मनाही है। किले परिसर में बने हेलीपैड को भी दुरुस्त किया जा रहा है, ताकि प्रधानमंत्री वहीं से वापस इंफाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए हेलिकॉप्टर ले सकें।' बीजेपी मणिपुर की महिला कार्यकर्ता शांति देवी कहती हैं कि हिंसा भड़कने के बाद प्रधानमंत्री का ये पहला दौरा है, इसलिए जनता को कुछ बड़े ऐलान की उम्मीद है।कांग्रेस प्रवक्ता और एआईसीसी मेंबर निनगोमबाम भूपेनदा दौरे को लेकर कहते हैं, 'प्रधानमंत्री का दौरा सिर्फ फोटो सेशन तक सीमित नहीं होना चाहिए। बल्कि राज्य के लोग ठोस कदम उठाने की अपेक्षा कर रहे हैं।' वहीं कांग्रेस उपाध्यक्ष हरेश्शोर गोशम्वामी ने कहा कि उनकी पार्टी प्रधानमंत्री की यात्रा का स्वागत करती है; लेकिन असली जरूरत जातीय हिंसा से पैदा हुए संकट का समाधान

के पहाड़ी इलाके और फिर कुकी कम्युनिटी के इलाके से होते हुए इंफाल घाटी में मैतेई कम्युनिटी तक पहुंचता है।' 'केंद्र सरकार ने भारत-म्यांमार बॉर्डर को फेंसिंग के जरिए सील करने की योजना बनाई है। नगा कम्युनिटी इस फेंसिंग का विरोध कर रही है, लेकिन सरकार ने फेंसिंग के काम को जारी रखने का फैसला किया है। मैतेई हमेशा से बॉर्डर फेंसिंग की मांग करती रही है। ऐसे में भारत सरकार का ये फैसला मैतेई मांग के पक्ष में जाता है।' पीएम मोदी के दौरे से मणिपुर संघर्ष का कोई समाधान निकल सकता है? इसके जवाब में बरुआ कहती हैं, 'मुझे लगता है कि पीएम मोदी पर्दे के पीछे कई लोगों से मुलाकात कर सकते हैं और शांति की अपील और पहल कर सकते हैं।' 'प्रधानमंत्री की जनसभाएं भी होंगी लेकिन वो औपचारिकता भर होंगी। वो हिंसा के करीब ढाई साल बाद आ रहे हैं। ऐसे में लोग उनके दौरे से कितने खुश होंगे इस पर संशय है।' मणिपुर के एक अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री मिजोरम में नई बैराबी-सैरांग रेलवे का उद्घाटन करने के बाद हेलिकॉप्टर से मणिपुर के चुराचांदपुर जिले पहुंचेंगे। चुराचांदपुर मणिपुर का पहाड़ी जिला है, जहां कुकी बहुल आबादी रहती है। यहां इन पीस ग्राउंड पर विस्थापित लोगों से मुलाकात कर सकते हैं और फिर यहीं करीब 9 हजार लोगों की भीड़ को संबोधित कर सकते हैं। प्रशासन ने सरकारी आदेश जारी कर मणिपुर को नो ड्रोन जोन घोषित कर दिया है। चुराचांदपुर से पीएम हेलिकॉप्टर से इंफाल आएंगे। यहां एयरपोर्ट पर रंगाई-पुताई का काम तेजी से चल रहा है। सड़कों करना है, ताकि राज्य की भौगोलिक और प्रशासनिक अखंडता पर असर न पड़े।दिलचस्प बात ये है कि पीएम मोदी के दौरे को लेकर चुराचांदपुर और इंफाल दोनों जगह तैयारियां जोरों पर चल रही हैं, लेकिन मणिपुर दो हिस्सों में बंटा हुआ है। मणिपुर घाटी यानी मैदानी इलाके में मैतेई आबादी रहती है। वहीं दूसरे पहाड़ी वाले इलाकों में कुकी कम्युनिटी के लोग रहते हैं। 2023 में शुरू हुई हिंसा के बाद से ही अब तक राज्य दो हिस्सों में ही बंटा हुआ है। ना मैतेई, कुकी वाले इलाकों में जा सकते हैं, ना ही कुकी, मैतेई के इलाके में जा सकते हैं। मैतेई लोगों के बाहर जाने के लिए सिर्फ एयर रूट ही है। वहीं कुकी समुदाय के लोग मिजोरम के रास्ते आना-जाना कर रहे हैं।कुकी और मैतेई इलाकों के बीच अब भी बफर जोन बनी हुई है। इसकी निगरानी केंद्रीय सुरक्षाबलों ने संभाल रखी है, ताकि मैतेई और कुकी के बीच किसी भी हिंसा और संघर्ष को रोका जा सके। बफर जोन के दोनों तरफ अब भी हथियारबंद मैतेई और कुकी गुट तैनात रहते हैं। दोनों तरफ के प्रशासन से लेकर पुलिस तक सब बंटी हुई है। मैतेई पुलिस कुकी इलाके में और कुकी पुलिस मैतेई इलाकों में नहीं जा सकती। इसी तरह प्रशासन में काम करने वाले भी बंटे हुए हैं। यही वजह है कि प्रधानमंत्री भी कुकी और मैतेई दोनों इलाकों में अलग-अलग सभाएं कर रहे हैं। हालांकि, 9 फरवरी 2025 को जब से मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू हुआ है, यहां फायरिंग और तनाव की घटनाएं कम हो गई हैं।

अनिल अंबानी बैंक ऑफ बड़ौदा से भी फ्रॉड घोषित,एसबीआई और बैंक ऑफ इंडिया के बाद तीसरी कार्रवाई,दावा- आर-कॉम पर रु1656 करोड़ बकाया

मुंबई। अलग-अलग लोन फ्रॉड मामलों में ईडी और सीबीआई की कार्रवाई का सामना कर रहे

रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी को बैंक ऑफ बड़ौदा ने भी फ्रॉड घोषित किया है। इससे पहले स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) भी अनिल को फ्रॉड घोषित कर चुके हैं। रिलायंस कम्युनिकेशंस (आर-कॉम) ने बताया कि कंपनी को इसे लेकर 2 सितंबर को बैंक की ओर से लेटर मिला है। बैंक ने कंपनी को 1,600 करोड़ रुपए और 862.50 करोड़ रुपए की लाइन ऑफ क्रेडिट दी थी। लाइन ऑफ क्रेडिट (एलओसी) एक तरह का रिवॉल्विंग क्रेडिट है, जो आपको किसी बैंक या वित्तीय संस्थान से एक फिक्स्ड लिमिट तक, अपनी जरूरत के हिसाब से लोन लेने और चुकाने की सुविधा देता है। यह नॉर्मल लोन सिस्टम से अलग है, जिसमें आपको लोन की एकमुश्त राशि मिल जाती है। बैंक के मुताबिक, आर-कॉम ने 2,462.50 करोड़ रुपए लोन लिया था, जिसमें से 28 अगस्त तक 1,656.07 करोड़ रुपए अब भी बकाया है। यह खाता 5 जून 2017 से नॉन परफॉर्मिंग एसेट (एनपीए) है। अगर कोई व्यक्ति या कंपनी बैंक से लिया गया कर्ज (लोन) की किस्त या ब्याज 90 दिन या उससे ज्यादा समय तक नहीं चुकाता, तो वह लोन एनपीए बन जाता है।रिलायंस कम्युनिकेशंस के प्रवक्ता ने कहा कि यह मामला 12 साल पुराना है। अनिल अंबानी 2006 से 2019 तक सिर्फ नॉन-एजीक्यूटिव डायरेक्टर रहे। उनका कंपनी के डेली ऑपरेशन या फैसलों से लेना-देना नहीं था। सभी आरोप बेबुनियाद हैं, हम कानून का सहारा लेंगे। वहीं, रिलायंस पावर ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि बैंक ऑफ बड़ौदा की कार्रवाई का उसके ट्रेड ऑपरेशन और फाइनेंशियल परफॉर्मेंस पर कोई असर नहीं पड़ेगा। अनिल अंबानी साढ़े तीन साल से ज्यादा समय से रिलायंस पावर के बोर्ड में नहीं हैं।बैंकिंग कानूनों के तहत किसी खाते को फ्रॉड घोषित होते ही केस प्रवर्तन एजेंसियों को भेजा जाता है। लोन लेने वाले को अगले 5 साल तक कोई नया फंड जारी नहीं होगा। रिलायंस कम्युनिकेशंस पर कुल रु40,400 करोड़ (मार्च 2025 तक) कर्ज है। 2019 से दिवालिया प्रक्रिया में है। एसबीआई की अगुआई वाली कर्जदाता समिति ने 2020 में रेजोल्यूशन प्लान मंजूर किया था, लेकिन मामला कोर्ट में है। पिछले दिनों सीबीआई ने अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस (आर-कॉम) के खिलाफ 2,929 करोड़ रुपए के बैंक फ्रॉड मामले में केस दर्ज किया है। सीबीआई ने मुंबई में रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड के ऑफिस और अनिल अंबानी के घर पर 23 अगस्त को छापेमारी भी की। यह फ्रॉड स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) से जुड़ा है। इस बीच अनिल अंबानी ने अपने खिलाफ लगे सभी आरोपों को खारिज कर दिया। इसके अलावा बैंक ने अनिल अंबानी के खिलाफ व्यक्तिगत दिवालिया कार्यवाही भी शुरू की है, जो मुंबई एनसीएलटी में पेंडिंग है। 23 जुलाई को भी ईडी ने अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप से जुड़े 35 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की थी। रेड यस बैंक से लिए 3,000 करोड़ रुपए के लोन धोखाधड़ी मामले में की गई थी।

उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले एनडीए सासंदों का डिनर कैंसिल,8 सितंबर को पीएम होस्ट करने वाले थे,देश के कई राज्यों में बाढ़ के चलते फैसला बदला

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति चुनाव से एक दिन पहले 8 सितंबर को

पीएम आवास पर होने वाला एनडीए सासंदों का डिनर कैंसिल कर दिया गया है। साथ ही शनिवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के घर पर बीजेपी सांसदों का डिनर कार्यक्रम भी रद्द कर दिया गया है। यह फैसला पंजाब सहित अन्य राज्यों में आई बाढ़ के चलते लिया गया। सूत्रों के मुताबिक, पीएम मोदी बाढ़ प्रभावित राज्यों का दौरा करेंगे और रिव्यू मीटिंग लेंगे। दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, गुजरात में बाढ़ के चलते काफी नुकसान हुआ है।पंजाबः 23 जिलों के 1900 गांव लगभग 12 दिनों से बाढ़ की चपेट में हैं। इससे 3.84 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। राज्य में अब तक 43 लोगों की जान जा चुकी है। करीब 1.72 लाख हेक्टेयर में लगी फसल बर्बाद हो गई है। पंजाब में अगले 4 दिनों तक बारिश का अलर्ट नहीं है। इससे बाढ़ से राहत की संभावना है। जम्मू-कश्मीरः लैंडस्लाइड के

कारण जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग और सिंथन रोड वाहनों की आवाजाही के लिए बंद हैं। कठुआ से कश्मीर

तक करीब 3700 से ज्यादा वाहन फंस गए हैं। श्रीनगर और बडगाम में भारी बारिश के बाद कई इलाकों में पानी भर गया। माता वैष्णो देवी गुफा मंदिर की तीर्थयात्रा लगातार 11 दिन से बंद है। 26 अगस्त को

हुए भूस्खलन के बाद यात्रा स्थगित कर दी गई थी। गुजरातः सूरत और वडोदरा जिलों में लगातार हो रही भारी बारिश ने हालात बिगाड़ दिए हैं। नर्मदा और किम नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने से बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। प्रशासन ने निचले इलाकों के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। पीएम आवास पर क्यों होने वाला था डिनर- उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले 100फीसदी वोटिंग के लिए एनडीए गठबंधन के सांसदों की ट्रेनिंग होगी। तीन दिन की वर्कशॉप में सांसदों को वोटिंग प्रोसेस के बारे में बताया जाएगा। इसके बाद पीएम सभी सांसदों को डिनर होस्ट करते। ट्रेनिंग सेशन में सांसदों को बैलट पेपर पर सही निशान लगाने, चुनाव अधिकारी की ओर से दिया गया पेन का इस्तेमाल करने और बैलट पेपर को सही तरीके से मोड़कर बॉक्स के अंदर डालने की जानकारी दी जाएगी, ताकि वोट अमान्य न हों। दरअसल, गुप्त मतदान में पार्टी व्हिप लागू नहीं होता है। ऐसे में एनडीए का फोकस क्रॉस वोटिंग रोकने और अवैध वोटों को कम करने पर है। वहीं, वोटिंग से एक दिन पहले 8 सितंबर की रात को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एनडीए सांसदों के लिए डिनर भी करेंगे। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए 9 सितंबर को वोटिंग होगी। उसी दिन काउंटिंग भी होगी। एनडीए ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाया है। उनका मुकाबला इंडिया कैंडिडेट और सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी से होगा। रिटायर्ड जस्टिस रेड्डी आंध्रप्रदेश से, जबकि सीपी राधाकृष्णन तमिलनाडु से हैं। दरअसल, उपराष्ट्रपति का चुनाव जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई की रात अचानक इस्तीफा देने की वजह से हो रहा है। 74 साल के धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था।उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले एनडीए दूसरी पार्टियों के सांसदों का समर्थन जुटाने की कोशिश में लगी है। गठबंधन को आंध्र प्रदेश की वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के 11 सांसदों का समर्थन मिल चुका है।अब एनडीए ओडिशा की बीजेडी और तेलंगाना की बीआरएस को भी साथ लाने की कोशिश में जुटी है। बीजेडी ने अभी तक उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अपना रुख साफ नहीं किया है, जबकि बीआरएस को एनडीए और इंडिया दोनों ही अपने पाले में करने की कोशिश कर रहे हैं। इंडिया इसे क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व के आधार पर समर्थन देने की अपील कर रहा है।

गोगोई बोले- मणिपुर आने में देरी पर पीएम माफी मांगें,न्याय में देरी, न्याय न मिलने के बराबर; यहां हिंसा में अब तक 260 मौतें

इम्फाल। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा, 'पीएम मोदी की मणिपुर की संभावित यात्रा को किसी लक्ष्य का अंत नहीं मानना चाहिए, बल्कि राज्य में शांति, न्याय, सुलह और लोकतंत्र को वापस लाने की लंबी यात्रा की सिर्फ शुरुआत है।' उन्होंने कहा- पीएम की संभावित यात्रा दो साल पहले होनी चाहिए थी। जैसा कि कहा जाता है कि न्याय में देरी होना, न्याय न मिलने के बराबर है, उसी तरह मणिपुर के लोगों को पीएम की यात्रा से बहुत लंबे समय तक वंचित रखा गया है। गोगोई ने कहा- जब पीएम आएंगे, तो उन्हें सबसे पहले पिछले 2 सालों में न आने के लिए मणिपुर के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। राज्य में अभी भी कई चुनौतियां बाकी हैं। दरअसल, शुक्रवार को गौरव गुवाहाटी पहुंचे थे।

यहां इंडि अलायंस के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी के मीडिया इंट्रैक्शन में शामिल हुए थे। मई 2023 में मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा शुरू हुई थी। इसमें अब तक 260 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा है कि पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख और उसके भारतीय साथियों के कथित संबंधों की जांच पर बनी एसआईटी अपनी रिपोर्ट 10 सितंबर को सौंपेगी। इस पर गोगोई ने कहा कि पार्टी राज्य में भाजपा सरकार के अलग-अलग घोटालों को लगातार उजागर करती रहेगी। गोगोई ने ये भी कहा कि इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स (एजेम्प्शन) ऑर्डर, 2025 जैसे इतने महत्वपूर्ण मुद्दे पर पहले संसद में चर्चा होनी चाहिए थी। यह आदेश बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आए अल्पसंख्यकों को धार्मिक उत्पीड़न से बचने के लिए 31 दिसंबर 2024 तक भारत में प्रवेश करने की अनुमति देता है। इन अल्पसंख्यकों में हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन और ईसाई शामिल हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 सितंबर को मणिपुर जा सकते हैं। हालांकि अभी आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। पीएम मिजोरम में रेलवे प्रोजेक्ट का उद्घाटन करेंगे। मणिपुर हिंसा के बाद मोदी का यह पहला मणिपुर दौरा है। मई 2023 में मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा शुरू हुई थी। इस हिंसा में अब तक 260 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। दौरे की तैयारियों के बीच जिला मजिस्ट्रेट धरुण कुमार ने चुराचांदपुर जिले में गुरुवार को नो-ड्रोन जोन घोषित कर दिया है। आदेश के मुताबिक, अब जिले की सीमा में बिना सरकारी अनुमति के कोई भी ड्रोन, यूएवी, गुब्बारे या अन्य उड़ने वाले यंत्र उड़ाना प्रतिबंधित होगा। चुराचांदपुर कुकी बहुल है और मिजोरम से सटा हुआ है। मणिपुर में जारी जातीय हिंसा के बीच गुरुवार को कुकी-जो (कुकी ज़ो) काउंसिल राष्ट्रीय राजमार्ग-2 को पूरी तरह खोलने को तैयार हो गई। अब इस मार्ग से लोगों और जरूरी सामान की आवाजाही बिना रुकावट हो सकेगी। गृह मंत्रालय के मुताबिक, कुकी-जो काउंसिल सुरक्षा बलों के साथ एनएच -2 पर शांति बनाए रखने में सहयोग करेगी। यह हाईवे मणिपुर को नगालैंड पूर्वोत्तर के लिए बेहद जरूरी है। यह राजमार्ग नगालैंड के दीमापुर को मणिपुर की राजधानी इंफाल से जोड़ता है। हाईवे मणिपुर-नगालैंड-मिजोरम का शेष भारत से संपर्क बनाए रखता है। मणिपुर में जरूरतों, जैसे - खाने-पीने का सामान, दवा, ईंधन और व्यापार के सामान, इसी हाईवे से आते-जाते हैं। यह सेना और सुरक्षा बलों की आवाजाही के लिए भी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। पूर्वोत्तर के राज्यों के बीच व्यापार, पर्यटन और आपसी जुड़ाव बनाए रखने के लिए एनएच -2 जीवनरेखा की तरह काम करता है। 4 पॉइंट्स में समझिए मणिपुर हिंसा की वजह- मणिपुर की आबादी करीब 38 लाख है। यहां तीन प्रमुख समुदाय हैं- मैतेई, नगा और कुकी। मैतेई ज्यादातर हिंदू हैं। नगा-कुकी ईसाई धर्म को मानते हैं। एसटी वर्ग में आते हैं। इनकी आबादी करीब 50फीसदी है। राज्य के करीब 10फीसदी इलाके में फैली इंफाल घाटी मैतेई समुदाय बहुल ही है। नगा-कुकी की आबादी करीब 34 प्रतिशत है। ये लोग राज्य के करीब 90फीसदी इलाके में रहते हैं। कैसे शुरू हुआ विवादः मैतेई समुदाय की मांग है कि उन्हें भी जनजाति का दर्जा दिया जाए। समुदाय ने इसके लिए मणिपुर हाई कोर्ट में याचिका लगाई। समुदाय की दलील थी कि 1949 में मणिपुर का भारत में विलय हुआ था। उससे पहले उन्हें जनजाति का ही दर्जा मिला हुआ था। इसके बाद हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से सिफारिश की कि मैतेई को अनुसूचित जनजाति (एसटी) में शामिल किया जाए। मैतेई का तर्क क्या हैः मैतेई जनजाति वाले मानते हैं कि सालों पहले उनके राजाओं ने म्यांमार से कुकी को युद्ध लड़ने के लिए बुलाया था। उसके बाद ये स्थायी निवासी हो गए। इन लोगों ने रोजगार के लिए जंगल काटे और अफीम की खेती करने लगे। इससे मणिपुर ड्रग तस्करी का ट्राएंगल बन गया है। यह सब खुलेआम हो रहा है। इन्होंने नागा लोगों से लड़ने के लिए आर्म्स ग्रुप बनाया। नगा-कुकी विरोध में क्यों हैंः बाकी दोनों जनजाति मैतेई समुदाय को आरक्षण देने के विरोध में हैं। इनका कहना है कि राज्य की 60 में से 40 विधानसभा सीट पहले से मैतेई बहुल इंफाल घाटी में हैं। ऐसे में एसटी वर्ग में मैतेई को आरक्षण मिलने से उनके अधिकारों का बंटवारा होगा। सियासी समीकरण क्या हैंः मणिपुर के 60 विधायकों में से 40 विधायक मैतेई और 20 विधायक नगा-कुकी जनजाति से हैं। अब तक 12 सीएम में से दो ही जनजाति से रहे हैं।

'मिशन शक्ति' के अंतर्गत महिला सुरक्षा हेतु विशेष जन-जागरूकता अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक श्री अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में 'मिशन शक्ति फेज-5.0' के तहत सोनभद्र पुलिस द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने हेतु जनपद में एक विशेष जन-जागरूकता अभियान चलाया गया।इस अभियान के अंतर्गत जिले के सभी थाना क्षेत्रों में मिशन शक्ति टीमों एवं एंटी रोमियो स्क्वॉड द्वारा बाजारों, शिक्षण संस्थानों, चौराहों एवं अन्य भीड़भाड़ वाले स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रमुख गतिविधियाँ:- महिलाओं व बालिकाओं को विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई, जैसे:- मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना। महिला सुरक्षा से जुड़े हेल्पलाइन नंबरों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया, जिनमें शामिल हैं:- 1090 - महिला हेल्पलाइन, 112 - आपातकालीन सेवा, 102 - स्वास्थ्य सेवा, 108 - एम्बुलेंस, 1930 - साइबर हेल्पलाइन, महिला पुलिसकर्मियों द्वारा आयोजित 'महिला संवाद कार्यक्रमों' के माध्यम से महिलाओं और किशोरियों को पुलिस से निर्भीक होकर संपर्क करने हेतु प्रेरित किया गया। संवाद में यह आश्वासन भी दिया गया कि संकट की किसी भी घड़ी में पुलिस सदैव उनके साथ खड़ी है।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा तहसील ओबरा पर संपूर्ण समाधान दिवस पे सुनी गई फरियाद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व क्षेत्राधिकारी नगर द्वारा तहसील सदर पर संपूर्ण समाधान दिवस पर जन शिकायतों की सुनी गयी समस्या-शिकायतों के निष्पक्ष व न्यायोचित निस्तारण हेतु सम्बन्धित को दिये आवश्यक दिशा-निर्देश। गौरतलब हैं की संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी सोनभद्र बी0एन0 सिंह व पुलिस अधीक्षक सोनभद्रअशोक कुमार मीणा द्वारा संयुक्त रूप से तहसील ओबरा पर जन शिकायतों को सुना गया तथा तहसील दिवस के अवसर पर आये फरियादियों की समस्याओं को सुनकर गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया। साथ ही निर्देशित किया गया कि जमीन सम्बंधित सभी प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की टीमों द्वारा संयुक्त रूप से प्रकरण का निस्तारण किया जाए, जिससे फरियादियों को अलग-अलग भटकना न पड़े व प्रकरणों का त्वरित व न्याय पूर्ण निस्तारण हो सके । इस मौके पर सीएमओ सोनभद्र, एसडीएम ओबरा, क्षेत्राधिकारी ओबरा सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री अनिल कुमार व क्षेत्राधिकारी सदर रणधीर कुमार मिश्रा द्वारा तहसील सदर पर और क्षेत्राधिकारी दुद्धी राजेश कुमार राय द्वारा तहसील दुद्धी पर जन समस्याओं को सुनकर निस्तारण किया गया।

थाना शाहगंज पुलिस द्वारा शांति व्यवस्था के दृष्टिगत 05 नामजद अभियुक्तों के विरुद्ध की गई निरोधात्मक कार्रवाई

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, अशोक कुमार मीणा के द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी रोकथाम लगाने व वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी घोरावल के निकट पर्यवेक्षण/निगरानी में आज दिनांक 05.09.2025 को थाना शाहगंज पुलिस द्वारा कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु 05 नामजद अभियुक्तों को को धारा 170/126/135 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार कर निरोधात्मक कार्यवाही की गयी।

सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए चला रही योजनाएंः मंत्री संजीव, संगम प्रेरणा महिला संकुल स्तरीय संघ पर हुआ आयोजन

वार्षिक अधिवेशन समारोह में महिलाओं को किया गया सम्मान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सदर ब्लाक अंतर्गत मारकुंडी सलखन स्थित उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ग्राम विकास विभाग के वार्षिक अधिवेशन समारोह2025 संगम प्रेरणा महिला संकुल स्तरीय संघ पर शनिवार को हुआ आयोजन। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव कुमार गौड़ व डीसी सरिता सिंह के नेतृत्व में संगम प्रेरणा संकुल की अध्यक्षता में कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती के प्रतिमा माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया गया।इस दौरान मुख्य अतिथि मंत्री संजीव कुमार ने वहां मौजूद महिलाओं को संबोधित करते हुए बताया कि दीनदयाल अंत्योदय योजना से जुड़ा हुआ राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिलाओं को विभिन्न प्रकार से प्रशिक्षण व तैयारी कराई जाती है जिससे वह अपने जीव कोपार्जन व व्यवसाय कर सके सरकार की इस योजना से हर वह सक्षम महिला अपने आप को स्वावलंबी बनाने में तैयार हो रही है आज के समय में घर परिवार व समाज के बीच एक मजबूत कड़ी बनकर सामने आती हमारी महिलाएं बहाने समाज को एक नई दिशा देने की कम कर रही हैं। वही डीसी सरिता सिंह ने बताया कि महिलाओं द्वारा हर घर पहुंच कर सरकार की योजनाओं को बताने के साथ-साथ सम्मिलित कर हर महिला को सशक्त व मजबूत बनाने का जो सराहनीय कार्य सरकार द्वारा किया जा रहा है उससे हमारी माताएं बहने आने वाले दिनों में अपने हाथों को मजबूत कर स्वयं के रोजगार से जीव को पार्जन के साथ समाज में एक संदेश देगी पूरे कार्यक्रम का संचालन कर रहे महादेव ग्रा स अध्यक्ष मीनू चौबे ने अतिथियों का पुष्प कुछ से स्वागत करते हुए वहां मौजूद बेहतर कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित करते हुए उनका उत्साह हौसला बढ़ाया इस मौके पर चूर्क जिला पंचायत सदस्य मोहन कुशवाहा,जिला प्रबंधक ग्राम्य विकास विभाग एनआरएलएम एम जी रवि,विजय पाल डीएमएम,विजय पाठक,रमेश कुमार मौर्या,रामचंद्र पांडेय सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जेटी।आर.सी.आई.आई टी कानपुर की गोवा कार्यशाला में होंगे जगत नारायण विश्वकर्मा, और आनंद गुप्ता

वार्षिक कार्यशाला में पर्यावरण और स्वास्थ्य पर केंद्रित होगी विशेष चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

म्योरपुर/सोनभद्र। पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय समाजसेवी और पर्यावरण कार्यकर्ता जगत नारायण विश्वकर्मा और बीना के आनंद गुप्ता को ॐ घ्छ कानपुर की वार्षिक कार्यशाला गोवा में आमंत्रित किया गया है। इस कार्यशाला में वे 'सिंगरौली-सोनभद्र में प्रदूषण की स्थिति और उसका मानव जीवन पर प्रभाव' विषय पर अपने विचार और अध्ययन प्रस्तुत करेंगे।बताया जा रहा है कि कार्यशाला में देशभर से पर्यावरणविद, शोधकर्ता और नीति-निर्माता शामिल होंगे। जगत नारायण विश्वकर्मा और आनंद स्थानीय स्तर पर चलाए गए अपने अभियानों और प्रदूषण से प्रभावित लोगों के अनुभवों को साझा करेंगे।समाजसेवी का कहना है कि कार्यशाला में शामिल होने को लेकर उत्साहित जगत नारायण विश्वकर्मा ने कहा, 'सोनभद्र और सिंगरौली का इलाका खनन और औद्योगिक गतिविधियों की वजह से लगातार प्रदूषण की मार झेल रहा है। इसका असर नदियों, खेतों और सबसे ज्यादा आम लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। इस मुद्दे को राष्ट्रीय मंच पर उठाना जरूरी है।'विशेष महत्व विशेषज्ञों का मानना है कि इस कार्यशाला से सोनभद्र और सिंगरौली की वास्तविक समस्याओं को देश के बड़े शोध संस्थानों और नीति-निर्माताओं के सामने रखने का अवसर मिलेगा। इससे प्रदूषण

रोकथाम के ठोस उपाय सुझाए जाने की संभावना है।स्थानीय लोगों की उम्मीद स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि जगत नारायण विश्वकर्मा जैसे प्रतिनिधि जब बड़े मंचों पर क्षेत्र की बात रखते हैं, तो सरकार और संस्थानों का ध्यान जरूर जाता है। लोग उम्मीद कर रहे हैं कि इस कार्यशाला से प्रदूषण कम करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।राष्ट्रीय स्तर पर इस मुद्दे को उठाने और ठोस पहल के लिए एन जी टी से लेकर हिमाचल ,दिल्ली कानपुर,लखनऊ वाराणसी, कलकत्ता, मुंबई जैसे जगहों के मंचों पर उठाया है।साथ ही रिंहद और रेणुका नदी के उद्योगों की राख छोड़े जाने,फ्लोराइड युक्त पानी से फ्लोरोसिस की बीमारी को लेकर आवाज मुखर करने में जुटे है।

बारिश के चलते बह गयी पुलिया, शिकायत बाद भी नहीं दिया गया था ध्यान आवागमन पूरी तरह से ठप्प

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) ब्यौहारी, न्यू बरौधा को जाने वाली एक मात्र सड़क बारिश के चलते बह जाने से आवागमन बुरी तरह से प्रभावित होने के साथ ही बच्चे

जान जोखिम में डालकर स्कूल जा रहे हैं व अस्पताल, बाजार आने जाने में लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि 11 जुलाई को बारिश के चलते पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई थी। स्थानीय पार्षद एवं वार्डवासियों द्वारा तभी से शिकायतें नगर पंचायत, एसडीएम महोदय, कलेक्टर महोदय शहडोल को दिए जाने के साथ ही, लगभग 150 लोगों द्वारा सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत दर्ज कराई गई थी। लेकिन समय रहते ध्यान नहीं दिए जाने के कारण, कल रात बारिश के कारण कार्यालय नगर परिषद् ब्यौहारी वार्ड नंबर 9 न्यू बरौधा को जाने वाली सड़क और पुलिया बह गयी। जवाबदार जिम्मेदार लोगों द्वारा समाधान की जगह, शिकायत कटवाने बनाया गया था दवाब। वार्ड नंबर 9 के पार्षद धर्मेन्द्र सिंह से प्राप्त जानकारी अनुसार बताया गया कि जवाबदार जिम्मेदार लोगों से शिकायत बाद भी, नजर अंदाज कर दिया गया, वार्ड वासियों द्वारा समस्या का निराकरण नहीं होने से, सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत दर्ज कराई गयी थी, लेकिन जिम्मेदार लोगों द्वारा दवाब बना कर,, सीएम हेल्पलाइन से शिकायत कटवाने जोर दिया गया। क्षतिग्रस्त पुलिया बनवाने के लिए ध्यान नहीं दिया गया,

पुलिया जब क्षतिग्रस्त हुई थी तभी जवाबदार जिम्मेदार लोग ध्यान दिए होते तो आवागमन प्रभावित न होता।

मीडिया क्लब ने मनाया महासचिव समेत वरिष्ठ पत्रकारों का जन्मदिन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। शुक्रवार को नोएडा मीडिया क्लब में क्लब के सदस्यों का जन्मदिन मनाया गया, गौरतलब

है की बीते दिनों मीडिया क्लब के महासचिव जयप्रकाश सिंह, वरिष्ठ पत्रकार संतोष कुमार सिंह,सुरेश चौधरी, प्रवेश चौधरी और ऋषि तिवारी का जन्मदिन रहा,क्लब में भव्य कार्यक्रम के जरिए सभी वरिष्ठ पत्रकारों एवं महासचिव का जन्मदिन मनाया गया,इस अवसर पर मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी ने सभी को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं दी और कहा कि मीडिया क्लब में समय-समय पर इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे, उन्होंने कहा कि मीडिया क्लब नोएडा के पत्रकारों के लिए कई नयी योजनाएं भी शीघ्र लागू करने जा रहा है। इस अवसर पर सचिव जगदीश शर्मा, कोषाध्यक्ष मनोज वत्स, कार्यकारिणी सदस्य प्रमोद शर्मा और आंचल यादव,वरिष्ठ पत्रकार अरुण सिन्हा, मोहम्मद आसिफ राजेश शर्मा, संगीता चौधरी, सुमन चौधरी, हरवीर चौहान, पवन बैरागी, धीरेंद्र अवाना, योगेश राणा, हेमंत कुमार, अनुज गुप्ता, वरुण श्रीवास्तव,संजीव विनायक गुप्ता, कंचन भारद्वाज, रंजीत पांडे, आदि मौजूद रहे ।

शादी का झांसा देकर शारीरिक सम्बन्ध में बनाने वाले अभियुक्त को थाना ओबरा पुलिस ने किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। दिनांक 25.08.2025 को थाना ओबरा पर आवेदिका थाना

ओबरा, जनपद सोनभद्र द्वारा लिखित तहरीर दी गयी कि विपक्षी हेमन्त कुमार चन्द्रवंशी ने शादी का वादा करके मेरे साथ शारीरिक सम्बन्ध बनाया और अब शादी करने से मना कर रहा है। इसके सम्बन्ध में मु0अ0सं0-189/2025 धारा 69 बीएनएस व 3(2)5 एससी/एसटी एक्ट बनाम हेमन्त कुमार चन्द्रवंशी के पंजीकृत किया गया। उक्त मुकदमें में वांछित अभियुक्त की शीघ्र गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अशोक कुमार मीणा द्वारा विशेष दिशा निर्देश दिये गये । उक्त निर्देश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री अनिल कुमार के कुशल निर्देशन में व हर्ष पाण्डेय क्षेत्राधिकारी ओबरा के निकट पर्वेक्षण में आज दिनांक 06.09.2025 को थाना ओबरा पुलिस ने उपरोक्त पंजीकृत अभियोग से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त हेमन्त कुमार चन्द्रवंशी को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण- हेमन्त कुमार चन्द्रवंशी पुत्र राजू चन्द्रवंशी निवासी सेक्टर-2 डी ओबरा, जनपद सोनभद्र स्थायी पता ग्राम विशुनपुरा, थाना नगर उटारी, जनपद गढ़वा झारखण्ड हाल-पता पेशका दुलदुलवा थाना मेराल जनपद गढ़वा झारखण्ड उम्र करीब 30 वर्ष।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम का विवरण- 1.प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार सिंह, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र। 2.उ0नि0 राम सिंह यादव, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र। 3.का0 धर्मेन्द्र राजभर, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र। 4.म0का0 रीनू थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र।

रामस्वरूप विश्वविद्यालय में छात्रों पर लाठीचार्ज और शैक्षणिक अनियमितताओं के विरोध में एबीवीपी सोनभद्र ने निकाली रॉबर्ट्सगंज मसाल जुलूस यात्रा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रामस्वरूप विश्वविद्यालय में छात्रों द्वारा किए जा रहे शांतिपूर्ण आंदोलन पर बाहरी असामाजिक तत्वों

द्वारा हमले और पुलिस द्वारा किए गए बर्बर लाठीचार्ज के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी), सोनभद्र इकाई ने शुक्रवार शाम रॉबर्ट्सगंज नगर में एक जोरदार मसाल जुलूस यात्रा निकाली। यात्रा के माध्यम से विश्वविद्यालय में व्याप्त शैक्षणिक अनियमितताओं, विधि पाठ्यक्रमों की मान्यता की कमी, छात्रों के लिए बने भवनों पर अवैध कब्जे, और कोर्ट के आदेशों की अनदेखी जैसे गंभीर मुद्दों पर तीव्र विरोध दर्ज किया गया। एबीवीपी की प्रमुख माँगें इस प्रकार हैं:- 1. लाठीचार्ज घटना में पुलिसकर्मियों व बाहरी गुंडों सहित सभी दोषियों पर मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया जाए। किसके आदेश पर लाठीचार्ज किया गया यह सभी प्रश्न अभी भी अनुत्तरित हैं जिनका उत्तर अतिशीघ्र सार्वजनिक किया जाए। 2. विधि छात्रों के वर्तमान को भ्रम में रखकर भविष्य के साथ खिलवाड़ कर नवीनीकरण व अनुमति के बिना विधि पाठ्यक्रम के अवैध संचालन की समग्रता से तथ्यात्मक जांच की जाए व पूरी प्रक्रिया में जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों को दंडित किया जाए। विलम्ब शुल्क के नाम पर अर्थदण्ड के रूप में बड़ी धनराशि की उगाही, सामाजिक कल्याण के नाम पर लिए जाने वाले शुल्क,निर्धारित मानक आदि की भी सघनता से जांच कर रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाए। जांच प्रक्रिया पूर्ण होने तक विश्वविद्यालय को सील किया जाए। 3. उच्च शिक्षा परिषद के सचिव द्वारा दर्ज कराई गई प्रथम सूचना रिपोर्ट के आधार पर रामस्वरूप विश्वविद्यालय पर कार्यवाही आरम्भ की जाए। चांसलर, वाइस चांसलर, रजिस्ट्रार सहित अन्य दोषियों की गिरफ्तारी हो। 4. श्री रामस्वरूप विश्वविद्यालय ने लगभग 6 बीघे सरकारी भूमि (नाली, तालाब, बंजर व चकमार्ग) पर अवैध कब्जा कर लिया था।राजस्व जांच के बाद मामला तहसीलदार कोर्ट पहुँचा, जिसने 25 अगस्त 2025 को विश्वविद्यालय प्रबंधन पर ?27.96 लाख जुर्माना लगाते हुए कब्जा हटाने का आदेश दिया। कोर्ट ने 15 दिन में जुर्माना अदा कर स्वयं अवैध निर्माण हटाने का निर्देश दिया गया है।कब्जा हटाने हेतु बुलडोजर कार्यवाही की जाए। ABVP पदाधिकारियों ने क्या कहा:- शशांक मिश्रा (प्रदेश सह मंत्री, एबीवीपी) ने कहा-'छात्रों की आवाज़ को दबाने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। छात्र हितों की रक्षा के लिए एबीवीपी हर स्तर पर संघर्ष करेगा।' सौरभ सिंह (विभाग संयोजक) ने कहा,'यह मसला केवल एक विश्वविद्यालय का नहीं, बल्कि सम्पूर्ण प्रदेश के छात्रों के भविष्य से जुड़ा है।

' ललितेश मिश्रा (जिला संयोजक) ने चेतावनी दी, 'यदि आगामी 48 घंटों के भीतर प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया, तो एबीवीपी प्रदेश स्तर पर बड़ा आंदोलन शुरू करेगा।' कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे: प्रान्त जनजाति कार्य प्रमुख मनमोहन, प्रान्त कार्यसमिति सदस्य अनमोल सोनी,तहसील संयोजक राहुल जलान पूर्व जिला संयोजक सौरभ चौबे और मृगांक दुबे,अतुल पांडे,मनीष पटेल,आशुतोष मोदनवाल,सत्यम शुक्ला,अभय सिंह, आलोक सोनकर, हर्ष चौबे, आनंदजीत सिन्हा,नितेश पांडेय,अनिकेत सिंह,श्याम पाठक,शशांक मिश्रा,केतन,साहिल पांडेय,शिवेंद्र यादव,अंकित भट्ट,सक्षम पांडेय,विकास पांडेय,आयुष पाठक सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संपूर्ण समाधान दिवस पर जन शिकायतों की सुनी गयी समस्या, शिकायतों के निष्पक्ष पूर्वक निस्तारण हेतु दिये निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। संपूर्ण समाधान दिवस

के अवसर पर जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह व पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा संयुक्त रूप से तहसील ओबरा पर जन शिकायतों को सुना गया तथा तहसील दिवस के अवसर पर आये फरियादियों की समस्याओं को सुनकर गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया। साथ ही निर्देशित किया गया कि जमीन सम्बंधित सभी प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की टीमों द्वारा संयुक्त रूप से प्रकरण का निस्तारण किया जाए, जिससे फरियादियों को अलग-अलग भटकना न पड़े व प्रकरणों का त्वरित व न्याय पूर्ण निस्तारण हो सके । इस मौके पर सीएमओ सोनभद्र, एसडीएम ओबरा, क्षेत्राधिकारी ओबरा सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार व क्षेत्राधिकारी सदर रणधीर कुमार मिश्रा द्वारा तहसील सदर पर और क्षेत्राधिकारी दुद्धी राजेश कुमार राय द्वारा तहसील दुद्धी पर जन समस्याओं को सुनकर निस्तारण किया गया।

थाना चोपन की साइबर टीम द्वारा आवेदिका की फ्राड हुई धनराशि कुल 30,000/- (तीस हजार) रुपये उसके मूल खाते मे कराया गया वापस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। अवगत कराना है कि आवेदिका सुरसतिया देवी पत्नी लाल भुजक्कर निवासी भितरी पोस्ट भरहरी

जुगैल थाना जुगैल जनपद सोनभद्र के खाते से बिना उसकी जानकारी के अज्ञात व्यक्तियों द्वारा आवेदिका के बैंक मे जुडे मोबाइल नम्बर का कोड प्राप्त करके फोन-पे (यूपीआई) बना कर आवेदिका के खाते मे मौजूद धनराशि 30,000/- को किसी अज्ञात खाते मे ट्रांसफर कर लिया गया था, जिसके सम्बन्ध में थाना चोपन की साइबर टीम द्वारा आवेदिका से फ्राड के सम्बन्ध मे पूछताछ कर एंव ट्रांजैक्शन से सम्बन्धित आवश्यक कागजात लेकर तत्काल साइबर पुलिस पोर्टल (एनसीआरपी) पर शिकायत दर्ज की गयी।पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा द्वारा साइबर अपराध एंव अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम मे एवं अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) श्री अनिल कुमार के निर्देशन मे व क्षेत्राधिकारी नगर श्री रणधीर मिश्रा के पर्यवेक्षण मे तथा प्रभारी निरीक्षक चोपन श्री विजय कुमार चौरसिया के कुशल नेतृत्व मे थाना चोपन की साइबर टीम द्वारा एनसीआरपी पोर्टल का अवलोकन करके आवेदिका की फ्राड हुई धनराशि को सम्बन्धित खाते मे होल्ड कराया गया तथा एनसीआरपी पोर्टल से ट्रांजैक्शन से सम्बन्धित आवश्यक साक्ष्य एकत्रित कर सम्बन्धित बैंक को ईमेल/पत्राचार करके आवेदिका की फ्राड हुई धनराशि कुल 30.000/- रुपये को आवेदिका के मूल बैंक खाते में आज दिनांक-06.09.2025 को सफलतापूर्वक वापस कराया गया । आवेदिका द्वारा थाना चोपन की साइबर टीम की भूरि-भूरि प्रशंसा की। धनराशि वापस कराने वाली टीमः- 1.श्री विजय कुमार चौरसिया, प्रभारी निरीक्षक थाना चोपन सोनभद्र। 2.का0 सुनील कुमार, साइबर हेल्प डेस्क थाना चोपन सोनभद्र। नोटः- किसी अज्ञात व्यक्ति को अपनी व्यक्तिगत एवं बैंकिंग जानकारी जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड,पासपोर्ट या किसी परिचित का नाम/ मोबाइल नंबर एवं बैंकिंग सुरक्षा हेतु अपना अकाउंट नंबर,नेट बैंकिंग की जानकारी, पासवर्ड, ओटीपी शेयर न करें। साइबर अपराध की घटना होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर कॉल या नजदीकी थाने पर रिपोर्ट या cybercrime.gov.in पर लॉगिन कर तुरन्त शिकायत दर्ज करायें।

अल्काराज ने जोकोविच को हराया,यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचे, अब डिफेंडिंग चैंपियन सिनर से होगी भिड़ंत

नयी दिल्ली। स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच को हराकर

ऊए ओपन के फाइनल में जगह बना ली है। शुक्रवार देर रात खेला गया मुकाबला आर्थर ऐश स्टेडियम में 2 घंटे 23 मिनट तक चला। जिसमें अल्काराज ने जोकोविच को सीधे सेटों में 6-4, 7-6 (4), 6-2 से मात दी। अल्काराज का सामना फाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन जैनिक सिनर से होगा। सिनर ने एक अन्य सेमीफाइनल में कनाडा के फेलिक्स ऑजे-अलियासिम को हराया। 38 साल के जोकोविच इस साल चारों ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल तक पहुंचे, लेकिन हर बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा। तीन बार उन्हें अल्काराज या फिर दुनिया के नंबर-1 जैनिक सिनर ने हराया। मैच के बाद जोकोविच ने कहा कि उम्र के साथ लंबा खेल पाना मुश्किल हो जाता है और यह निराशाजनक भी है।अल्काराज ओपन एरा में बिना सेट गंवाए कोई भी ग्रैंड स्लैम जीतने वाले पांचवें और यूएस ओपन खिताब जीतने वाले पहले मेंस खिलाड़ी बन सकते हैं। स्पेनिश स्टार ने इस साल अब तक न्यूयॉर्क में खेले गए छह मैचों में एक भी सेट नहीं गंवाया है। वे 18 सेट में सिर्फ 58 गेम हारे हैं, यानी औसतन हर सेट में तीन से थोड़ा ज्यादा गेम गंवाए हैं। पूरे टूर्नामेंट में उन्हें सिर्फ दो टाई-ब्रेक खेलने पड़े हैं। टेनिस में 1968 में ओपन एरा की शुरुआत हुई। जब सभी खिलाड़ियों (एमेच्योर और प्रोफेशनल) को चारों ग्रैंड स्लैम में हिस्सा लेने की अनुमति दी गई। इसे ओपन एरा कहा जाता है। इससे पहले, ग्रैंड स्लैम और बड़े टूर्नामेंट में केवल शौकिया (एमेच्योर) खिलाड़ी खेल सकते थे। जबकि प्रोफेशनल खिलाड़ी इन प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं ले सकते जोकोविच ने अल्काराज और सिनर की तारीफ करते हुए कहा कि ये दोनों खिलाड़ी इस समय उनसे बेहतर हैं। उन्होंने कहा, अगर मुझे किसी से हारना हो, तो मैं इन दोनों से हारना पसंद करूंगा। मैं जानता हूं कि वे इस समय मुझसे बेहतर हैं। उन्हें बधाई देनी होगी। इस सीजन में जोकोविच का रिकॉर्ड 31 जीत और 10 हार का रहा है। जोकोविच को इस टूर्नामेंट में मैच के दौरान फिटनेस समस्याओं से जूझना पड़ा है। सेमीफाइनल के दौरान भी उन्हें कंधों का इलाज करवाना पड़ा। वहीं,चौथे राउंड में जान-लेनार्ड स्ट्रूफ के खिलाफ मैच के दौरान जोकोविच ने अचानक अपनी गर्दन पकड़ ली और सिर हिलाने लगे। ट्रेनर ने उनकी गर्दन और कंधे की मसाज की। उसके बाद फिर से दूसरे सेट के बाद ट्रेनर ने उनके दाएं हाथ की मसाज की। पहले राउंड में उनके पैर में छाले की समस्या थी, जबकि तीसरे राउंड में कमर के निचले हिस्से में दर्द था। वर्ल्ड के नंबर-1 खिलाड़ी और मौजूदा यूएस ओपन चैंपियन जैनिक सिनर ने सेमीफाइनल में कनाडा के 25वें सीड फेलिक्स ऑजे-अलियासिम को 6-1, 3-6, 6-3, 6-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। यह मुकाबला लगभग साढ़े तीन घंटे तक चला। सिनर ने इस टूर्नामेंट में केवल दो सेट गंवाए हैं और उनकी हार्ड कोर्ट पर 26 मैचों की ग्रैंड स्लैम जीत का सिलसिला जारी है। सिनर के पास 2008 के बाद पहली बार ऊए ओपन का खिताब डिफेंड करने वाले मेंस खिलाड़ी बनने का मौका है। इससे पहले स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर ने 2004 से 2008 तक लगातार पांच बार यह खिताब जीता था। सिनर ने इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन और विंबलडन जीतकर पहले ही दो ग्रैंड स्लैम अपने नाम किए हैं। सिनर और अल्काराज इस साल के ग्रैंड स्लैम फाइनल में तीसरी बार भिड़ेंगे। यूएस ओपन से पहले इस साल के फ्रेंच ओपन फाइनल में अल्काराज ने सिनर को पांच सेटों में हराया था, जबकि विंबलडन फाइनल में सिनर ने चार सेटों में अल्काराज को मात दी।

वनडे वर्ल्डकप-पाक विमेंस टीम ओपनिंग सेरेमनी में भारत नहीं आएगी:30 सितंबर को गुवाहाटी में होगा आयोजन, पाकिस्तान के सभी मैच श्रीलंका में खेले जाएंगे

नयी दिल्ली। पाकिस्तान की विमेंस क्रिकेट टीम भारत में होने वाले आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप

के ओपनिंग सेरेमनी में हिस्सा नहीं लेगी। सेरेमनी 30 सितंबर को गुवाहाटी में होनी है। टूर्नामेंट की मेजबानी भारत और श्रीलंका कर रहे हैं। ओपनिंग सेरेमनी में भारतीय गायिका श्रेया घोषाल परफॉर्म करेंगी। दिसंबर में आईसीसी मीटिंग में फैसला हुआ था कि भारत और पाकिस्तान की टीमें 2027 तक एक-दूसरे के देश में जाकर क्रिकेट नहीं खेलेंगी। पाकिस्तानी टीम भी 2027 तक किसी भी टूर्नामेंट के लिए भारत नहीं आएगी। किसी भी टूर्नामेंट में दोनों टीमों के मैच न्यूट्रल वेन्यू पर होंगे। माना जा रहा है कि पाकिस्तान का ओपनिंग सेरेमनी में नहीं आने का यह फैसला इसी नीति का हिस्सा है। पाकिस्तान के सभी मैच हाइब्रिड मॉडल पर श्रीलंका में खेले जाएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के बीच हुए हाइब्रिड समझौते के अनुसार, पाकिस्तान की टीम अपने सभी मैच न्यूट्रल वेन्यू कोलंबो में खेलेगी। इनमें बांग्लादेश (2 अक्टूबर), इंग्लैंड (15 अक्टूबर), न्यूजीलैंड (18 अक्टूबर), साउथ अफ्रीका (21 अक्टूबर) और श्रीलंका (24 अक्टूबर) के खिलाफ मैच शामिल हैं। अप्रैल में पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत की ओर से 6-7 मई को ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया था। पहलगाम हमले में 26 लोग मारे गए थे। दोनों देशों के बीच राजनीतिक संबंध खराब हैं। ऐसे में वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की टीम खेलने के लिए भारत नहीं आएगी। 2008 के मुंबई हमले के बाद से भारत-पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज बंद हैं। अब दोनों टीमें अब केवल आईसीसी और एसीसी टूर्नामेंट में एक-दूसरे का सामना करती हैं। ऐसे में जब भी भारत-पाकिस्तान मैच होता है तो दुनियाभर के क्रिकेट फैंस की नजरें इस मुकाबले पर टिकी होती हैं। ऐसे में आयोजक और ब्रॉडकास्टर भारत-पाकिस्तान मैच से ज्यादा से ज्यादा कमाई करते हैं। टीम इंडिया ने 2008 में आखिरी बार पाकिस्तान का दौरा किया था। 3 टेस्ट मैचों की उस सीरीज को भारतीय टीम ने 1-0 से जीता था। इस सीरीज के 2 मैच ड्रॉ रहे थे। पाकिस्तान ने 2012-13 में भारत का आखिरी दौरा किया था। उस दौरे पर 3 वनडे और 2 टी-20 मैचों की बाइलैटरल सीरीज खेली गई थी। वनडे सीरीज को पाकिस्तान ने 2-1 से जीता था, जबकि टी-20 सीरीज 1-1 की बराबरी पर रही थी। पाकिस्तान की टीम साल 2023 में वनडे वर्ल्ड कप खेलने के लिए भारत आई थी। तब इंडिया और पाकिस्तान के बीच अहमदाबाद में 14 अक्टूबर को मुकाबला खेला गया था। इस मैच को भारतीय टीम ने 7 विकेट से जीता था। कप्तान रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर ने फिफ्टी जमाई थी। जसप्रीत बुमराह प्लेयर ऑफ द मैच बने थे। उन्होंने 19 रन देकर 2 विकेट लिए थे। फातिमा सना (कप्तान), मुनीबा अली सिद्दीकी (उप-कप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, ऐमान फातिमा, नशरा सुंधू, नतालिया परवेज, ओमैमा सोहेल, रमीन शमीम, सदफ शमास, सादिया इकबाल, शवाल जुल्फिकार, सिदरा अमीन, सिदरा नवाज (विकेटकीपर) और सैयदा अरूब शाह। ट्रैवलिंग रिजर्वः गुल फिरोजा, नजीहा अल्वी, तूबा हसन, उम्म-ए-हानी और वहीदा अख्तर।

भूकंप में तालिबानी फरमान बना महिलाओं की आफत,पुरुष राहत कर्मी छूतें नहीं, 36 घंटे मलबे में फंसी रहीं; पड़ोसी गांव की महिलाओं ने निकाला

काबुल। अफगानिस्तान के पूर्वी पहाड़ी इलाकों में रविवार को आए 6 तीव्रता वाले भूकंप ने तबाही मचाई। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अब तक 2,200 से ज्यादा लोगों की मौत और 3,600 से ज्यादा घायल हुए हैं। राहत संगठनों का कहना है कि इस आपदा में सबसे ज्यादा बोझ महिलाओं और

बच्चों पर पड़ा है, जिन्हें बचाव के दौरान सबसे पीछे छोड़ दिया गया। वॉलेंटियर ताहजीबुल्लाह मुहाजिब ने मजार दारा में देखा कि पुरुष रेस्क्यूकर्मी मलबे में फंसी महिलाओं को निकालने से हिचकिचा रहे थे। मुहाजिब ने कहा, 'ऐसा लगा जैसे महिलाएं गायब हैं। पुरुष और बच्चों का इलाज हो रहा था, लेकिन महिलाएं चुपचाप एक कोने में बैठी थीं।' तालिबान के सख्त नियमों के तहत गैर-परिवार पुरुष महिलाओं को छू नहीं सकते। नतीजतन महिलाएं कई घंटों तक मलबे में फंसी रहीं, जब तक पड़ोसी गांवों से महिलाएं आकर उन्हें बाहर नहीं निकाल सकीं। कुनार प्रांत की 19 साल बीबी आयशा बताती हैं कि उनके गांव में बचाव दल 36 घंटे बाद पहुंचा, लेकिन उसमें एक भी महिला शामिल नहीं थी। उनके सामने ही केवल पुरुष और बच्चों को बाहर निकालकर इलाज दिया गया।तालिबान ने 4 साल पहले सत्ता संभालने के बाद महिलाओं की आजादी पर रोक लगाई है। छठी कक्षा के बाद लड़कियों की पढ़ाई बंद है, महिलाएं बिना पुरुष रिश्तेदार के लंबी दूरी की यात्रा नहीं कर सकतीं और ज्यादातर नौकरियों से वंचित हैं। गैर-सरकारी संगठनों और संयुक्त राष्ट्र में काम करने वाली महिलाओं को भी बार-बार धमकियां मिली हैं।पिछले साल तालिबान ने महिलाओं के मेडिकल शिक्षा में दाखिले पर रोक लगा दी थी, जिससे महिला डॉक्टरों और नर्सों की भारी कमी है। यही वजह रही कि प्रभावित इलाकों में चार दिन बाद भी कई जगह महिला स्वास्थ्यकर्मी तक नहीं पहुंच सकीं। अस्पतालों में ज्यादातर पुरुष डॉक्टर और नर्स ही मौजूद रहे। बीबी आयशा कहती हैं 'भगवान ने मुझे और मेरे बेटे को बचाया। लेकिन उस रात के बाद मैंने समझा कि यहां औरत होना मतलब है। हमेशा सबसे आखिर में देखा जाना।

अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के सांस्कृतिक और धार्मिक मानदंडों के मुताबिक केवल महिला के करीबी पुरुष रिश्तेदार, जिनमें उसके पिता, भाई, पति या बेटे शामिल हैं, उनको ही उसे छूने की अनुमति है। यही बात उलट भी लागू होती है: महिलाओं को अपने परिवार के बाहर के पुरुषों को छूने की अनुमति नहीं है। आपदाग्रस्त क्षेत्रों में, महिला बचावकर्मियों को पुरुषों की सहायता करने से प्रतिबंधित किया जाता है। लेकिन एक महिला मलबे के नीचे से असंबंधित महिलाओं को बाहर निकाल सकती है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक भूकंप 2 लाख की आबादी वाले जलालाबाद शहर से लगभग 17 मील दूर नांगरहार प्रांत में आया। जहां कई गांव मलबे में बदल गए। यह इलाका राजधानी काबुल से 150 किमी दूर है। यह एक पहाड़ी इलाका है। जो भूकंप के लिए रेड जोन माना जाता है। जहां सहायता पहुंचाना भी मुश्किल है।

हॉकी एशिया कप के सुपर-4 में भारत-कोरिया मैच ड्रॉ:स्कोर 2-2 से बराबर रहा; भारत से हार्दिक-मनदीप ने गोल दागे

नई दिल्ली। हॉकी एशिया कप के सुपर-4 में भारत और साउथ कोरिया के बीच मैच ड्रॉ हो गया। बिहार के राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में बुधवार को स्कोर 2-2 से बराबर रहा। तीसरे क्वार्टर तक 2-1 से पिछड़ने के बाद भारत को मनदीप सिंह ने 52वें मिनट में गोल कर बराबरी दिलाई। हार्दिक सिंह ने 8वें मिनट में भारत के लिए पहला गोल किया था। कोरिया के लिए 12वें मिनट में यांग जिहुन और 14वें मिनट में किम ह्योन्होंग ने गोल दागे। भारत का अगला मैच मलेशिया से गुरुवार को होगा। वहीं साउथ कोरिया का मुकाबला चीन से होगा। मलेशिया ने सुपर-4 में चीन को हराकर अपना पहला मैच जीत लिया है।दोनों टीमों की स्टार्टिंग-11- भारतः हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), कृष्ण बहादुर पाठक (गोलकीपर), संजय, अमित रोहिदास, सुमित, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, रजिंदर सिंह, मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह सब्स्टिट्यूट्सः जुगराज सिंह, जरमनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, राजकुमार पाल, शिलानंद लाकड़ा, दिलप्रीत सिंह, सूरज करकेरा (गोलकीपर)। कोरियाः ली जुंगजुन (कप्तान), यांग जिहुन, पार्क चोलीओन, रिम जिनकांग, जोंगसुक, सीयोंग, सिम जायवोन, बैक सुंगह्यून, सोंग मिन, किम जैहन, ली ह्यसूंग। सब्स्टिट्यूट्सः जांग दीहान, सोन डायन, जिन जियोन्ह्यो, किम ह्योन्होंग, ली स्युंगयु, चेओ मिन सु, कॉन्ना यून्हू।दूसरे और तीसरे क्वार्टर में दोनों ही टीमें गोल नहीं कर सकीं। चौथे क्वार्टर में भारत ने अटैक किया और 52वें मिनट में गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। इसी स्कोर लाइन के साथ मैच खत्म हुआ और दोनों टीमों को सुपर-4 में 1-1 पॉइंट मिल गया।चौथे क्वार्टर में मनदीप सिंह ने फील्ड गोल दागकर भारत को बराबरी दिला दी। क्वार्टर के 8वें मिनट में सुखजीत ने कोरिया के सर्कल में मंदीप को पास दिया। मनदीप ने इसे गोल में कन्वर्ट किया और मैच के 52वें मिनट में स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया।तीसरे क्वार्टर में भी टीम इंडिया ने बेहद अटैकिंग गेम खेला। भारतीय प्लेयर्स कई बार कोरिया के गोलपोस्ट के करीब पहुंचे, लेकिन गोल नहीं मार सके। क्वार्टर के आखिरी मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर भी मिला, लेकिन हरमनप्रीत सिंह इसे गोल में कन्वर्ट नहीं कर सके।मैच के 41वें मिनट में सुखजीत ने मौका गंवा दिया। मनप्रीत ने शानदार पास देकर

गेंद सर्कल में पहुंचाई। सुखजीत का सामना सिर्फ गोलकीपर से था और गोल करने का बढ़िया मौका था, लेकिन उन्होंने गेंद को गोलपोस्ट के बाहर मार दिया।भारत का एक और मूव कामयाब नहीं हो पाया। राजिंदर सिंह ने पेनल्टी स्पॉट के पास सर्कल में अभिषेक को पास दिया, लेकिन वह शॉट नहीं ले पाए।दूसरे क्वार्टर में टीम इंडिया ने लगातार अटैक किया, लेकिन गोल का चांस नहीं बना। 21वें मिनट में भारत के कप्तान हरमनप्रीत सिंह जरूर ग्रीन कार्ड लेकर 2 मिनट के लिए बाहर चले गए। दोनों ही टीमें इस क्वार्टर में पेनल्टी कॉर्नर का मौका भी नहीं बना सकीं।दूसरे क्वार्टर में भारत ने अच्छी शुरुआत की। टीम ने मिडफील्ड से कई मौके बनाए लेकिन गोल में तब्दील नहीं कर सके।कोरिया के खिलाफ पहले क्वार्टर में 7 मिनट तक दोनों ही टीमें गोल नहीं कर सकीं। 8वें मिनट में हार्दिक सिंह ने फील्ड गोल किया और भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। कोरिया ने फिर 12वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक और 14वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से गोल किया और 2-1 की बढ़त बना ली।साउथ कोरिया ने पहले क्वार्टर के 3 मिनट में 2 गोल दागे और भारत पर 2-1 की बढ़त बना ली। 14वें मिनट में किम ह्योन्होंग ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। 12वें मिनट में टीम से यांग जिहुन ने पेनल्टी स्ट्रोक पर भी गोल दागा था।पहले क्वार्टर में साउथ कोरिया ने पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल मारकर बराबरी कर ली। 12वें मिनट में जुगराज की गलती के कारण भारत पर पेनल्टी लगी। कोरिया से यांग जिहुन स्ट्रोक लेने आए, उन्होंने राइट कॉर्नर की ओर गोल दागा और स्कोर 1-1 कर दिया।पहले क्वार्टर के 8वें मिनट में भारत ने पहला गोल कर अपना खाता खोल लिया। कोरिया टीम का प्लेयर बारिश में फिसलने के कारण बॉल पर कंट्रोल नहीं कर सका। भारत के सुखजीत ने बॉल छीनी और हार्दिक सिंह को पास दे दिया। हार्दिक ने गोलपोस्ट के करीब जाकर मौका बनाया और फील्ड गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी।मैच के दूसरे मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला। हालांकि ड्रैग फ्लिकर कप्तान हरमनप्रीत सिंह गोल नहीं कर सके।बारिश के बाद मैच शुरू हो गया है। भारत ने शुरुआत से ही गेंद अपने पास रखी है। पहले दस सेकेंड में अमित और हरमन आपस में पास खेल रहे हैं।राजगीर स्टेडियम में बारिश रुक गई है। मैच रात 8:20 बजे से शुरू होगा। मैदान पर अभी भी कुछ जगहें सामान्य से ज्यादा गीली दिख रही हैं। ग्राउंड स्टाफ मैदान साफ करने में लगे हुए हैं।बारिश अब थोड़ी कम हो गई है, लेकिन मैदान पर अभी भी पानी भरा हुआ है। इसे ठीक होने में थोड़ा समय लगेगा। टीमें धीरे-धीरे ड्रेसिंग रूम से बाहर निकलकर मैदान में वापस आ रही हैं। हेड कोच फुल्टन भी बाहर आए और सीधे भारत के डगआउट की ओर गए।भारत और कोरिया की टीमें खेल शुरू करने के लिए मैदान पर आ चुकी थीं, लेकिन तेज बारिश के कारण मैच शुरू नहीं हो पाया। बारिश की वजह से मैदान पर पानी भर गया है।

मोदी ब्रिक्स की वर्चुअल समिट में शामिल नहीं होंगे:अब जयशंकर भाग लेंगे; अमेरिका ने टैरिफ हटाने के लिए ब्रिक्स छोड़ने की शर्त रखी थी

नयी दिल्ली। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा की ओर से बुलाए गए 8 सितंबर को हुए नेताओं के वर्चुअल समिट में भारत का प्रतिनिधित्व पीएम मोदी की जगह विदेश मंत्री एस

जयशंकर करेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को बयान जारी कर इसकी जानकारी दी।उन्होंने कहा- भारत की ओर से इसमें विदेश मंत्री भाग लेंगे। यह सम्मेलन अमेरिका के लगाए गए टैरिफ से निपटने के तरीकों और बहुपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने पर चर्चा करेगा। ब्राजील इसे अमेरिका विरोधी शिखर सम्मेलन के रूप में पेश नहीं कर रहा है। हालांकि, एक्सपर्ट्स के मुताबिक मोदी का न शामिल होना यह दिखाता है कि भारत 2026 ब्रिक्स समिट की अध्यक्षता से पहले सावधानी बरत रहा है। इससे पहले अमेरिका भारत को टैरिफ वापस लेने के बदले ब्रिक्स छोड़ने की मांग कर चुका है।वहीं, अमेरिका के उद्योग मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने शुक्रवार को ब्लूमबर्ग टीवी से बात करते हुए भारत पर 25फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ हटाने के लिए तीन शर्त रखीं। उन्होंने कहा कि भारत को रूस से तेल खरीदना बंद करना पड़ेगा,ब्रिक्स से अलग होना होगा और अमेरिका का सपोर्ट करना होगा। उन्होंने कहा कि अगर आप (भारत) रूस और चीन के बीच ब्रिज बनना चाहते हैं तो बनें, लेकिन या तो डॉलर का या अमेरिका का समर्थन करें। अपने सबसे बड़े ग्राहक का सपोर्ट करें या 50फीसदी टैरिफ चुकाएं। हालांकि, उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि भारत जल्द ही अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते की बातचीत में शामिल होगा। उन्होंने कहा कि जल्द ही भारत माफी मांगकर राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ बातचीत की टेबल पर आएगा। उन्होंने कहा कि एक-दो महीने में भारत ट्रम्प के साथ बातचीत की टेबल पर आएगा और माफी मांगेगा। लुटनिक के मुताबिक, भारत ट्रम्प के साथ नया सौदा करने की कोशिश करेगा। यह सौदा ट्रम्प की शर्तों पर होगा और वे प्रधानमंत्री मोदी के साथ इसे अंतिम रूप देंगे। वहीं, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत अमेरिका के साथ व्यापार के मुद्दों पर बातचीत जारी रखेगा। उन्होंने कहा- हम क्वाड को चार देशों के बीच कई मुद्दों पर चर्चा के लिए एक अच्छा मंच मानते हैं। नेताओं की बैठक सदस्य देशों के बीच डिप्लोमैटिक बातचीत से तय मौजूदगी रूस और चीन के प्रभाव को बढ़ाती है, जो अमेरिका के विरोधी माने जाते हैं। रूसी तेल खरीद पर आपत्तिः भारत ने यूक्रेन संकट के बाद रूस से सस्ता तेल खरीदना शुरू किया, जो पहले 2फीसदी था और अब 40फीसदी तक पहुंच गया है। अमेरिका इसे गलत मानता है और चाहता है कि भारत रूसी तेल न खरीदे, क्योंकि यह रूस की अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है। टैरिफ की धमकीः अमेरिका ने भारत पर 50फीसदी टैरिफ लगाया है। लुटनिक ने कहा कि अगर भारत ब्रिक्स में रहता है तो उसे भारी टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। वे मानते हैं कि भारत अमेरिकी बाजार (जो भारत का सबसे बड़ा ग्राहक है) पर निर्भर है, इसलिए वह जल्द ही अमेरिका के साथ समझौता करेगा। डी-डॉलराइजेशन का डरः अमेरिका को चिंता है कि ब्रिक्स देश वैश्विक वित्तीय व्यवस्था में डॉलर को चुनौती दे सकते हैं। अमेरिका चाहता है कि भारत इस तरह के किसी भी प्रयास से अलग रहे। भारत की रणनीतिक बढ़तः भारत अपनी स्वतंत्र विदेश नीति के तहत ब्रिक्स और अमेरिका दोनों के साथ संतुलन बनाए रखना चाहता है। लेकिन अमेरिका को लगता है कि भारत का ब्रिक्स में रहना उसकी पश्चिमी देशों, खासकर अमेरिका, के साथ बढ़ती साझेदारी के खिलाफ है। भारत ने बार-बार कहा है कि वह ब्रिक्स को वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत करने का मंच मानता है, न कि अमेरिका विरोधी समूह। भारत ने डी-डॉलराइजेशन को खारिज किया है और अमेरिका के साथ अपने संबंधों को महत्वपूर्ण बताया है। भारत ब्रिक्स छोड़ने की किसी योजना का समर्थन नहीं करता है। 2026 में ब्रिक्स की अध्यक्षता करेगा भारत भारत 2026 में ब्रिक्स समिट की अध्यक्षता करेगा और 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन आयोजित करेगा। यह जिम्मेदारी ब्राजील से भारत को 1 जनवरी, 2026 से मिलेगी।मोदी ने 2025 में रियो डी जनेरियो में हुए 17वें ब्रिक्स समिट में भारत की योजना को साझा किया। भारत का लक्ष्य ब्रिक्स को एक नए रूप में पेश करना है, जिसका फोकस होगाः- मानवता पहले भारत ब्रिक्स को लोगों के हितों को प्राथमिकता देने वाला मंच बनाएगा, जैसा कि उसने जी 20 की अध्यक्षता में किया था।लचीलापन और नवाचारः- भारत वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए नई तकनीकों और सहयोग पर जोर देगा। सतत विकासः- जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संरक्षण और वैश्विक स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर ध्यान दिया जाएगा। ग्लोबल साउथ की आवाजः भारत विकासशील देशों के हितों को बढ़ावा देगा और वैश्विक संस्थानों जैसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, आईएमएफ और विश्व बैंक में सुधार की मांग करेगा। आतंकवाद विरोधी और आर्थिक मजबूतीः भारत आतंकवाद के खिलाफ कदम और आर्थिक सहयोग को मजबूत करने पर जोर देगा। 17वां ब्रिक्स समिट 6-7 जुलाई, 2025 को ब्राजील के रियो डी जनेरियो में हुआ। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा की अध्यक्षता में इस समिट का थीम था 'ग्लोबल साउथ के लिए समावेशी और टिकाऊ सहयोग'। इसमें ब्रिक्स के सदस्य देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान, यूएई) और साझेदार देशों के नेता शामिल हुए थे। मोदी इसमें भाग लेने के लिए ब्राजील गए थे। ये 12वां था जब मोदी ब्रिक्स समिट में भाग ले रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा था, 'ग्लोबल साउथ के देश अक्सर डबल स्टैंडर्ड का शिकार रहे हैं। चाहे विकास हो, संसाधनों की बात हो, या सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की, ग्लोबल साउथ को कभी प्राथमिकता नहीं दी गई है। इनके बिना, वैश्विक संस्थाएं ऐसे मोबाइल की तरह हैं, जिसमें सिम कार्ड तो है लेकिन नेटवर्क नहीं है।'ब्रिक्स 11 प्रमुख उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों का एक समूह है। इनमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और इंडोनेशिया शामिल हैं। इसका मकसद इन देशों के बीच आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक सहयोग को बढ़ावा देना है। इसमें शुरुआत में 4 देश थे, जिसे ब्रिक कहा जाता था। यह नाम 2001 में गोल्डमैन सैक्स के अर्थशास्त्री जिम ओ'नील ने दिया था। तब उन्होंने कहा था कि ब्राजील, रूस, भारत और चीन आने वाले दशकों में वैश्विक अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाएंगे। बाद में ये देश एक साथ आए और इस नाम को अपनाया।सोवियत संघ के पतन के बाद और 2000 के शुरुआती सालों में दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पश्चिमी देशों का दबदबा था। अमेरिका का डॉलर और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं जैसे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष फैसले करती थीं। इस अमेरिकी दबदबे को कम करने के लिए रूस, भारत, चीन और ब्राजील ब्रिक के तौर पर साथ आए, जो बाद में ब्रिक्स हो गया। इन देशों का मकसद ग्लोबल साउथ यानी विकासशील और गरीब देशों की आवाज को मजबूती देना था।

ट्रम्प के मंत्री की टैरिफ हटाने के लिए 3 शर्तें,भारत ब्रिक्स छोड़े, रूस से तेल खरीदी बंद हो और अमेरिका का सपोर्ट करे

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के उद्योग मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने

शुक्रवार को ब्लूमबर्ग टीवी से बात करते हुए भारत पर 25फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ हटाने के लिए तीन शर्त रखीं। उन्होंने कहा कि भारत को रूस से तेल खरीदना बंद करना पड़ेगा,ब्रिक्स से अलग होना होगा और अमेरिका का सपोर्ट करना होगा। उन्होंने कहा कि अगर आप (भारत) रूस और चीन के बीच ब्रिज बनना चाहते हैं तो बनें, लेकिन या तो डॉलर का या अमेरिका का समर्थन करें। अपने सबसे बड़े ग्राहक का सपोर्ट करें या 50फीसदी टैरिफ चुकाएं। हालांकि, उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि भारत जल्द ही अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते की बातचीत में शामिल होगा। उन्होंने कहा कि जल्द ही भारत माफी मांगकर राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ बातचीत की टेबल पर आएगा। उन्होंने कहा कि एक-दो महीने में भारत ट्रम्प के साथ बातचीत की टेबल पर आएगा और माफी मांगेगा। लुटनिक के मुताबिक, भारत ट्रम्प के साथ नया सौदा करने की कोशिश करेगा। यह सौदा ट्रम्प की शर्तों पर होगा और वे प्रधानमंत्री मोदी के साथ इसे अंतिम रूप देंगे। वहीं, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ट्रम्प के इस पोस्ट पर कोई भी बयान देने से इनकार कर दिया है। भारत पर 50फीसदी टैरिफ लगाने के बाद से दोनों देशों के बीच संबंध खराब हो गए हैं। भारत समेत बाकी देशों पर हाई टैरिफ लगाने के मामला की सुनवाई ऊए कोर्ट में चल रही है।ट्रम्प ने 30 जुलाई को भारत पर 25फीसदी टैरिफ का ऐलान किया था। यह 7 अगस्त को लागू हुआ था। इससे एक दिन पहले यानी 6 अगस्त को उन्होंने रूसी तेल खरीदने की वजह से भारत पर 25फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया था, जो 27 अगस्त से लागू हुआ। ट्रम्प का कहना था कि भारत रूस से सस्ता तेल खरीदकर खुले मार्केट में बेच रहा है। इससे पुतिन को यूक्रेन के खिलाफ जंग जारी रखने में मदद मिल रही है।

तालिबान के विदेश मंत्री की भारत यात्रा रद्द, पाकिस्तान ने आपत्ति जताई थी

पख्तून। तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी की इस महीने भारत आने की योजना रद्द हो गई। इसके पीछे की वजह है संयुक्त राष्ट्र के यात्रा प्रतिबंध, जिनमें छूट नहीं

मिल सकी। अगर यह यात्रा होती, तो 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद काबुल से किसी मंत्री की भारत की पहली यात्रा होती। संयुक्त राष्ट्र की 1988 प्रतिबंध समिति तालिबान नेताओं पर यात्रा प्रतिबंध, संपत्ति जब्ती और हथियारों पर रोक की निगरानी करती है। इसका अध्यक्ष वर्तमान में पाकिस्तान है, पाकिस्तान ने मुत्तकी को छूट देने से इनकार किया। इस समिति में सुरक्षा परिषद के 15 सदस्य शामिल हैं, और अगर एक भी सदस्य आपत्ति जताए, तो छूट नहीं मिलती। पिछले महीने मुत्तकी की पाकिस्तान यात्रा भी अमेरिका की आपत्ति के कारण रद्द हुई थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'अफगानिस्तान के लोगों से हमारे पुराने रिश्ते हैं। हम उनके सपनों और विकास की जरूरतों का साथ देते हैं। अफगान अधिकारियों से हमारी बातचीत चल रही है।' यह यात्रा मई में मुत्तकी और विदेश मंत्री एस जयशंकर की फोन कॉल का फॉलो-अप थी।

राकेश रोशन हुए 76के, गैराज में जन्मे गरीबी में जिये,पत्नी के सामने पार्टी में अपमान,डायरेक्शन से पलटी किस्मत

मुंबई। राकेश रोशन एक ऐसा नाम हैं, जिनकी पहचान कई लोगों के लिए सुपरस्टार ऋतिक रोशन के पिता के रूप में है। हालांकि, उनकी

असल पहचान सिर्फ इतनी नहीं है। वे बेहतरीन एक्टर, शानदार प्रोड्यूसर और ब्लॉकबस्टर डायरेक्टर भी हैं। एक्टर के रूप में उन्हें खास सफलता नहीं मिली, लेकिन बतौर डायरेक्टर उन्होंने कई सुपरहिट फिल्में दीं। इनमें 'खून भरी मांग', 'करण अर्जुन', 'कहो नाष्ठ प्यार है' और 'कृष' जैसी फिल्में शामिल हैं। हुनर की बदौलत कभी गैराज में जन्म लेने वाले राकेश आज करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं। राकेश रोशन का जन्म 6 सितंबर 1949 को हुआ। उनके पिता रोशनलाल नागरथ प्रसिद्ध संगीतकार थे। उनकी मां इरा मोइत्रा बंगाली गायिका थीं। राकेश के परिवार में उनके छोटे भाई राजेश रोशन भी हैं, जो एक जाने-माने संगीतकार हैं।बता दें कि जब राकेश का जन्म हुआ था उस समय उनके पिता म्यूजिक डायरेक्टर के रूप में खुद को स्थापित करने की कोशिश कर रहे थे। राकेश ने जिंदगी के शुरुआती दिनों को लेकर मिड डे के इंटरव्यू में कहा था, 'मैं बंबई में पैदा हुआ। मेरा जन्म एक बड़े म्यूजिक डायरेक्टर हुस्नलाल भागतराम के गैराज में हुआ था। मेरे पिता दिल्ली से मुंबई आए थे और वहां गैराज में रहते थे। इसलिए मेरा जन्म उसी गैराज में हुआ था। जब मेरे पिता को काम मिलने लगा, तो हम सांताक्रूज शिफ्ट हो गए। मेरा बचपन वहीं बीता था।' राकेश जब 17 साल के थे, उस समय उनके पिता का निधन हो गया था। जिसके बाद परिवार को सहारा देने के लिए उन्होंने असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में काम शुरू किया।राकेश रोशन जब काम की तलाश में किसी प्रोड्यूसर से मिलने जाते तो कहते - 'मैं रोशन का बेटा हूं।' जिनके बाद उन्हें बहुत इज्जत मिलती थी और उनको अंदर बुला लिया जाता था।राकेश रोशन की जिंदगी में ऐसा समय भी आया जब काम कम होने के कारण उनका परिवार का खर्चा चलाना मुश्किल हो गया था। फिल्मफेयर को दिए एक इंटरव्यू में राकेश ने बताया था कि उनकी पत्नी एक संपन्न परिवार से थीं। वो उनके दो कमरे के अपार्टमेंट में ले आए थे, लेकिन उन्होंने उनकी मुश्किलें समझीं। सब थैर्य से सब झेला और कभी मांग नहीं की।नेटफ्लिक्स की

डॉक्यूमेंट्री रोशंस में राकेश ने बताया था कि कई बार उन्हें बिल चुकाने के लिए दोस्तों से पैसे उधार लेने पड़ते थे। राकेश रोशन ने अपने करियर की शुरुआत फिल्मों में सपोर्टिंग एक्टर के रूप में की थी। उनकी पहली फिल्म 'घर घर की कहानी' थी। उन्होंने 1970 और 1980 के दशक में 84 फिल्मों में काम किया। हालांकि, एक्टिंग का सफर आसान नहीं था।

राकेश को काम नहीं मिलता तो वे रोज पांच प्रोड्यूसर को फोन करके कहते थे - 'अंकल, मुझे काम दे दो।' कभी छोटा रोल मिल जाता, तो वे उसे भी निभा लेते। छुट्टियों में वे परिवार को घुमाने नहीं ले जाते क्योंकि इंडस्ट्री से गायब नहीं होना चाहते थे।राकेश को लीड रोल के रूप में ज्यादा मौके नहीं मिले।

उन्होंने ज्यादातर सपोर्टिंग रोल्स निभाए। उनके कुछ प्रमुख सपोर्टिंग रोल्स में 'मन मंदिर', 'खेल खेल में', 'बुलेट', 'धोंगी', 'खानदान', और 'नीयत' शामिल हैं। कुछ फिल्में थीं, जिनमें उन्हें मुख्य भूमिका मिली। इनमें 'पराया धन', 'आंख मिचौली', 'खूबसूरत' और 'कामचोर' शामिल हैं।1977 की फिल्म 'प्रियतमा' से राकेश को बड़ा ब्रेक मिलने वाला था। उन्हें लगा था कि इस फिल्म के बाद उनका अच्छा समय शुरू होगा, लेकिन आखिरी समय में उनको लीड रोल से रिप्लेस कर दिया गया। डिस्ट्रीब्यूटर और हीरोइन का मानना था कि अगर वह फिल्म में होंगे तो फिल्म नहीं चलेगी। राकेश ने बताया था कि बाद में उस फिल्म में उन्हें गुड्डू का रोल मिला, लेकिन वो बहुत हर्ट हुए थे और छत पर जाकर भगवान को कोसते हुए कहा था, 'क्यों मेरे साथ ऐसा कर रहे हो? मैं तो इतनी मेहनत कर रहा हूं।' राकेश ने यही भावनाएं अपनी फिल्म 'कोई‌ष्ठ मिल गया' में फिल्माईं।

इसमें ऋतिक का किरदार रोहित मेहरा भी ऐसे ही शब्दों में भगवान से सवाल करता है। जब फिल्मों में उन्हें एक्टर के रूप में काम नहीं मिल रहा था तो राकेश को लगा कि जब फिल्में बनाने वाले प्रोड्यूसर काम के लिए उनका फोन नहीं उठाते, तो क्यों न वे खुद ही प्रोड्यूसर बन जाएं। इसके बाद उन्होंने प्रोड्यूसर बनने का फैसला किया। राकेश ने 1980 में अपनी खुद की प्रोडक्शन कंपनी फिल्मक्राफ्ट बनाई। उनकी पहली फिल्म 'आप के दीवाने' फ्लॉप रही, लेकिन अगली फिल्म 'कामचोर' हिट हुई। उन्होंने 'भगवान दादा' (1986) में मुख्य भूमिका निभाई, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हुई।जब प्रोड्यूसर के रूप में कुछ खास सफलता नहीं मिली, तो राकेश रोशन ने डायरेक्टर बनने का सोचा। उन्होंने यह भी ठान लिया कि कभी खुद को अपनी फिल्मों में एक्टर के रूप में नहीं लेंगे। 1987 में राकेश ने डायरेक्शन की ओर कदम बढ़ाया। उन्होंने अपनी पहली फिल्म 'खुदगर्ज' के लिए घर, कार और सब कुछ गिरवी

रख दिया। 'खुदगर्ज' से पहले उन्होंने पत्नी से कहा था - 'एक्टर के तौर पर फेल, प्रोड्यूसर के तौर पर फेलष्ठ डायरेक्टर के तौर पर यह मेरा आखिरी चांस है, शायद भगवान मेरी सुन लें।' हालांकि, यह फिल्म हिट साबित हुई। इसके बाद उन्होंने 'खून भरी मांग' (1988) बनाई। 1990 में उन्होंने 'किशन कन्हैया' बनाई। फिर 1992 में 'खेल' और 1993 में 'किंग अंकल' आई। इन फिल्मों ने भी सफलता पाई। 1995 में राकेश ने 'करण अर्जुन' बनाई। सलमान और शाहरुख की यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई।2000 में राकेश ने अपने बेटे ऋतिक रोशन को लॉन्च किया। फिल्म थी 'कहो ना... प्यार है'। फिल्म में ऋतिक और अमीषा पटेल लीड रोल में थे। यह फिल्म बड़ी हिट रही।

राकेश को इसके लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला। 2003 में राकेश ने 'कोई... मिल गया' बनाई। इसके बाद 'कृष' (2006) और 'कृष 3' (2013) बनी। यह सुपरहीरो फिल्में लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय हुईं। राकेश रोशन ने 2008 में 'क्रेजी 4', 2010 में 'काइट्स' और 2017 में 'काबिल' बनाई। 'क्रेजी 4' और 'काइट्स' एवरेज रहीं, जबकि 'काबिल' को मिली-जुली सफलता मिली।राकेश रोशन की शादी पिंकी रोशन से हुई है। करियर की शुरुआत में जब राकेश असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम कर रहे थे। तब वे पार्टियां भी अरेंज करते थे। इन पार्टियों में बड़े-बड़े एक्टर, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर आते थे।

इन्हीं पार्टियों में एक बड़े प्रोड्यूसर जे. ओम प्रकाश की बेटी पिंकी भी आती थीं। एक दिन पिंकी को लेकर राकेश रोशन की मां ने कहा था - 'अगर बहू लानी है तो पिंकी जैसी।' इस पर राकेश रोशन ने कहा था - 'मां, आप क्या बात कर रही हैं? मैं तो सिर्फ 200 रुपए महीना कमाता हूं।'जब राकेश रोशन को पहली फिल्म मिली, तो 4-5 दिन की शूटिंग के बाद पिंकी के पिता ने उन्हें फोन करके कहा कि मैं तुमसे मिलना चाहता हूं। इस मुलाकात के दौरान जे. ओमप्रकाश ने उनसे कहा, 'मैंने तुम्हें देखा है, तुम बहुत मेहनत से काम करते हो और मैं अपनी बेटी का हाथ तुम्हें देना चाहता हूं।' यह सुनकर राकेश रोशन हक्का-बक्का रह गए। वे दूसरे कमरे में अपनी मां के पास गए और पूछा - 'आपने क्या कहा?' मां ने जवाब दिया - 'मैंने हां कर दी।' इस पर वो बोले थे - 'मैं न पैसे कमा रहा हूं, न कुछ बना हूं और आपने हां कर दी?' शादी को लेकर पिंकी ने बताया था कि एक दिन कॉलेज से लौटते ही उनकी मां ने बताया - 'हमने तुम्हारी सगाई तय कर दी है।' पिंकी की हिम्मत यह पूछने की नहीं हुई कि लड़का कौन है, लेकिन जब पता चला कि वह राकेश रोशन हैं, तो उन्हें बहुत खुशी हुई। कम से कम वह गुड-लुकिंग तो हैं।एक समय राकेश रोशन पर अंडरवर्ल्ड के निशाने पर आ गए थे। 21 जनवरी 2000 को मुंबई के सांताक्रूज में तिलक रोड पर उन पर बुडेश गैंग के दो सदस्यों ने गोली चलाई थी।

हमले के बाद राकेश रोशन जमीन पर गिर पड़े और हमलावर मौके से भाग गए। बाद में आरोपियों की पहचान सुनील विठल गायकवाड़ और सचिन कांबले के रूप में हुई। यह हमला राकेश को मारने के लिए नहीं, बल्कि यह दिखाने के लिए किया गया कि शिवसेना अब अपने क्लाइंट्स की सुरक्षा नहीं कर सकती। उन्होंने अपनी हिट फिल्म 'कहो ना... प्यार है' की विदेशी कमाई का हिस्सा देने की बुडेश की मांग को ठुकरा दिया था। इस घटना को लेकर सिमी गरेवाल के शो में उन्होंने कहा था कि वह शाम करीब 6 बजकर 10 मिनट पर ऑफिस से निकले। कार में बैठे ही थे कि अचानक विंडस्क्रीन टूटने लगी। पहले तो उन्हें लगा कि किसी ने पत्थर मारा है, लेकिन जब देखा तो सामने दो लोग बंदूक लेकर खड़े थे और गोलियां चला रहे थे। इसके बाद वह तुरंत झुक गए और ड्राइवर से कार आगे बढ़ाने को कहा। तभी एक हमलावर बाईं ओर से आया और गोली चला दी, जो उन्हें लग गई। इसके बावजूद उन्होंने हिम्मत दिखाई और सबसे पहले घर फोन कर बेटे ऋतिक की सुरक्षा की जानकारी ली। उस समय उन्होंने ऋतिक को घटना के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया था, सिर्फ इतना कहा था कि कुछ लोगों ने कार पर फायरिंग की है। इसके बाद उन्होंने परिवार के करीबी दोस्तों को सतर्क किया और खुद पुलिस स्टेशन पहुंचे।

खून बहने के बावजूद उन्होंने पहले पुलिस को जानकारी दी और फिर अस्पताल गए।एक बार राकेश रोशन अपनी पत्नी पिंकी, ऋषि कपूर, नीतू कपूर, जितेंद्र और उनकी पत्नी शोभा के साथ किसी पार्टी में एक साथ एंट्री ली। वहां फोटोग्राफर ने राकेश और पिंकी को ग्रुप से बाहर कर दिया और कहा - 'आप लोग थोड़ा साइड में आ जाइए, हमें इनकी फोटो लेनी है।' उस समय राकेश को बहुत बुरा लगा था। राकेश रोशन का खंडाला में एक बंगला है, जिसमें ओलिंपिक आकार का स्विमिंग पूल, निजी थिएटर और स्पा जैसी सुविधाएं मौजूद हैं। न्यूज18 की रिपोर्ट के मुताबिक, उनका बंगला पांच एकड़ के प्लॉट पर फैला हुआ है और 22,400 वर्ग फुट में बसा है, जिसकी कीमत लगभग 120 करोड़ रुपए है।राकेश रोशन ने एएनआई पॉडकास्ट में बताया था कि उनकी फिल्मों के टाइटल का 'के' से शुरू होने का किस्सा एक फैन से जुड़ा है। उन्होंने बताया था, 'कामचोर फिल्म के बाद मैंने 'जाग उठा इंसान' नाम की फिल्म अनाउंस की थी। उस समय फैन लेटर्स आते थे।

एक फैन ने मुझे लिखा था कि आप अपनी फिल्में 'के' से शुरू कीजिए, क्योंकि 'के' से शुरू हुई सारी फिल्में हिट रही हैं- जैसे कामचोर, खेल खेल में, खूबसूरत, खट्टा मीठा, खानदान।' शुरुआत में राकेश रोशन ने इस बात पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। उन्होंने इसके बाद 'जाग उठा इंसान' और 'भगवान दादा' बनाई, लेकिन जब खुदगर्ज की कहानी हाथ लगी तो उन्हें लगा कि यह नाम अच्छा रहेगा। फिल्म रिलीज हुई और हिट हो गई। इसके बाद उसी फैन ने दोबारा लिखकर कहा कि इस बार आपने मेरी बात मानी और फिल्म चल गई। राकेश ने कहा कि यह बात कहीं न कहीं उनके दिमाग में बैठ गई। तभी से उन्होंने अपनी फिल्मों का नाम 'के' से शुरू करना तय कर लिया।

सैयारा को रिलीज हुए 50 दिन पूरे,अहान-अनीत ने इमोशनल पोस्ट के जरिए फैंस का किया शुक्रिया, लिखा- ये यादें हमेशा हमारे साथ रहेंगी

मुंबई। मोहित सूरी की फिल्म सैयारा को रिलीज हुए आज 50 दिन पूरे हो गए हैं। इस मौके पर स्टार

कास्ट अहान पांडे और अनीत ने फिल्म की सफलता को खास अंदाज में सेलिब्रेट किया और सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरों के साथ एक इमोशनल नोट भी लिखा। अहान पांडे ने एक्ट्रेस अनीत पड्डा के साथ कुछ तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, आज हमारी फिल्म को रिलीज हुए 50 दिन पूरे हो गए हैं। एक ऐसी फिल्म, जिसने हमें इस दुनिया से मिलवाया और इस दुनिया को हमसे। जो प्यार हमें मिला है, वो इस बात का सबूत है कि अगर आप जादू पर विश्वास करते हैं, अगर आप उसे महसूस करते हैं, तो शायद दुनिया भी उसे आपके साथ महसूस करने लगे। आज का यह पल हमारे लिए एक शांत और भावुक क्षण है। हम आंखें बंद करते हैं और हमें सिर्फ आप नजर आते हैं। जिस तरह आपने हमारे साथ सब कुछ महसूस किया, हमारे लिए अनोखा था, उसे अपना बनाया और हमारी कमजोरियों के बावजूद हमें स्वीकार किया, यह याद दिलाने के लिए कि ईमानदारी और प्यार इस दुनिया में किसी भी चीज से ज्यादा शक्तिशाली है। यह पल, याद और सीख हमारे साथ हमेशा रहेंगे।फिल्म सैयारा 18 जुलाई को रिलीज हुई थी। इस फिल्म के जरिए अहान पांडे और अनीत पड्डा ने बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया था। फिल्म देखने पहुंचे दर्शक थिएटर में अपनी सीटों से उठकर स्क्रीन के पास जाकर डांस करते नजर आए। इतना ही नहीं, कई लोग भावुक होकर रोते हुए भी दिखाई दिए, जिसके कई वीडियोज सोशल मीडिया वायरल हुए थे।

मूवी रिव्यू

इंस्पेक्टर झेंडेःना दबंग, ना सिंघम मनोज बाजपेयी बने सबसे अलग 'इंस्पेक्टर', जो कॉप फिल्म के सारे फॉर्मूले तोड़ देता है

मुंबई। 'इंस्पेक्टर झेंडे' सिर्फ एक क्राइम थ्रिलर नहीं, बल्कि एक सच्चे

हीरो की कहानी है, जिसे पर्दे पर एक्टर मनोज बाजपेयी ने बड़े शानदार तरीके से उतारा है। इस फिल्म की लेंथ 1 घंटा 52 मिनट है। इस फिल्म को 5 में से 3.5 स्टार की रेटिंग दी है। कहानी- इंस्पेक्टर झेंडे की कहानी असल पुलिस अफसर मधुकर बापुराव झेंडे के मशहूर केस से प्रेरित है।

1986 की मुंबई में सेट यह फिल्म उस अपराधी को पकड़ने की कवायद दिखाती है, जिसे लोग स्विमसूट किलर कहते थे यानी कार्ल भोजराज (जिम सर्भ)।

झेंडे (मनोज बाजपेयी) एक बेहद साधारण पुलिस अफसर हैं, जिनकी जिंदगी भी बाकी मिडिल क्लास लोगों जैसी है। जब खबर मिलती है कि कार्ल जेल से भाग निकला है, तो उसे पकड़ने का जिम्मा फिर उन्हीं को मिलता है।

इसके बाद शुरू होती है मुंबई से गोवा तक की कॉमेडी भरी थ्रिलर रेस। जहां पुलिस और अपराधी का टकराव पारंपरिक हीरो-विलेन वाली लड़ाई नहीं, बल्कि मजाक और गलतियों से भरी दौड़-भाग बन जाता है।

डायरेक्शन और लेखन- डायरेक्टर चिन्मय डी मांडलेकर ने इस फिल्म को सच और मजाक के बीच संतुलित करने की कोशिश की है। शुरुआत में ही नैरेटर कहता है। यह फिल्म सच्ची कहानी पर आधारित है, जो देखने में झूठी लग सकती है।

यहीं से अंदाजा हो जाता है कि कहानी हल्के-फुल्के व्यंग्य भरे लहजे में कही जाएगी।

चिन्मय का सबसे बड़ा प्लस यह है कि उन्होंने कहानी को ओवर-द-टॉप बनाने के बजाय बहुत जमीन से जोड़े रखा। पुलिसवालों को माचो हीरो नहीं, बल्कि आम इंसान की तरह दिखाया जो पहली फ्लाइट में डरते हैं, जिनके पास पैसा कम है, और जो गोवा के पब में जाकर रुशी कपूर और ओम राउत जैसे नाम रख लेते हैं।

यही छोटी-छोटी बातें फिल्म को असली और मजेदार बनाती हैं। लेकिन कमजोरी यह है कि फिल्म हर जगह बैलेंस नहीं बना पाई। कई बार कॉमेडी जबरदस्ती की लगती है और थ्रिलर वाले सीन पैरोडी जैसे हो जाते हैं।

जिस धार और तीखापन की उम्मीद थी, वह कई जगह गायब है। तकनीकी पहलू- सिनेमैटोग्राफीः विशाल सिन्हा का कैमरा 80 के दशक का मुंबई-गोवा दिखाने में सफल रहा। सेपिया टोन और लोकल लोकेशन्स फिल्म को असली स्वाद देते हैं।

प्रोडक्शन डिजाइनः राजेश चौधरी का काम तारीफ के लायक है। पुलिस थाने, चॉल, पुरानी कारें और गोवा के क्लब सब कुछ समयानुसार असली लगता है। एडिटिंगः फिल्म की लंबाई (1 घंटा 52 मिनट) सही है, लेकिन कुछ जगह कटिंग ढीली लगती है। बैकग्राउंड म्यूजिकः यही सबसे बड़ी निराशा है।

एक अच्छी बीजीएम चेस सीन्स को रोमांचक बना सकती थी, लेकिन यहां म्यूजिक सपाट और फीका रह जाता है। अभिनय-

मनोज बाजपेयी- उनका सधा हुआ अभिनय और सूखी कॉमिक टाइमिंग फिल्म का सबसे बड़ा आकर्षण है।

जिम सर्भ- स्मार्ट और खतरनाक अपराधी के रोल में दमदार। उनका स्टाइल और लहजा फिल्म को क्लास देता है। गिरिजा ओक- मासूम और रिलेटेबल पत्नी के किरदार में दिल जीत लेती हैं।

भालचंद्र कदम और अन्य मराठी कलाकार- अपनी कॉमिक टाइमिंग से हल्कापन बनाए रखते हैं।

फैसला- इंस्पेक्टर झेंडे मसाला एक्शन फिल्म नहीं है। यह एक अलग किस्म की कॉप-कॉमेडी है, जिसमें अपराधी भी स्टाइलिश है और पुलिसवाले भी इंसानी कमजोरियों के साथ नजर आते हैं। हंसी के पल हैं, लेकिन हर बार गूंजते नहीं।

अगर आप मनोज बाजपेयी को एक अलग और मजेदार अंदाज में देखना चाहते हैं और हल्की-फुल्की थ्रिलर का मूड है, तो यह फिल्म एक बार देखने लायक है।

अफ्रीकी स्टार बोले-पंजाब की बाढ़ से दिल दुख रहा,दुआ करता हूं, सब सुरक्षित रहें,पंजाबी-हिंदी गानों से किली पॉल का खास जुड़ाव

नाईजीरिया। पंजाब में आई बाढ़ की स्थिति ने अब

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लोगों का ध्यान खींचा है। तंजानिया के मशहूर सोशल मीडिया स्टार किली पॉल ने पंजाब की मौजूदा हालत को लेकर गहरा दुख व्यक्त किया है और राज्य के लोगों के लिए दुआ मांगी है। किली पॉल, जो टिकटॉक और इंस्टाग्राम पर बेहद लोकप्रिय हैं और जिनके लाखों फॉलोअर्स हैं, अक्सर पंजाबी गानों और भारतीय संगीत पर अपने वीडियोज साझा करते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं दुआ कर रहा हूं। मुझे दिली दुख पहुंचा जब पंजाब में आई बाढ़ के बारे में सुना। मैं यहां पंजाब के लिए दुआ कर रहा हूं। मैं यहां से अभी दुआ ही कर सकता हूं। सभी अपना ध्यान रखें।

भगवान आप पर अपनी कृपा बनाए रखे और इस बुरे समय में आपको संभलने की शक्ति दे। धन्यवाद।'किली पॉल का संदेश सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

पंजाब से उनका गहरा जुड़ाव किसी से छिपा नहीं है। वे कई बार पंजाबी गानों पर अपने वीडियो बनाकर पंजाबी संगीत को वैश्विक स्तर पर पहचान दिला चुके हैं। उनकी बहन नीमा पॉल के साथ बनाए गए पंजाबी गानों के वीडियो को पंजाबियों ने खूब सराहा है।किली पॉल टिकटॉक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर एक्टिव रहते हैं।

उनकी पहचान भारतीय गानों, खासकर हिंदी और पंजाबी गानों पर लिप-सिंक और डांस वीडियो बनाने से हुई। वे अक्सर अपनी बहन नीमा पॉल के साथ वीडियो बनाते हैं। साधारण जीवनशैली, गांव का बैकग्राउंड और भारतीय संगीत के प्रति लगाव ने उन्हें वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई। किली पॉल हिंदी और पंजाबी गानों को इतनी शिद्दत से परफॉर्म करते हैं कि भारतीय दर्शक उनसे गहरा जुड़ाव महसूस करते हैं।पॉल सिद्धू मूसेवाला, दिलजीत दोसांझ, अरिजीत सिंह, नेहा कक्कड़ जैसे सिंगर्स के गानों पर वीडियो बनाकर लाखों-करोड़ों व्यूज बटोर चुके हैं। उन्हें खुद भारत से खास लगाव है। उन्होंने कई बार इंटरव्यू में कहा है कि उन्हें भारतीय गाने, डांस और संस्कृति बेहद पसंद है।

मूवी रिव्यू

बागी 4:टाइगर श्रॉफ और हरनाज संधू का शानदार अवतार, खून-खराबे के बीच छुपा है बड़ा सस्पेंस!

मुंबई। टाइगर श्रॉफ की वापसी रोनी के रूप में जबरदस्त है। इस बार उनका लुक और अपील और भी खतरनाक है। फिल्म 30 मिनट

के भीतर ही पकड़ लेती है और एक्शन, इमोशन और थ्रिल का ऐसा पैकेज देती है जो सिंगल स्क्रीन दर्शकों को पूरा एंटरटेन करेगा। कहानी- रोनी (टाइगर श्रॉफ), एक डिफेंस सी फोर्स ऑफिसर, एक दर्दनाक ट्रेन हादसे से बचकर आता है, लेकिन हादसे के बाद उसका दिमाग बार-बार अजीब खेल खेलने लगता है। उसे अपनी मोहब्बत आलिशा (हरनाज संधू) की झलकें दिखाई देती हैं, जबकि परिवार और भाई जीतू (श्रेयस तलपड़े) उसे समझाते हैं कि आलिशा जैसी कोई लड़की कभी थी ही नहीं। यहीं से शुरू होती है असली रहस्य की कहानी। क्या रोनी पागल हो चुका है या सचमुच कोई उसकी मोहब्बत की हकीकत दुनिया से छिपा रहा है? सबूतों के धागे उसे एक खतरनाक मिशन की तरफ ले जाते हैं, जहां उसका सामना होता है डरावने विलेन चाको (संजय दत्त) और उसके भाई पाउलो (सौरभ सचदेवा) से। कहानी में स्पष्ट तौर पर एनिमल जैसी फिल्मों का ग्राइटी टच है। विलेन के किरदार, ट्रीटमेंट और सेट डिज़ाइन में वही खुरदुरा, खतरनाक और डरावना माहौल है। खासकर फेस मास्क वाले एक्शन सीक्वेंस में रोनी और विलेन के बीच टकराव दर्शकों को सस्पेंस और एड्रेनालिन दोनों का अनुभव देता है। अभिनय- फिल्म पूरी तरह से टाइगर श्रॉफ के इर्द-गिर्द घूमती है। उन्होंने

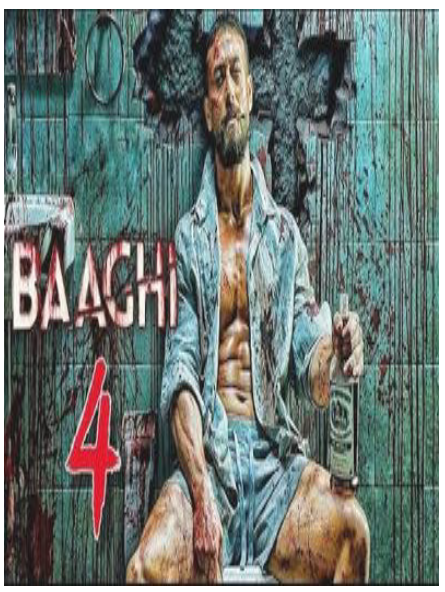

एक्शन और इमोशन दोनों में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। हरनाज संधू ने मासूमियत, एलिगेंस और एक्शन अवतार का डबल पैकेज पेश किया है, और उनकी केमिस्ट्री टाइगर के साथ शानदार है। संजय दत्त चाको के खौफनाक विलेन रूप में जबरदस्त हैं। श्रेयस तलपड़े कॉमिक और इमोशनल दोनों शेड्स में अच्छे लगे। डायरेक्शन और तकनीकी पक्ष- ए. हर्षा ने फिल्म को बड़े पैमाने पर शूट किया है। प्रोडक्शन डिजाइन, सिनेमैटोग्राफी और एक्शन कोरियोग्राफी उच्च स्तर की हैं। समुद्र, ट्रेन और फेस मास्क वाले एक्शन सीक्वेंस बिल्कुल शानदार लगते हैं। एक्शन सीक्वेंस में दम है और खून-खराबे के कारण इसे ए सर्टिफिकेट मिला है। सेकंड हाफ में थोड़ी खिंचावट दिखती है और क्लाइमैक्स भी थोड़ा लंबा लगता है, वरना फिल्म और क्रिस्प हो सकती थी। संगीत और बैकग्राउंड म्यूजिक- संगीत में 'ये मेरा हुस्न' में हरनाज का डांस नंबर हॉट और कैची है। बाकी गाने जैसे 'तूने रोना सिखा दिया', 'लब ना हीं' (बी प्राक) और 'तेरा ख्याल' (स्टेबिन बेन) इमोशनल, मेलोडियस और रोमांटिक टच देते हैं। बैकग्राउंड म्यूजिक फिल्म के एक्शन सीन और सस्पेंस को और पावरफुल बनाता है। 'लैला' सॉन्ग का ग्रैंड म्यूजिकल पैकेज भी फिल्म में मनोरंजन का तड़का जोड़ता है और सेट, कैमरा और कोरियोग्राफी के शानदार इस्तेमाल से यह विजुअल अपीलिंग लगता है।अगर आप बड़े पर्दे पर थ्रिलू एक्शन, सस्पेंस, ब्लड बाथ और इमोशन का मिक्सचर देखना चाहते हैं तो बागी 4 आपके लिए है। टाइगर श्रॉफ की करिश्माई मौजूदगी और हरनाज संधू का डबल पैकेज परफॉर्मेंस इस फिल्म को स्पेशल बना देता है।

स्वत्वाधिकारी
प्रकाशक एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक
डॉ.दीपक अरोरा
मो 0 न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।